CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 31° C
न्यूनतम : 24° C

देहरादून, शनिवार 5 जुलाई 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 332 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | आषाढ़ शुक्ल पक्ष 9 विक्रमी सम्वत् 2082 | 9 मुहर्रम 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

योगी ने प्रशिक्षु पीसीएस को दी संवेदनशीलता बरतने की नसीहत पेज 2

जडेजा ने बीसीसीआई का दिशा-निर्देश तोड़ा पर सजा की उम्मीद नहीं खेल टाइम्स

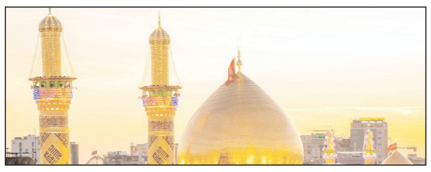

करबला से मिलती है चरित्र निर्माण की शिक्षा संपादकीय

रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को दी मान्यता पेज 12

अगले सप्ताह से शुरू होगा हज-2026 के लिए आवेदन: रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि हज -2026 की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और एक सप्ताह बाद से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। श्री रिजिजू ने शुक्रवार को यहां हज समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि हमने आज से आधिकारिक तौर पर हज-2026 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हज-2025 को हाल के इतिहास में सबसे बेहतरीन तरीके से प्रबंधित और सबसे सफल हज यात्राओं में से एक माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले साल और उससे पहले हज यात्रा के दौरान कई घटनाएं देखने को मिली।

हिमाचल: बारिश से अब तक 69 की मौत, केदारनाथ मार्ग बंद

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने 20 जून को एंट्री ली थी। बारिश से जुड़ी घटनाओं में राज्य में अब तक 69 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 26 मौतें एक्सीडेंट के कारण हुईं। एक दिन पहले 6 लोगों की जान गई थी। बीते 15 दिन में राज्य को लगभग 500 करोड़ का नुकसान हो चुका है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में लगातार बारिश के कारण अलकनंदा उफान पर है। इसके किनारे बने घर डूब गए हैं। वहीं, केदारनाथ यात्रा के पड़ाव गौरीकुंड में लैंडस्लाइड के बाद रूट ब्लॉक हो गया है। बद्रीनाथ हाईवे पर नंदप्रयाग और भनेरपानी के पास लैंडस्लाइड से रास्ता बंद हो गया था, उसे अब खोल दिया गया है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने से बाढ़ का खतरा बढ़ने लगा है। इसको लेकर प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया है।

त्रिनिदाद में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड होंगे जारी: मोदी

पोर्ट ऑफ स्पेन/ नई दिल्ली, वार्ता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने त्रिनिदाद- टोबैगो में भारतीय समुदाय के लोगों के अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित और पोषित करने के मजबूत इरादों की सराहना करते हुए कहा है कि इस देश में उनकी यात्रा साहस और परिश्रम की गाथा है।

पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में गुरुवार देर रात घाना से त्रिनिदाद- टोबैगो पहुंचे श्री मोदी ने यहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए घोषणा की कि इस देश में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को 'ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया' यानी ओसीआई कार्ड जारी किए जाएंगे। कार्यक्रम में श्री मोदी का स्वागत करते हुए त्रिनिदाद-टोबैगो के प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने उन्हें देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एवं टोबैगो' से सम्मानित करने की घोषणा की। श्री मोदी ने इस अवसर पर भारतीय समुदाय के दृढ़ इरादों के लिए उनकी सराहना की तथा उनके साथ संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अब त्रिनिदाद - टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड जारी किए जाएंगे।

मोदी को सर! कह नमन किया त्रिनिदाद-टोबैगो की पीएम ने

पोर्ट ऑफ स्पेन / नई दिल्ली। त्रिनिदाद- टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उनको आज की दुनिया के सबसे प्रशंसित दूरदर्शी नेताओं में एक बताया। प्रधानमंत्री ने श्री मोदी के स्वागत में उन्हें सर! कह कर नमन किया और उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से विभूषित करने की घोषणा की।

मोदी ने पीएम कमला प्रसाद को भेंट की राम मंदिर की प्रतिकृति व पावन सरयू-जल

पोर्ट-ऑफ-स्पेन / नई दिल्ली। पीएम मोदी ने अपने सम्मान में यहां मेजबान त्रिनिदाद-टोबैगो की सरकार द्वारा गुरुवार रात आयोजित रात्रि भोज में प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर को कुछ स्मृति चिह्नों के साथ अयोध्या-धाम के राम मंदिर की एक प्रतिकृति और पावन सरयू के जल का एक पात्र भी भेंट किया।

श्री मोदी ने आस्था के इन प्रतीकों को भारत और त्रिनिदाद- टोबैगो के गहरे सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संबंध का परिचायक बताया।

सब लेफ्टिनेंट पूनिया बनीं नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट

नई दिल्ली। सब लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया ने नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट होने का गौरव हासिल किया है। नौसेना ने बताया कि विशाखापत्तनम स्थित नौसैनिक एयर बेस पर दूसरे बेसिक हॉक कन्वर्जन कोर्स के पूरा होने के बाद शुक्रवार को उन्हें यह गौरव हासिल हुआ। इस कोर्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए लेफ्टिनेंट अतुल कुमार और सब लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया को सहायक नौसेना प्रमुख (वायु) रियर एडमिरल जनक बेवली ने प्रतिष्ठित 'विंग्स ऑफ गोल्ड' पुरस्कार से सम्मानित किया।

चीन की नीच हरकत का सेना ने किया खुलासा

ऑपरेशन सिंदूर का लाइव डाटा पाक को किया था लीक

शाह टाइम्स ब्यूरो

- भारतीय उपसेना प्रमुख का सनसनीखेज रहस्योद्घाटन: चीन, तुर्की व पाकिस्तान का नापाक गठबंधन लगा था अंजाम देने में
- चीन-तुर्की और पाकिस्तान के गठबंधन को किया बेनकाब, बोले: हम एक सीमा पर दो विरोधियों या असल में तीन से लड़ रहे थे जंग

नई दिल्ली। भारतीय सेना के उप सेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं संधारण) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन पाकिस्तान को भारत की तैयारियों और अग्रिम मोर्चों पर हमारी तैनाती को लेकर इनपुट दे रहा था।

फिक्की द्वारा आयोजित न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीज कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जब डीजीएमओ स्तर की वार्ता चल रही थी, तो पाकिस्तान को चीन से हमारे महत्वपूर्ण वैक्टरों के लाइव अपडेट मिल रहे थे। ऐसे में यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हमें असल में ज्यादा से ज्यादा और तेजी के साथ काम करने की जरूरत है। अपने संबोधन में उन्होंने चीन-तुर्की और पाकिस्तान के गठबंधन को बेनकाब करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम एक सीमा पर दो विरोधियों या असल में तीन से जंग लड़ रहे थे। पाकिस्तान अग्रिम मोर्चे पर था और चीन उसे हर संभव सहायता प्रदान कर रहा था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास 81 फीसदी सैन्य हार्डवेयर चीनी हैं। इस अभियान में चीन -**शेष पृष्ठ दो पर**

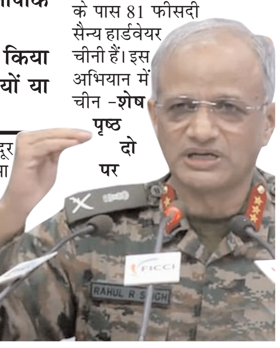

नीट-यूजी 2025 परिणाम को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल के विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट- यूजी) 2025 की अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम को चुनौती देते हुए दाखिले के लिए शुरू होने वाली काउंसलिंग प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाने की मांग वाली एक याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने नीट-यूजी 2025 के अभ्यार्थी शिवम गांधी रैना की याचिका खारिज करते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय परीक्षा में किसी व्यक्तिगत मामले के आधार पर हस्तक्षेप नहीं कर सकती। याचिकाकर्ता ने अंतरिम राहत के तौर पर एमबीबीएस एवं नीट-यूजी परिणाम के आधार पर दाखिले के लिए संभावित इस माह आयोजित काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने की भी मांग की थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह विवाद

हिंदू पक्षकारों को झटका

प्रयागराज, वार्ता

- शाही ईदगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किया इन्कार

मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से इन्कार कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से हिंदू पक्षकारों को झटका लगा है।

न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अदालत ने वादी महेंद्र प्रताप सिंह की ओर से दाखिल अर्जी खारिज कर दी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित करने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। इससे पहले कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका पर मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। साथ ही निर्णय के लिए चार जुलाई की तारीख नियत की थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में मांग की है कि शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित किया जाए, जैसा कि बाबरी मस्जिद प्रकरण में किया गया था। साथ ही दावा किया था कि मथुरा की शाही मस्जिद भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भगृह को तोड़कर ही बनाई गई है। हालांकि हिंदू पक्ष की इस मांग पर मुस्लिम पक्ष ने विरोध जताया था। साथ ही कोर्ट में लिखित आपत्ति भी दाखिल की थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की कोर्ट ने शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित करने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अहमदाबाद प्लेन हादसा

मुआवजा देने से बच रही एयर इंडिया

नई दिल्ली/लंदन, वार्ता

- वकील बोले: एयर इंडिया पीड़ित परिजनों से वित्तीय जानकारी मांग रही

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले यात्रियों के परिजनों को एयर इंडिया मुआवजा देने से बचना चाहती है। यह आरोप 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ने वाली ब्रिटेन की कानूनी फर्म स्टीवर्ट्स ने लगाए हैं। स्टीवर्ट्स 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ रही है।

फर्म के एडवोकेट पीटर नीनन ने कहा है कि एयर इंडिया ने मुआवजा देने से पहले परिवारों से कानूनी रूप से संवेदनशील वित्तीय जानकारी मांगी, जिससे उनका हक कम हो सकता है। उधर, एयर इंडिया ने आरोपों को इन्कार कर दिया है। नीनन ने कहा कि एयर इंडिया पीड़ित परिवारों के साथ अनैतिक और अपमानजनक व्यवहार कर रही है। एयर इंडिया इस तरह से व्यवहार कर लगभग 1,050 करोड़ रुपये बचाने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने मामले की जांच की मांग भी की है। वहीं, उन्होंने अपने क्लाइंट्स को सलाह दी है कि वे फॉर्म न भरें और मुआवजा पाने के लिए कानूनी रास्ता अपनाएं। अहमदाबाद में एयर इंडिया का प्लेन क्रैश 12 जून को हुआ था। उस वक्त विमान में 242 लोग सवार थे। इनमें एक यात्री की जान बच गई थी। इसके अलावा, जिस मेडिकल हॉस्टल पर विमान गिरा था, वहां 29 लोगों की जान गई थी। इस तरह इस हादसे में 270 लोगों की जान गई थी। नीनन ने आरोप लगाया कि न तो किसी परिजन को पहले से कोई सूचना दी गई, न ही -**शेष पृष्ठ दो पर**

संक्षिप्त समाचार

12,348 श्रद्धालुओं ने किए शिवलिंग के दर्शन

यूपी के एक श्रद्धालु की मौत

पहलगाम। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर पहले दिन शाम 7.15 बजे तक 12,348 श्रद्धालुओं ने हिम शिवलिंग के दर्शन किए। इनमें 9,181 पुरुष और 2,223 महिलाएं शामिल रहीं। 99 बच्चे, 122 साधु, 7 साध्वी, 708 सुरक्षाबलों के जवान और 8 ट्रांसजेंडर श्रद्धालु भी दर्शन के लिए पहुंचे। 5200 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था 3 जुलाई की शाम जम्मू के भगवतीनगर बेस कैंप से रवाना हुआ, जो शुक्रवार दोपहर 2 बजे पहलगाम बेस कैंप पहुंच गया। 6400 यात्रियों को लेकर तीसरा जत्था आज सुबह सुबह 4 बजे अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ।

यूपी में दो निजी विवि को मिली स्वीकृति

लखनऊ। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश शासन ने अयोध्या में 'महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय' के संचालन की अनुमति प्रदान की है, वहीं गाजियाबाद में 'अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय' की स्थापना हेतु आशय-पत्र जारी किया गया है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने यह जानकारी दी।

पीसीएस में 300 से अधिक अभ्यर्थी शामिल

लखनऊ। सीएम अभ्युदय योजना ने नया कीर्तिमान अर्जित किया है, जब पीसीएस मुख्य परीक्षा 2024 में योजना से जुड़े 300 से अधिक अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। इस वर्ष की परीक्षा में लखनऊ के गोमत.।नगर स्थित 'भागीदारी भवन' सबसे प्रभावशाली केंद्र रहा, जहां से 200 से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

ऑपरेशन सिंदूर: सेना के उप प्रमुख के बयान पर सियासत गर्माई

कांग्रेस ने पीएम मोदी से संसद में चीन पर चर्चा की मांग दोहराई

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस ने भारतीय सेना के उप-प्रमुख (क्षमता विकास एवं स्थायित्व) लेफ्टिनेंट राहुल आर सिंह के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन ने भारतीय सैन्य संपत्तियों का लाइव डाटा पाकिस्तान के साथ साझा किया और तुर्की ने पाकिस्तान को ड्रोन मुहैया कराए।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि सेना के उप-प्रमुख (क्षमता विकास और स्थायित्व) लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने आज सार्वजनिक रूप से वह बात कही है, जो ऑपरेशन सिंदूर के अचानक खत्म होने के बाद से आमतौर पर मानी जा रही थी। यह वही ऑपरेशन है, जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के दखल के चलते 10 मई को रोक दिया गया था। रमेश ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने जो कहा, वह उसी चिंता को सार्वजनिक रूप से सामने लाता है कि हम वास्तव में पाकिस्तान से नहीं, बल्कि चीन से लड़ रहे थे। चीन, पाकिस्तान की वायु सेना को असाधारण स्तर तक नियंत्रित कर रहा था। यह खुलासा उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि

■ रणनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक चुनौतियों पर चर्चा होनी चाहिए

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की ओर से सिंगापुर में किया गया था। यही कारण है कि कांग्रेस पार्टी लगातार यह मांग कर रही है कि संसद में चीन की ओर से हमारे सामने खड़ी की जा रही रणनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक चुनौतियों पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन ने की पाकिस्तान की वायु सेना को अपने नियंत्रण में नहीं लिया है, बल्कि अब वह पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ त्रिपक्षीय बैठकें कर रहा है। हमारे व्यापार घाटे के आंकड़े रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। अब जबकि संसद का सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है और उसे चार दिनों के लिए बढ़ाया भी गया है, हमें उम्मीद है कि हमें चीन से जुड़ी राजनीतिक, रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनी. तिक चुनौतियों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा। कांग्रेस इस बात पर जोर देती रहेगी कि चीन पर पूरी बहस होनी चाहिए और इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक साझा ख्रष्टिकोण पर आम सहमति बनाई जाए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पाकिस्तान एक चुनौती है, जिसे चीन का समर्थन हासिल है। अमे. रिका भी एक अलग तरह की चुनौती है, लेकिन वह एक अलग श्रेणी में आता है। हम लगातार यह मांग करते रहेंगे और संसद में इस विषय पर चर्चा की मांग करेंगे- चाहे वह सीडीएस जनरल चौहान के बयान हों, इंडोनेशिया में रक्षा अधिकारी के खुलासे हों या आज नई दिल्ली में लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह द्वारा कही गई बातें। संसद सत्र से पहले 19 जुलाई को होने वाली सर्वदलीय बैठक पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, सर्वदलीय बैठक एक औपचारिकता भर होती है।

जल जीवन मिशन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त: अखिलेश यादव

लखनऊ, वार्ता

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता को जल जीवन मिशन, नदियों की सफाई और अन्य योजनाओं के नाम पर धोखा दिया है। इन योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और लूट हुई है। बारिश आते ही भाजपा स्मार्टसिटी योजना की पोल खुल गई है।

यादव ने शुक्रवार को कहा कि गोरखपुर, आगरा, वाराणसी, अयोध्या, अलीगढ़ समेत कई नगरों और शहरों में जगह-जगह जल भराव हैं सड़कें उखड़ गई है, नाले जाम है। मोहल्लों और गलियों में पानी भर जाता है। भाजपा की दिल्ली, लखनऊ की डबल इंजन सरकार और महानगरों के नगर निगम मिलाकर ट्रिपल इंजन की सरकार फेल हो गयी है। उन्होंने कहा है कि पिछले नौ साल में भाजपा सरकार एक भी सिटी को स्मार्ट नहीं बना

पाई है। सड़कें जगह-जगह खोद दी गई हैं। आम जनता भाजपा सरकार की अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार से परेशान हो चुकी है। इसी तरह से इस सरकार की जल जीवन मिशन योजना भ्रष्टाचार के नए रिकार्ड बना रही है। इस योजना के तहत बनी पानी की टंकियां भाजपा के भ्रष्टाचार का भार नहीं सह पा रही हैं।

हर महीने किसी न किसी जिले में पानी की टंकियां ढह रही है। यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। मां गंगा की सफाई नहीं हुई। नमामि गंगे परियोजना के लिए आवंटित हजारों करोड़ का बजट साफ हो गया, लेकिन गंगा नदी साफ नहीं हुई, स्थिति जस की तस है।

उप्र में बनेगा आउटसोर्स सेवा निगम, भर्ती होंगे कर्मी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कर्मियों के जीवन में भरोसा सुनिश्चित करेगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के श्रम अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन को मंजूरी प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने यहां एक उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि यह निगम प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के साथ-साथ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के जीवन में स्थायित्व और भरोसा सुनिश्चित करेगा। उन्होंने प्रस्तावित निगम की कार्यप्रणाली, संरचना और दायरे पर विस्तृत विचार- विमर्श करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और साफ किया कि राज्य सरकार श्रमिकों के श्रम, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए कृतसंकल्पित है और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के सामाजिक व आर्थिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन विकेन्द्रीकृत तरीके से होता है, जिसके कारण समय पर वेतन न मिलना, वेतन में कटौती, ईपीएफ/ईएसआई लाभों से वंचित रहना, पारदर्शिता की कमी और उत्पीड़न जैसी अनेक शिकायतें मिलती हैं। इस परिप्रेक्ष्य में संपूर्ण व्यवस्था में व्यापक सुधार आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित निगम का गठन कंपनी एक्ट के तहत किया जाए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और एक महानिदेशक की नियुक्ति की जाएगी। मंडल व जिला स्तर पर भी समितियों का गठन किया जाएगा।

आम महोत्सव में पहुंचे योगी, सरकार ने औद्यानिक फसलों का निर्यात बढ़ाया

यूपी की कृषि प्रगति को वैश्विक मंच पर लाएंगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ लखनऊ, अमरोहा, सहारनपुर और वाराणसी में चार आधुनिक पैक हाउस स्थापित किए गए हैं

आम महोत्सव पीएम मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने का प्रयास

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में बागवानों की मेहनत और कृषि प्रगति को वैश्विक मंच पर ले जाने के लिए उनकी सरकार कटिबद्ध है।

लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम, अवध विहार योजना, सेक्टर 9, में तीन दिवसीय 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 2025' के शुभारंभ के मौके पर उन्होने कहा कि हमारे बागवानों ने जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों के बावजूद तकनीक का उपयोग कर शानदार प्रदर्शन किया है। ढाई से तीन किलो के आमों की किस्में देखकर आश्चर्य होता है, जो न केवल स्वाद में बेजोड़ हैं, बल्कि वैश्विक बाजार में भी उत्तर प्रदेश की शान बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

आम उत्पादन को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए लखनऊ, अमरोहा, सहारनपुर और वाराणसी में चार आधुनिक पैक हाउस स्थापित किए गए हैं। इन पैक हाउसों के माध्यम से आम की गुणवत्ता, वैरायटी और एक्सपोर्ट के मानकों की जानक. ारी किसानों को दी जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आम महोत्सव न केवल आम उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देता है, बल्कि बागवानों में औद्यानिक फसलों, आधुनिक तकनीक और वैश्विक बाजारों के प्रति विश्वास जगाने का भी माध्यम है। योगी ने जोर देकर कहा कि डबल इंजन सरकार की डबल इंजन नीति ने औद्यानिक फसलों के निर्यात को कई गुना बढ़ाया है। इस महोत्सव के दौरान दो देशों के लिए आमों का एयर कार्गो रवाना किया गया, जिसमें सरकार द्वारा दी गई सब्सिडी ने बागवानों को बेहतर दाम दिलाने में मदद की। मुख्यमंत्री ने महोत्सव में सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और लखनऊ की दशहरी, वाराणसी का लंगड़ा, गोरखपुर का गवर्जीत, बस्ती का आम्रपाली, मेरठ और बागपत का रटोल जैसी किस्मों की जानकारी ली। उन्होंने बाग. वानों के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और तकनीकी नवाचार ने उत्तर प्रदेश को औद्यानिक फसलों का केंद्र बनाया है।

योगी ने प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों को दी संवेदनशीलता बरतने की नसीहत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य प्रशासनिक सेवा (पीसीएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों को सफल और प्रभावी अधिक. ारी बनने के लिए 'संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता' का मंत्र दिया है। शुक्रवार को पीसीएस 2022 बैच के 7 और 2023 बैच के 38 प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के प्रशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनना, बड़ी चुनौतियों से भरा है। यह चुनौतियां ही आपके व्यक्तित्व को निखारेंगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल, विविधताओं से भरा राज्य प्रशासनिक रूप से भी अनेक चुनौतियों से जुड़ा है। ऐसे राज्य की सेवा का अवसर प्राप्त होना न केवल गौरव की बात है, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व और दृष्टिकोण को गहराई से परखने और निखारने का भी माध्यम है।

सेंसेक्स 83432.89
निफ्टी 25461.00

सोना रु. 97142
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 107367
प्रति किलो

भारतीय शेयर बाजारों में हल्का सुधार दिखा

मुंबई, वार्ता

वैश्विक बाजारों से मिले जुले संकेतों तथा कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के रुख के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में दो दिन की गिरावट से उबर कर तेजी दिखी और उतार. चढ़ाव भरे कारोबार में प्रमुख सूचकांकों में हल्का सुधार दर्ज किया गया।

बीएसई का 30 प्रमुख शेयरों वाला संसेक्स तेजी की धारणा के साथ खुलने के बाद दोपहर को नीचे चला गया था। संसेक्स अंत में कल के मुकाबले 193.42 अंक या 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,432.89 अंक पर बंद हुआ। कल बाजार गिरावट के साथ 83239.47 पर बंद हुआ था। आज सेंसेक्स के 20 शेयर लाभ में और दस हानि में बंद

सेंसेक्स अंत में कल के मुकाबले 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,432. 89 अंक पर बंद हुआ

हुए। नेशल स्टॉक एक्सचेंज का व्यापक 50 शेयरों वाला निफ्टी 50 भी नरमी की धारणा के साथ अंत में कुल मिला कर 55.70 अंक (0.22 प्रतिशत) के हल्के सुधार के साथ 25,461.00 पर बंद हुआ। निफ्टी 25,428.85 पर खुलने के बाद दिन में 25,331.65 तक नीचे चला गया था। अपराह्न के सत्र में लिवाली का समर्थन मिलने से यह में 25,470.25 के दिन के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया था। इस स्तर पर बाजार में प्रतिरोध दिखा। एशिया के प्रमुख बाजारों में शुक्रवार को मिला जुला प्रदर्शन दिखा। बाजारों को अमेरिका की आयात शुल्क नीति पर ट्रम्प सरकार के अगले निर्णय का इंतजार है। विश्लेषकों के अनुसार बाजार में क्षेत्रवार शेयरों का प्रदर्शन मिलाजुला रहा। प्राइवेट बैंकों के शेयर भी दबाव में दिखे। व्यापक रूप से बाजार में धारणा शांत रही। साप्ताहिक रोजगार के आंकड़ों में 1.47 लाख रोजगार के नए अवसर सृजित हुए और बेरोजगारी का स्तर गिरकर 4.1 प्रतिशत पर आ गया, जिससे निवेशकों में थोड़ा उत्साह बना। वेस्टेड फाइनांस के सीईओ विक्रम शाह ने अमेरिकी बाजार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वहां बुनियादी लचताएं बनी हुई हैं। निजी क्षेत्र में भर्तियों की रफ्तार मंद पड़ी है और दीर्घकालिक बेरोजगारी की चिंता है। प्रमुख एशियायी बाजारों में सीमित घट-बढ़ के साथ मिले जुले रुख के बीच टोक्यो बाजार हल्के सुधार के साथ बंद हुआ लेकिन सिंगापुर और हांगकांग के प्रमुख सूचक. ांक गिरावट में रहे। न्यूयार्क जिंस बाजार में ब्रेंट क्रूड आयल 0.93 प्रतिशत गिरावट के साथ 68.16 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर चल रहा था।

सोना सस्ता होकर 97,142 पर आया

नई दिल्ली। सोने का दाम शुक्रवार को 195 रुपए सस्ता होकर 97,142 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। कल यह 97,337 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार एक किलो चांदी की कीमत भी 253 रुपए घटकर 1,07,367 पर आ गई है। कल एक किलो चांदी 1,07,620 प्रति किलो थी। 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इस साल सोना करीब 20 हजार महंगा हो चुका है। वही, चांदी का दाम भी करीब 21 हजार बढ़ चुका है।

देश के चार महानगरों दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,880 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,650 रही, जबकि मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,730 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,500 थी। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,730 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,500 रही, जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,730 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,500 थी।

इन्वेस्ट यूपी अमेरिका और यूके में रोड शो व राउंड टेबल चर्चा करेगा

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी दुनिया भर के निवेशकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए अमेरिका और इंग्लैंड में रोड शो और राउंड टेबल चर्चा का आयोजन करेगी।

इन्वेस्ट यूपी के सूत्रों ने बताया कि इन आयोजनो का उद्देश्य चीन के विकल्प की तलाश कर रही वैश्विक विनिर्माण कंपनियों को प्रदेश में आकर्षित किया जाना है। उत्तर प्रदेश के लिए यह एक रणनीतिक अवसर है, जिससे वह वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों के समकक्ष, एक भरोसेमंद और लागत प्रभावी विनिर्माण स्थल बनकर उभर सकता है। इस पहल के अंतर्गत इन्वेस्ट यूपी, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और यूनाइटेड लकगडम में वैश्विक रोड शो, गोलमेज (राउंडटेबल) चर्चायें और रणनीतिक व्यावसायिक संवाद आयोजित कर रही है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश की निवेश-अनुक. ूल नीतियों, क्षेत्रीय क्षमताओं और औद्योगिक तत्परता को वैश्विक दिग्गजों और फॉर्च्यून 500 कंपनियों के समक्ष प्रस्तुत कर, बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश को आकर्षित करना है। इस वैश्विक आउटरीच के तहत न्यूयॉर्क, सैन फांसिस्को, लॉस एंजेल्स, लंदन, पेरिस, फैंकफर्ट, मिलान, एम्स्टर्डम और बर्मिंघम जैसे प्रमुख शहरों में उच्च स्तरीय बी2जी (बिजनेस-टू-गवर्नमेंट) बैठकें और गोलमेज चर्चाएँ आयोजित की जायेंगी। भारतीय दूतावासों तथा यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी), भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) जैसे प्रमुख व्यापार संघों के सहयोग से आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के निर्णय निर्माताओं के साथ उत्तर प्रदेश की भागीदारी को सुदृढ़ करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, उत्तर प्रदेश विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों के साथ संवाद स्थापित करेगा।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

चीन की... ने एक तरह से अपने हथियारों का परीक्षण अन्य हथियारों के खिलाफ किया। पाकिस्तान एक तरह से उनके लिए एक प्रयोगशाला की तरह उपलब्ध था। तुर्की ने भी इस प्रकार की सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने संबोधन में उन्होंने एक मजबूत वायु रक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में अगर पाकिस्तान हम पर हमला करता है, तो वह आबादी वाले क्षेत्रों को निशाना बना सकता है। इस बार पूरे ऑपरेशन के दौरान एयर डिफेंस और उसका संचालन बेहतरीन था, लेकिन इस बार हमने आबादी वाले क्षेत्रों में एयर डिफेंस पर ठीक से ध्यान नहीं दिया गया, लेकिन भविष्य में हमें इसके लिए तैयार रहना होगा। फिक्की द्वारा आयोजित न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीज कार्यक्रम में बोलते हुए लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के परिणामों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि इसे हमें कुछ सबक मिले हैं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी मुल्क में टारगेट की योजना और उनका चयन बहुत सारे डेटा पर आधारित था। यह प्रौद्योगिकी और मानव खुफिया जानकारी का उपयोग करके एकत्र किया गया था। हमने पाकिस्तान में कुल 21 टारगेट तय किए थे, जिनको निशाना बनाना था। फिर सेना की कार्रवाई से ठीक पहले आखिरी घंटे में यह तय किया गया कि 21 में से किन नौ ठिकानों को निशाना बनाना है। उसके बाद एक सुविचारित निर्णय लिया गया कि दुनिया को सही संदेश भेजने के लिए तीनों सेनाओं का यह दृष्टिकोण होना चाहिए कि हम वास्तव में एक एकीकृत बल हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम को रणनीतिक कदम करार दिया। कहा कि जब हम किसी सैन्य लक्ष्य पर पहुंचते हैं, तो हमें इसे रोकने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन इसे नियंत्रित करना बहुत मुश्किल है। ऐसे में मैं कहूंगा कि यह एक बहुत ही शानदार चाल थी, जो संघर्ष विराम को रोकने के लिए पाकिस्तान ने चली। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अहसास हो गया था कि अगर संघर्ष जारी रहा तो भारत का पंच तैयार है और वह और बुरी स्थिति में पहुंच सकता है इसलिए उन्होंने संघर्षविराम की मांग की। अब पहले की तरह आतंकवादी कृत्यों को सहन नहीं किया जाएगा।

मुआवजा देने... उन्हें कानूनी सलाह मिली और न ही इन दस्तावेजों की कोई कॉपी दी गई। एयर इंडिया के अधिकारियों ने कुछ परिजन पर फॉर्म भरने का दबाव डाला और उनके घर जाकर पूछने लगे कि फॉर्म क्यों नहीं भरे गए। रिजन से कहा गया कि जब तक वे फॉर्म नहीं भरते, उन्हें कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। जबकि अंतर्राष्ट्रीय कानून के मुताबिक एयरलाइन को पहचान और रसीद पर हस्ताक्षर के बाद तत्काल अंतरिम मुआवजा देना होता है, किसी फॉर्म की जरूरत नहीं होती। एयर इंडिया ने इन सभी आरोपों को नकारते हुए कहा है कि ये दावे गलत और आधारहीन हैं। एयरलाइन ने इंडिया टुडे को दिए बयान में कहा कि फार्म का उद्देश्य केवल पारिवारिक संबंधों की पुष्टि करना है। हमने फॉर्म को जितना हो सके सरल बनाने की कोशिश की है, ताकि मुआवजा सही व्यक्ति तक जल्दी और सही तरीके से पहुंचे। एयरलाइन ने दावा किया कि पहले ही कुछ परिजन को अंतरिम मुआवजा देना शुरू कर दिया है। कुछ औपचारिक प्रक्रियाएं जरूरी हैं, लेकिन हम परिवारों को पूरा समय और सहूलियत दे रहे हैं।

बिना लाटरी के जरिये प्रिंसिपल की नियुक्ति शिक्षा व्यवस्था को घातक

बिहार सरकार इस पर उचित कदम उठाए: मायावती

लखनऊ, वार्ता

बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा कि बिहार के पटना विश्व. विद्यालय से संबद्ध संस्थानों में प्रधानाचार्यो की नियुक्त लाटरी के जरिए किया जाने का प्रयोग शिक्षा व्यवस्था के लिए घातक सिद्ध हो सकता है और इसके लिए केंद्र को उचित कदम उठाने की जरुरत है।

सुश्री मायावती ने एक्स पर लिखा- बिहार के प्रसिद्ध पटना विवि के पांच प्रतिष्ठित कालेजों में 'लाटरी' की नई व्यवस्था के तहत प्रिन्सिपलों की नियुक्ति का मामला दिलचस्प होने के कारण शिक्षा जगत में काफी चर्चाओं में है। स्थापित परम्परा से हटकर, 'लाटरी' के ज़रिए नियुक्ति की एक प्रकार से विचित्र व्यवस्था

लागू करने के कारण केवल कला विषयों की पढ़ाई वाले 1863 में स्थापित पटना कालेज में कैमिस्ट्री के प्राध्यापक प्रो. अनिल कुमार प्राचार्य बन गए हैं, जबकि बिहार विवि में गृह विज्ञान की प्राचार्य प्रो. अल्का यादव विज्ञान की उच्च शिक्षा के लिए प्रख्यात पटना साइंस कालेज की नई प्रिंसिपल नियुक्त हुई हैं। मायावती ने कहा कि इसी प्रकार की नियुक्ति वाणिज्य कॉलेज में भी हुई है। यहां पहली बार कला संकाय की प्राध्यापक डा. सुहेली मेहता प्राचार्य बनी हैं, उनके विषय की पढ़ाई इस कालेज में नहीं होती है। साथ ही महिला शिक्षा जगत में प्रसिद्ध मगध महिला कालेज को लम्बे इतिहास में दूसरी बार पुरुष प्रिन्सिपल मिले हैं। प्रो. एनपी वर्मा यहां के नए प्राचार्य होंगे, जबकि प्रो. योगेन्द्र कुमार वर्मा की लाटरी पटना लॉ कालेज के प्रिन्सिपल के रूप में निकली है। इसको लेकर लोगों में उत्सुकता है कि बिहार सरकार व वहां के चांसलर द्वारा इस प्रकार लाटरी के माध्यम से की गई प्रिंसिपल की नियुक्तियों को सही ठहरा कर क्या इस व्यवस्था को भाजपा-शासित अन्य राज्यों में भी लागू किया जाएगा।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

नागर विमानन सम्मेलन-2025, केंद्रीय मंत्री सहित कई सीएम हुए शामिल

धामी ने की पर्वतीय राज्यों के लिए अलग से विमानन नीति की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा देश के उत्तरी क्षेत्र का विमानन सम्मेलन: 2025 आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को देहरादून में आयोजित नागर विमानन सम्मेलन-2025 में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापू राममोहन नायडू और उत्तर भारत के नागर विमानन मंत्रियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के नागर विमानन क्षेत्र में आई ऐतिहासिक प्रगति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि उड़ान योजना के माध्यम से छोटे शहरों और दुर्गम क्षेत्रों को हवाई संपर्क से जोड़कर न केवल आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा सुलभ हुई है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के कैबिनेट मंत्री गौतम कुमार, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन और संबंधित राज्यों के अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड में बन रहे 18 हेलीपोर्ट्स: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में वर्तमान में 18 हेलीपोर्ट्स का विकास किया जा रहा है, जिनमें से 12 पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हेली सेवाएं उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों में केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि जीवन रेखा बन चुकी हैं। चाहे आपदा प्रबंधन हो, स्वास्थ्य सेवाएँ हों या तीर्थयात्रा, हेलीकॉप्टर सेवाओं ने इन क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुविधा प्रदान की है।

हेली ऑपरेटर्स यात्रियों की सुरक्षा का रखें ध्यान

मुख्यमंत्री धामी ने केन्द्रीय नागर विमानन मंत्रालय से पर्वतीय राज्यों के लिए एक पृथक "पर्वतीय विमानन नीति" बनाने का आग्रह किया, जिसमें विशेष वित्तीय सहायता, संचालन हेतु सब्सिडी, पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उपयुक्त एटीसी नेटवर्क, सटीक मौसम पूर्वानुमान, स्लॉटिंग और आपदा-पूर्व तैयारी जैसे प्रावधान शामिल हों। मुख्यमंत्री ने सभी ऑपरेटरों से भी पर्वतीय उड़ानों के लिए विशेष पायलट प्रशिक्षण, सुरक्षा मानकों का कठोर पालन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया।

कांग्रेस ने जारी की समर्थित जिला पंचायत सदस्यों की सूची

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस ने जिला पंचायत चुनाव 2025 के लिए जिला उधमसिंह नगर, चमोली, टिहरी व पौडी के पार्टी समर्थित जिला पंचायत सदस्यों की सूची जारी की है।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकान्त धस्माना ने बताया कि उधमसिंहनगर के जिला पंचायत क्षेत्र बिसराबाग से हीरा मुंडेला, पहेनिया से सोनी राणा, प्रतापपुर से रोषन सिंह, मझोला से निर्भय शंकर यादव, नगला से कमान सिंह, गोविन्दनगर से मीना देवी, सरकड़ा से विभूति प्रसाद, कुरैया से सुनीता सिंह, दोपहरिया से गुरूदास कालड़ा, प्रतापपुर से प्रेम प्रकाष, भंगा से बुषरा मलिक, खटोला से दीपा सिंह, बरीराई से बबीता देवराड़ी, खेमपुर से बलराज सिंह, गदरपुर से सरोज रानी, खानपुर से विमुका शील, रतनपुर से मो. फुरकान, टाण्डा आजम से जितेन्द्र शर्मा, भीकमपुर से सीमा कौर, हरसाना से दया किशोर जोशी, बांसखेड़ा खुर्द से चन्द्रवनी गौतम, ढ़किया कला से मनीशा, पतरामपुर रजनी देवी, राजपुर से नदीम अहमद व बैलजुड़ी जिला पंचायत क्षेत्र से विजयपाल सिंह को कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी घोषित किया गया है।

टिहरी के जिला पंचायत क्षेत्र ढाक से राजमती देवी, उर्गम से लवली चौहान, देवर खडोरा से जयप्रकाश पंवार, पिलंग से विपिन फर्स्वाण, सलना से सुनीता रडवाल, रानौ से वरूण रावत, जाख से राजेश्वरी नेगी, सिमली से विक्रम कठैत, मलसी से कामश्वरी देवी, कोठा से सुरेन्द्र सिंह रावत, बछुवावाण से शांति कंडारी, अन्द्रपा से अनिल सिंह, कोठली से साक्षी नेगी, सूना से ओमप्रकाश सोलियाल, मटई से राकेश रावत, बूरा से सुनीता रावत, भेंटी से रघुवीर फर्स्वाण, थाती बूढाकेदार से रजनी रौतेला, खवाडा, कुंवर सिंह रावत, दल्ला से पुष्पा देवी पैन्यूली, किरेथ से धनवीर सिंह बिष्ट, अखोडी से उमेश चौधरी, चकरेडा से रजनीश, पटागली से गभीर सिंह भंडारी, मन्दार से विजय सिंह रावत, कफलोग से मान सिंह रौतेला, गढसिनवालगांव से उदय रावत, मांजफ से लक्ष्मी देवी, धमाडी से यशवीर सिंह पुरूषोडा, बन्स्यूल से चमन दास व जिला पंचायत क्षेत्र सरतली से जोत सिंह रावत को पार्टी समर्थित प्रत्याशी घोषित किया। पौडी के जिला पंचायत क्षेत्र कुल्हाड से कीर्ति सिंह, सुराडी से शैलेन्द्र सिंह, चांदपुर सीला से हसीना बेगम पत्नी अब्दलु गफार, पठूर अकरा से सुनीता बिष्ट, कुमालगांव से कविता डबराल, भातसी से गीता देवी तथा जिला पचांयत क्षेत्र डमरोली से हरी सिंह भंडारी को अधिकृत किया गया है।

धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड बन रहा विकसित भारत का सहभागी: भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने मुख्यमंत्री धामी को उत्तराखंड की सेवा में सफलतापूर्वक चार वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही कहा कि, उनके नेतृत्व में राज्य आज विकास की नई नई ऊंचाईयों को प्राप्त करता हुआ विकसित भारत निर्माण में सहभागी बन रहा है।

उन्होंने विभिन्न माध्यमों से मीडिया में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सीएम पुष्कर धामी का यह कार्यकाल केवल एक समयावधि नहीं, बल्कि उत्तराखंड के नव निर्माण, नीतिगत दृढ़ता और विकासशील विजन का प्रतीक बन चुका है। इन वर्षों में उन्होंने जिस प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया, उसने उत्तराखंड की राजनीति और प्रशासन को नई दिशा दी है।

उन्होंने कहा कि धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना जिसने समान नागरिक संहिता लागू करने का ऐतिहासिक कदम उठाया। यह निर्णय भाजपा की वैचारिक प्रतिबद्धता और संवैधानिक दृष्टिकोण का प्रमाण है।

इसी तरह भू-कानून पर लिया गया ऐतिहासिक निर्णय राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय हितों की रक्षा के प्रति उनकी सोच को दर्शाता है।

धामी सरकार ने नकल विरोधी कानून लागू कर नकल माफिया पर लगाम लगाई और युवाओं का विश्वास पुन: बहाल किया। इससे परीक्षा व्यवस्था की गरिमा पुनर्स्थापित हुई, जिसके चलते 23 हजार से अधिक सरकारी रोजगार ईमानदारी और पारदर्शिता से युवाओं को मिला है।

पौड़ी जिला पंचायत में 75 लाख की गड़बड़ी की होगी जांच

पौड़ी। जिला पंचायत में फर्जी भुगतान के गंभीर आरोपों के चलते जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने मामले की जांच के लिये तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। विदित रहे कि जिला पंचायत में उपनलकर्मी की पत्नी के खाते में फर्जी तरीके से लगभग 75 लाख रुपये का भुगतान किया गया है और उनके द्वारा ब्लैंक चेक के माध्यम से उक्त भुगतान को अपने खातों में ट्रांसफर किया गया है। जिलाधिकारी ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये टेंडर प्रक्रिया, बैंक खातों की जांच, भुगतान व्यवस्था व इसमें संलिप्त अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच के लिये मुख्य विकास अधिकारी पौड़ी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है।

उड़ान योजना के तहत राज्यों में हवाई कनेक्टिविटी हो रही मजबूत

मिनिस्टर कॉन्फ्रेंस ऑन सिविल एविएशन देहरादून में आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राममोहन नायडू की उपस्थिति में शुक्रवार को देहरादून, मसूरी रोड स्थित निजी होटल में मिनिस्टर कॉन्फ्रेंस ऑन सिविल एविएशन (नॉर्दर्न रीजन) के अंतर्गत नागरिक उड्डयन में क्षेत्र में राज्यों के लिए अवसर विषय पर सत्र आयोजित किया गया।

इस दौरान विभिन्न विशेषज्ञों ने नागरिक उड्डयन से संबंधित संभावना के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। संयुक्त सचिव केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय असंगबा चुबा ने उड़ान योजना के बारे में बताते हुए कहा कि इस योजना के तहत विभिन्न राज्यों के साथ हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। साथ ही नए मार्गों में हवाई संचालन के लिए नई संभावनाओं पर भी कार्य हो रहा है। उन्होंने बताया देश में अब तक उड़ान योजना के तहत 625 आरसीएस रूट कनेक्ट किए जा चुके हैं। इस योजना का लाभ अब तक 1.53 करोड़ से अधिक यात्री ले चुके हैं।

ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष स्मित शाह ने बताया कि ड्रोन के लिए स्पेशल लॉन्च पैड बनाने की दिशा में राज्यों को आगे आना चाहिए। साथ ही अपने अपने राज्यों में ड्रोन नीति को बढ़ावा और ड्रोन स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने बताया अब तक देश में 33,000 से अधिक ड्रोन पंजीकृत किए जा चुके हैं। 24 हजार से अधिक ड्रोन पायलटों को प्रमाणित किया जा चुका है। साथ ही 120 ड्रोन मॉडल टाइप सर्टिफिकेशन प्रदान किए गए हैं।

धामी सरकार का प्रोजेक्ट संजी. वनी: नागरिक उड्डयन मंत्रालय (हेलीकॉप्टर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस) के निदेशक शंखेश मेहता ने बताया कि मेडिकल हेली सेवा को बढ़ावा देने के लिए प्रोजेक्ट संजीवनी शुरू की गई है। यह पहल नागरिक उड्डयन मंत्रालय, एम्स ऋषिकेश और उत्तराखंड राज्य सरकार के सहयोग से शुरू की गई है।

भारत 2030 तक बनेगा विश्व का बड़ा विमानन बाजार: मधुसूदन

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव मधुसूदन शंकर ने बताया कि हवाई कनेक्टिविटी के संचालन के लिए हमारे पास आवश्यकता अनुसार मानव संसाधन भी होने चाहिए। पायलट, तकनीशियन, ग्राउंड स्टाफ से लेकर एयर ट्रैफिक कंट्रोल तक हर स्तर पर मानव संसाधन की आवश्यकता होती है। इसके लिए राज्यों में प्रशिक्षण संस्थान भी होने चाहिए। उन्होंने बताया भारत 2030 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार बनेगा (आईएटीए के अनुसार)। देश में मौजूदा हवाई अड्डों की संख्या 162 से बढ़कर 2047 तक 350-400 तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया एयरबस के अनुसार, भारत को वर्ष 2040 तक विमानन रखरखाव के लिए लगभग 45 हजार टेक्नीशियन की आवश्यकता होगी।

तीन चोर गिरफ्तार, 9 दोपहिया वाहन बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नगर कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी की अलग-अलग घटनाओं का खुलासा करते हुए चोरी के 9 दुपहिया वाहनों के साथ 3 वाहन चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

■ नगर कोतवाली के अलग-अलग क्षेत्र से वाहन चोरों ने दिया था चोरी की घटनाओं को अंजाम

नगर में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने जनपद पुलिस को आदेश दिए थे कि क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया जाए और वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जाए। क्षेत्राधिकारी नगर के निर्देशन में नगर कोतवाली पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया। कुछ दिन पूर्व नगर कोतवाली क्षेत्र से हुई वाहन चोरी की घटना को लेकर पीड़ित संजय वर्मा पुत्र अमरनाथ वर्मा निवासी तिलक रोड़, कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था जिसके चलते पुलिस ने आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर की सूचना के बाद वाहन चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चेकिंग के दौरान ग्रीन वैली के पास से अभिषेक पुत्र भजन नेगी निवासी पीर वाली सड़क के पास खुडबुड़ा मोहल्ला को चोरी की गई स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया। पकड़े गए वाहन चोर से जब पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि नशे का आदी है तथा अपने नशे की पूर्ति के लिये चोरी की घटना को अंजाम दिया था। नगर कोतवाल ने बताया कि पकड़े गए वाहन चोर ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 6 अन्य दो पहिया वाहनों को चोरी किए थे। चोरी किये गये उक्त सभी वाहनों को बाइबल स्कूल के पास खाली प्लाट में छिपाकर रखने की जानकारी दी गई। जिस पर पुलिस टीम ने बाइबल स्कूल के पास खाली प्लाट से चोरी के 6 अन्य दो पहिया वाहनों को बरामद किया।

पुलिस ने अन्य दो वाहन चोर मोनू रावत उर्फ बागी पुत्र जय प्रकाश रावत, निवासी वाणी विहार,सलमान खान पुत्र नूर खान निवासी भगत सिंह कॉलोनी रायपुर को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया जिनके कब्जे से पुलिस ने चोरी के वाहन बरामद किया पकड़े गए वाहन चोरों के विरुद्ध पुलिस ने कानूनी कार्यवाही कर उन्हें जेल भेजा।

राज्य के 7 जिलों में बारिश का विशेष अलर्ट

देहरादून। उत्तराखण्ड में अगले पांच दिनों तक कही-कही भारी बारिश होने का पुर्वानुमान व 7 जिलों में बारिश का विशेष अलर्ट जारी किया गया है। शनिवार 5 जुलाई को राज्य के 7 जिलों में बारिश का विशेष अलर्ट जारी किया गया है, हालांकि बारिश पूरे उत्तराखंड में होगी। जिन 7 जिलों में विशेष अलर्ट है उनमें 4 जिले गढ़वाल मंडल के हैं, शेष 3 जिले कुमाऊं मंडल में आते हैं। मौसम विभाग के अलर्ट के अनुसार शनिवार को उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल में देहरादून, टिहरी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों में अधिकांश स्थानों पर बारिश होगी। मंडल के शेष 3 जिलों में भी बारिश होगी, लेकिन ये हल्की से मध्यम होगी।

यूपीईएस बना युवा नवाचार का हब

■ 3 करोड़ की फंडिंग से स्टार्टअप्स को मिली रफ्तार ■ 'द पिच' कार्यक्रम में देशभर के 12 स्टार्टअप्स ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारत के प्रमुख स्टार्टअप विश्वविद्यालय यूपीईएस (यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज) ने 3 करोड़ की फंडिंग के साथ देश के युवा उद्यमियों को नई उड़ान दी है। देहरादून परिसर में आयोजित हाई-स्टेक शार्क-टैंक स्टाइल इवेंट 'द पिच' में देश-विदेश के नामी संस्थानों के छात्र-नवोन्मेषक शामिल हुए, जिनमें नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, आईआईटी रोपड़, बिट्स पिलानी, एसआरएम यूनिवर्सिटी, यूआईईटी पंजाब यूनिवर्सिटी, नागपुर यूनिवर्सिटी, आईबीएस मुंबई और यूपीईएस प्रमुख हैं।

वास्तविक फंडिंग, मेंटरशिप और नेटवर्किंग का अवसर कार्यक्रम में शुरुआती चरण के 12 स्टार्टअप्स ने अपनी व्यावसायिक योजनाएं प्रस्तुत कीं। इन पिचों का मूल्यांकन यूपीईएस के कुलपति डॉ. राम शर्मा, मुख्य वित्तीय अधिकारी नवीन मेहता, स्कूल ऑफ लॉ के डीन डॉ. अभिषेक सिन्हा और ट्रेमिस कैपिटल के संस्थापक विवेक झोरार जैसे शैक्षणिक, औद्योगिक और निवेश विशेषज्ञों की प्रतिष्ठित जूरी ने किया। विवेक झोरार, संस्थापक, ट्रेमिस कैपिटल ने कहा, 'द पिच' संस्थापकों के लिए निवेशकों से जुड़ने और उनसे सीखने का बेहत. रीन अवसर है। इससे फंडिंग के साथ-साथ मीडिया दृश्यता भी बढ़ती हैं।

चयनित स्टार्टअप्स को मिला फंडिंग का अवसर

एन्विनोवा स्मार्टेक प्राइवेट लिमिटेड ख्र स्मार्ट और टिकाऊ स्पेस के लिए सौर ऊर्जा समाधान। जेनेटिको रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक्स प्रा. लि. ख्र दुर्लभ और अनुवांशिक रोगों की पहचान व इलाज के लिए तकनीकी समाधान। ओथनियल्स एक्सपेरिमेंट लैब्स टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. ख्र शिक्षा सलाहकारों के लिए एआई- पावर्ड टूल्स और विशेषज्ञ-डिजाइन प्रोग्राम।रियागविस प्रा. लि. वित्त, बीमा और कानून प्रवर्तन में डीपफेक डिटेक्शन और विजुअल ऑथेंटिसिटी समाधान। ये स्टार्टअप्स रिन्यूएबल एनर्जी, हेल्थटेक, एजुक. ेशन टेक और डीप टेक सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं और इनकी सफलता यूपीईएस स्टार्टअप इकोसिस्टम की गहराई को दर्शाती है।

यूपीईएस रनवे: एक मजबूत इनक्यूबेशन प्लेटफॉर्म

2021 में लॉन्च किए गए श्रनवेश स्टार्टअप इनक्यूबेटर के जरिए यूपीईएस अब तक 250 से अधिक स्टार्टअप्स को समर्थन दे चुका है। विश्वविद्यालय ने डीएसटी, मेटी, बिराक-स्पर्श, नीति आयोग और उत्तराखंड सरकार जैसी संस्थाओं से 20 करोड़ से अधिक का अनुदान प्राप्त किया है। 'रनवे' से लाभान्वित होने वाले प्रमुख स्टार्टअप्स में पेंशन बॉक्स, यूग्रीन टेक्नोलॉजीज और इंडियन हैम्पस्टोर शामिल हैं, जो या तो यूपीईएस के छात्र हैं या फैकल्टी द्वारा स्थापित किए गए हैं।

विशेषज्ञों की राय: यूपीईएस स्कूल ऑफ बिजनेस के डीन राहुल नैनवाल ने कहा, ष्द पिच' केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त मंच है। हम विचारों, सपनों और भविष्य के लीडर्स में निवेश कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने की सीडीएस अनिल चौहान से भेंट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

नई दिल्ली/ देहरादून। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने शुक्रवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान से मुलाकात की।

नई दिल्ली में मुलाकात के बाद कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि यह शिष्टाचार भेंट थी और उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर समेत हालिया समय में भारतीय सेना की उत्कृष्ट भूमिका के लिए उनकी सराहना की। रेखा आर्या ने कहा कि एक सैन्य प्रदेश होने के नाते उत्तराखंड का भारत की सेना के साथ विशिष्ट संबंध है। इस अवसर पर उन्होंने सीडीएस को उत्तराखंड आने का न्योता भी दिया।

कार खाई में गिरी, 3 छात्र गंभीर घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसपुर। एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर जाने से कार में सवार इक्फाई युनिवर्सिटी के तीन छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें पुलिस ने गांव वासियों की मदद से उपचार के लिए ग्राफिक एरा अस्पताल में भर्ती कराया। दुर्घटना का कारण कार के ब्रेक फेल होना बताया जा रहा है।

■ दुर्घटना का कारण कार के ब्रेक फेल होना बताया जा रहा

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुबह के समय थाना सहसपुर से छरबा रोड पर करीब 22 किलोमीटर दूर कोटी ढलानी की तरफ एक कार नंबर यूके07 एएम 3525 ढलानी की तरफ से कोटी कल्याणपुर की तरफ आ रही थी जिसमें तीन लोग सवार थे। उक्त वाहन ढलानी मोड पर अचानक अनियंत्रित होकर लगभग 50-60 मीटर नीचे खाई में गिर गया। इस दुर्घटना में उक्त तीन लोग घायल हुए हैं, उक्त घायलों को पुलिस एवं ग्राम वासियों की मदद से 108 एंबुलेंस/प्राइवेट वाहन के माध्यम से उपचार हेतु ग्राफिक के अस्पताल में भिजवाया गया है। उक्त घायल लोग इक्फाई यूनिवर्सिटी सेलाकुई के छात्र हैं। दुर्घटना का कारण कार का ब्रेक फेल होकर अनियंत्रित होना बताया जा रहा है। घायलों कार्तिक पुत्र चंद्रशेखर निवासी आंध्र प्रदेश उम्र 24 वर्ष, सम्मुख पुत्र वेंकट रमन निवासी उपरोक्त उम्र 23 वर्ष, सोंकर पुत्र महेश निवासी उपरोक्त उम्र 24 वर्ष शामिल हैं।

पीएमजीएसवाई की बंद सड़कों को जल्द खोलें: जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ प्रदेश में बरसात के कारण बंद हुई सड़कों के संबंध में बैठक की। बैठक के दौरान मंत्री जोशी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बंद सड़कों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रत्येक दिन की रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी जाए।

शुक्रवार को देहरादून के न्यू कैंट रोड़ स्थित कैम्प कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में जोशी ने स्पष्ट रूप से कहा कि बंद सड़कों को यथाशीघ्र खोलना सुनिश्चित किया जाए ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ग्राम्य विकास मंत्री जोशी ने कहा कि बीते दिवस शाम तक प्रदेश में पीएमजीएसवाई की 94 सड़कें बंद थी, जिसमें से 33 सड़कें खोल दी गई। वर्तमान में प्रदेश में अब पीएमजीएसवाई के अंतर्गत कुल 70 सड़कें बंद हैं, जिनमें 16 कुमाऊं और 54 गढ़वाल क्षेत्र की हैं। उन्होंने कहा कि अवरुद्ध सड़क मार्गों के लिए जेसीबी मशीनों की मदद से युद्ध स्तर पर मार्गों को बहाल करने का कार्य जारी है। बैठक में सचिव राधिका झा, आयुक्त अनुराधा पाल, अपर सचिव झरना कमठान, यूआरआरडीए के सीईओ अभिषेक रुहेला, मुख्य अभियंता एसके पाठक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर गौरीकुंड के निकट हुआ भूस्खलन

भूस्खलन के चलते केदारनाथ धम की यात्रा रही बंद, हजारों तीर्थयात्रियों का किया गया रेस्क्यू

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा मार्ग के सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच मुनकटिया और शटल सेवा वाहन के पास पहाड़ी से मलबा और बोल्डर आने का सिलसिला लगातार जारी है। वहीं अब गौरीकुंड से एक किमी आगे नया भूस्खलन जोन पैदा हो गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण यहां बड़ी मात्रा में मार्ग का हिस्सा ढह गया, जिससे पैदल मार्ग के दोनों छोरों पर हजारों की संख्या में तीर्थ यात्री फंस गए, जिस कारण केदारनाथ यात्रा को कुछ घंटों के लिए रोकना पड़ा। इसके बाद पैदल मार्ग को आवाजाही लायक बनाकर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के जवानों की मदद से तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाला गया।

पहाड़ों में बारिश के बाद भूस्खलन का दौर जारी है। बारिश के बाद लगातार हो रहा भूस्खलन परेशानी का कारण बन रहा है। बृहस्पतिवार रात हुई तेज बारिश के कारण केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग गौरीकुंड के निकट छोरी नामक गदेरे में पहाड़ी से भारी मात्रा में बोल्डर एवं मलबा गिरने के कारण बंद हो गया। पैदल यात्रा मार्ग बंद होने से यात्रा मार्ग के दोनों ओर हजारों की संख्या में केदारनाथ धाम आने-जाने वाले तीर्थ यात्री फंस गए। पहले ही तीर्थयात्री सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच बार-बार पहाड़ी टूटने से परेशान है। ऊपर स`अब पैदल मार्ग पर भी नये-नये डेंजर जोन उभर आए हैं। बारिश और भूस्खलन के कारण केदारनाथ धाम की यात्रा भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। शुक्रवार दोपहर बाद पैदल यात्रा मार्ग और सोनप्रयाग-गौरीकुंड मोटरमार्ग पर आवाजाही शुरू होने के बाद 2,167 तीर्थ यात्रियों काएनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने कुशल रेस्क्यू किया। फिलहाल, केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग को छोड़ी गदेरे में पैदल आवाजाही लायक बनाया गया है।

सोनप्रयाग से गौरीकुंड तक तीन अति संवेदनशील क्षेत्र चिन्हित

रुद्रप्रयाग। सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच केदारनाथ मार्ग पर तीन अति. संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की गई है। इन स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है तथा जेसीबी, पोकलैंड, मेडिकल स्टाफ एवं राहत सामग्री सहित सभी आवश्यक उपकरण एवं कार्मिक तैनात हैं। इसके अतिरिक्त सोनप्रयाग, मुनकटिया, काकरागाढ़ सहित अन्य 17 संवेदनशील स्थलों पर जेसीबी मशीनें निरंतर तैनात की गई है, जो मार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति में तत्काल मलवा हटाने तथा मार्ग को सुचारू करने का कार्य करती है।

यमुनोत्री हाईवे पर वैली ब्रिज का कार्य युद्धस्तर पर

सिलाई बैंड मार्ग पर 6 दिन बाद यातायात हुआ बहाल

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। 29 जून को अतिवृष्टि से यमुनोत्री हाईवे भूस्खलन से बंद हो गया था जिसे शुक्रवार को 6 दिनों बाद बहाल कर दिया गया है। वहीं ओजरी में वाशआउट हुए सड़क हिस्से पर वैली ब्रिज लगाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। वैली ब्रिज का आवश्यक सामग्री वाहन द्वारा सिलाई बैंड तक पहुंचा दी गई है, जिसे धीरे-धीरे आवश्यकतानुसार ओजरी तक पहुंचाया जा रहा है। वैली ब्रिज को जल्द से जल्द स्थापित कर मार्ग को पुनः सुचारू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इधर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़क मार्ग बहाली के कार्य में कोई लापरवाही न बरती जाए तथा कार्यों को तीव्र गति से पूर्ण किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि जब तक ओजरी में सड़क पूरी तरह से बहाल नहीं हो जाती,तब तक यात्रियों एवं स्थानीय लोगों को पैदल मार्ग से सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित रखें। सिलाई बैंड के पास क्षतिग्रस्त सड़क मार्ग को यातायात के लिए खोल दिया गया है,जिससे क्षेत्र में आवागमन आंशिक रूप से बहाल हो सका है। जिलाधिकारी ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन एवं सड़क मरम्मत कार्यों में प्रशासन को पूरा सहयोग प्रदान करें,ताकि मार्ग को शीघ्र. तिशीघ्र सामान्य किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा स्यानचट्टी क्षेत्र में भारी वर्षा एवं भूस्खलन के कारण यमुना नदी के किनारे मलबा जमा हो गया था,जिससे नदी का जलप्रवाह में आंशिक अवरुद्ध हुआ है। सिंचाई विभाग द्वारा मलवा हटाने और यमुना नदी में अवरुद्ध जल के निकासी कार्य किया जा रहा है इस कार्य के लिए जेसीबी,पोकलेंड समेत अन्य भारी मशीनरी मौके पर तैनात की गई है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यमुना नदी में आंशिक अवरुद्ध पानी निकासी कार्य में तेजी लाई जाए तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से बचने के लिए सभी एहतियाती कदम सुनिश्चित किए जाए। वहीं सिलाई बैंड हादसे में लापता लोगों की खोज के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, पुलिस, आपदा प्रबंधन एवं राजस्व विभाग की टीमें लगातार अभियान में जुटी हुई हैं। वहीं यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओजरी के पास अवरुद्ध सड़क मार्ग पर यात्रियों और स्थानीय लोगों के आवागमन हेतु ट्रांसशिपमेंट व्यवस्था के अंतर्गत दोनों छोर पर पर्याप्त संख्या में वाहन तैनात किए गए हैं,ताकि आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अदेयता प्रमाण पत्र के नाम पर अवैध वसूली का मामला

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी जनपद के भिलंगना विकासखंड में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के अंतर्गत अदेयता प्रमाण पत्र जारी करने के नाम पर अनाधिकृत रूप से धनराशि वसूलने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो के आधार पर जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कड़ी कार्रवाई की है।

जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पं) नितिका खंडेलवाल के निर्देश पर जिला विकास अधिकारी मोहम्मद असलम ने जानकारी दी कि वीडियो के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि अदेयता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु

■ सोशल मीडिया वीडियो के आधार पर भिलंगना ब्लॉक के कार्मिकों पर कारवाई

नियुक्त कार्मिक प्रत्याशियों से 50, 100 और 150 रुपये तक की अवैध मांग कर रहे हैं। यह कृत्य न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है।

जिला पंचायत बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, अदेयता प्रमाण पत्र की वैध शुल्क राशि 50 रुपये निर्धारित है, जिसे नियमित रूप से जिला पंचायत की सुसंगत मद में जमा किया जाना आवश्यक है। किंतु सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो यह दर्शाते हैं कि क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत के स्तर पर नियुक्त कार्मिकों द्वारा मनमानी और अनुचित तरीके से वसूली की जा रही थी। प्रकरण का संज्ञान लेते हुए भिलंगना ब्लॉक से संबंधित दोषी कार्मिकों को तत्काल प्रभाव से निर्वाचन कार्यों से हटा दिया गया है। इसके साथ ही मामले की जांच के लिए एक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिसे एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, सभी खंड विकास अधिकारियों को भी इस संदर्भ में सख्त चेतावनी जारी की गई है कि किसी भी स्थिति में नियमों का उल्लंघन न हो और निर्वाचन से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न हों।

सरकार की क्लस्टर विद्यालय नीति का अभिभावकों ने शुरू किया विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार। सरकार की क्लस्टर विद्यालय नीति का शिक्षक संघों के साथ ही अभिभावकों ने भी विरोध करना आरंभ कर दिया है। अभिभावकों का कहना है कि यह नीति छात्र हित में नहीं है। सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए।

इस संबंध में आमसौड़ के ग्रामीणों की आयोजित बैठक में अभिभावकों ने विकास खंड दुगड्डा के आमसौड़ व जमरगड्डी क्षेत्र में स्थित राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय और राजकीय हाई स्कूल आमसौड़ का क्लस्टर विद्यालय नीति के अंतर्गत राजकीय इंटर कालेज दुगड्डा में प्रस्तावित समायोजन का विरोध करते हुए कहा कि इन विद्यालयों से दूर दराज के गांवों से लगभग चार किमी की दूरी तय कर बच्चे पढ़ने आते हैं।वर्षाकाल में स्कूल के रास्ते पर आने वाले गदेरे उफान पर रहते हैं, ऐसे में बच्चों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अगर इन विद्यालयों को दुगड्डा इंटर कालेज में समायोजित किया गया तो बच्चों की परेशानी बढ़ना तय है। बच्चों को अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी। बैठक में पूर्व क्षेपंस कुंदन सिंह, देवेश्वरी देवी, सुनीता देवी, सरिता देवी, दिनेश सिंह, मायाराम, सतेंद्र प्रसाद, मनोहर सिंह, श्यामलाल और नंदन सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण मौजूद रहे।

चुनाव आचार संहिता के कारण टला वृक्षारोपण अभियान

श्रीनगर। पंचायत चुनावों की आचार संहिता के चलते रेशम विभाग द्वारा मानसून सत्र में प्रस्तावित पौध वितरण और वृक्षारो. पण अभियान को अगस्त माह तक स्थगित कर दिया गया है। रेशम विभाग श्रीनगर के कार्यालय अधीक्षक राजबीर सिंह ने बताया कि चुनाव समाप्ति के बाद रेशम उत्पादकों और इच्छुक किसानों को पौधे वितरित किए जाएंगे, साथ ही रेशम खेती को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। बताया कि रेशम उत्पादन से किसानों को जोड़ने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

कांवड़ियों के ट्रक से वसूली के आरोप पर टिहरी पुलिस ने दी सफाई

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। नरेंद्रनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ताछला में दो दिन पूर्व दुर्घटनाग्रस्त हुए कांवड़ियों के ट्रक को लेकर सामने आए वसूली के आरोपों पर टिहरी पुलिस ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि इन आरोपों में पुलिस की कोई भूमिका नहीं है। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तथ्यों की जांच की और मीडिया सेल के माध्यम से बयान जारी कर स्पष्ट किया कि ट्रक चालक द्वारा लगाए गए आरोप आधारहीन हैं।

टिहरी पुलिस ने बताया कि चालक के उस बयान की जांच की गई जिसमें उसने भद्रकाली चौकी पर नौ सौ रुपये वसूले जाने की बात कही थी। जांच के दौरान भद्रकाली चौकी पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग को गहनता से खंगाला गया, जिसमें स्पष्ट देखा गया कि संबंधित ट्रक को चौकी पर रोका ही नहीं गया था। फुटेज में वह ट्रक केवल भद्रकाली चौकी से गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन कहीं भी उसे रोके जाने या किसी प्रकार की वसूली का कोई प्रमाण नहीं मिला।पुलिस ने आगे बताया कि इस पूरे मामले की जांच परिवहन विभाग भी कर रहा है, लेकिन पुलिस की इसमें कोई संलिप्तता नहीं है। यात्राकाल के दौरान टिहरी पुलिस पूरी तत्परता, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही है। पुलिस ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और दावों पर भी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि बिना पुष्टि या ठोस प्रमाण के किसी भी प्रकार की जानकारी या वीडियो सोशल मीडिया पर डालना एक दंडनीय अपराध है। इस तरह की गतिविधियों पर पुलिस नजर बनाए हुए है और यदि कोई व्यक्ति झूठी जानकारी फैलाते हुए पाया गया, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर ....

एनसीबी की टीम ने किया ड्रग्स बरामद

रुद्रप्रयाग। जनपद के चौकी फाटा क्षेत्रान्तर्गत एक व्यक्ति के कब्जे से नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो देहरादून की टीम ने 0.26 ग्राम एलएसडी बरामद किया। उक्त व्यक्ति को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में पुरसाड़ी जेल भेजा दिया है। एसपी अक्षय प्रल्हाद कोंडे ने बताया कि एनसीबी की टीमों की ओर से देश के विभिन्न क्षेत्रों में गिरफ्तार हुए व्यक्तियों की सूचना के आधार पर जनपद के फाटा क्षेत्रान्तर्गत छापेमारी की गई। केदारनाथ धाम यात्रा के सिलसिले में आए महाराष्ट्र निवासी शशिकान्त के कब्जे से 0.26 ग्राम एलएसडी की बरामदगी की गई। स्थानीय थाना गुप्तकाशी पुलिस के सहयोग से इस छापेमारी को अंजाम दिया गया। प्रथम दृष्टया इस व्यक्ति से बरामद हुई ड्रग्स को डाक/पार्सल से मंगवाने व स्वयं के उपयोग के लिए प्रयोग में लाया जाना था। इस प्रकार के ड्रग्स का स्थानीय स्तर पर विक्रय किया जाना प्रकाश में नहीं आया है। प्रकरण में एनसीबी के स्तर से जांच की जा रही है तथा स्थानीय पुलिस से सहयोग मांगे जाने पर आगे भी आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा।

जनसाली गांव के पेयजल स्रोत में मलबा डालने पर ग्रामीणों में रोष

श्रीनगर। डुगरीपंत-खेडाखाल मोटर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य के दौरान निकाले जा रहे मलबे को जनसाली गांव के पेयजल स्रोत के ऊपर डंप किए जाने पर स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ा विरोध जताया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) श्रीनगर खंड के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर समस्या का समाधान करने की मांग की है। ग्रामवासी देवेंद्र उनियाल ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि मलबा जिस स्थान पर डंप किया जा रहा है, उसके ठीक नीचे गांव का प्राकृतिक पेयजल स्रोत स्थित है, जिससे सैकड़ों ग्रामीणों की जलापूर्ति होती है। उन्होंने बताया कि ट्रकों द्वारा लगातार उसी स्थान पर मलबा डाला जा रहा है, जिससे पेयजल स्रोत के दूषित होने और क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा, मलबा डालने से ग्रामीणों के चारा-पत्ती लाने का पैदल रास्ता भी क्षतिग्रस्त हो गया है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि पूर्व में भी इसी तरह की लापरवाही की गई थी, जिसकी वजह से उन्हें कई बार पेयजल संकट का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों की मांग है कि विभाग मलबे को चयनित डंपिंग जोन में डंप कराए, न कि गांव के जल स्रोत के समीप। उन्होंने विभाग से इस गंभीर मामले में तत्काल ठोस और सकारात्मक कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में कोई बड़ा संकट उत्पन्न न हो।

कल्याणेश्वर महादेव मंदिर में वार्षिकोत्सव आयोजित

श्रीनगर। नगर के प्रतिष्ठित श्री कल्याणेश्वर महादेव मंदिर का 63वां वार्षिकोत्सव धार्मिक उल्लास और आध्यात्मिक वातावरण के बीच मनाया जा रहा है। इस अवसर पर संत लाल धर्मशाला और मंदिर प्रांगण में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र के संत-महात्माओं, श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों की बड़ी संख्या में सहभागिता हो रही है। मंदिर के सत्संग भवन में प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा एवं रामचरितमानस का सामूहिक पाठ का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने बताया कि शनिवार को मंदिर स्थापना दिवस के अवसर पर, रुद्राभिषेक, यज्ञ की पूर्णाहुति, महाआरती का आयोजन होगा। बताया कि इसके उपरांत भंडारे और प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा।

स्टेशन रोड स्थित तीन दुकानों में लगी लाग

कोटद्वार। नगरनिगम कोटद्वार के स्टेशन रोड स्थित तीन दुकानों में गुरुवार देर रात आग लग गई। आग से दुकानों में रखा सामान जल गया। वहीं दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अगल - बगल से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार देर रात करीब दो बजे स्टेशन रोड स्थित एक दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि आग की चपेट में बगल की दो दुकानें भी आ गई। सूचना मिलने पर दुकान स्वामी और दमकल कर्मी भी पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जिन तीन दुकानों को नुकसान हुआ है उनमें प्रदीप कुमार की कन्फैक्शनरी, मुख्त्यार अहमद की फुटवियर और गुड्डू सिंह की मोबाइल की दुकान है। शुक्रवार दोपहर को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने घटना स्थल का जायजा लेते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है।

लैंसडाउन विधायक दिलीप रावत की पत्नी नीतू रावत ने जयहरी जिला पंचायत सीट से भरा पर्चा

कोटद्वार। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में शुक्रवार को लैंसडौन विधायक महंत दिलीप रावत की पत्नी नीतू रावत ने जयहरी सीट से जिला पंचायत सदस्य पद में भाजपा समर्थित उम्मीदवार के रूप में पर्चा दाखिल किया है। लैंसडौन विधायक दिलीप रावत की पत्नी नीतू रावत के नामांकन के बाद जनपद पौड़ी का सियासी तापमान भी बढ़ गया है। फिलहाल जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर नीतू की मजबूत दावेदारी मानी जा रही है हालांकि अभी तक आरक्षण तय नहीं हो पाया है।

अधिकारियों को दिया जाएगा सात जुलाई से प्रशिक्षण

रुद्रप्रयाग। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन में नियुक्त कार्मिकों का प्रथम प्रशिक्षण सात जुलाई से क्रीड़ा भवन अगस्त्यमुनि में होगा। प्रशिक्षण के पहले दिन पीठासीन अधिकारी एवं दूसरे दिन मतदान अधिकारी-प्रथम को प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतीक जैन के निर्देशों पर त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन की तैयारियों के दृष्टिगत नियुक्त नोडल अधिकारी प्रशिक्षण एवं मुख्य कृषि अधिकारी लोकेन्द्र बिष्ट की ओर से जारी कार्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार प्रथम चरण का प्रशिक्षण सात जुलाई को क्रीड़ा भवन अगस्त्यमुनि में प्रातः दस बजे से होगा, जिसमें पीठासीन अधिकारी प्रतिभाग करेंगें। जबकि दूसरे दिन आठ जुलाई को मतदान अधिकारी प्रथम को प्रातः 10 से 5 बजे तक प्रशिक्षण दिया जायेगा।

हाट बाजार को लेकर व्यापारी और पार्षद आमने सामने

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। नगर निगम के डांग वार्ड नम्बर-32 में प्रस्तावित संडे हाट बाजार का विरोध रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को व्यापारियों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित की डांग क्षेत्र में प्रस्तावित हाट बाजार को लगाने की अनुमति प्रदान न किए जाने की मांग की।

इस मौके पर व्यापार सभा डांग के अध्यक्ष सौरभ पाण्डेय, उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष वासुदे. व कंडारी, लक्ष्मण रावत, दीपा रावत ने कहा कि नगर निगम श्रीनगर द्वारा डांग क्षेत्र के वार्ड संख्या-32 में प्रत्येक माह के

■ रविवार को डांग बाजार पूर्ण रूप से बंद करने का निर्णय

रविवार को हाट बाजार आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है। जिससे डांग के व्यापारियों में कड़ा रोष व्याप्त है। कहा कि डांग क्षेत्र श्रीनगर का एक सीमित व्यापारी क्षेत्र है, जहां पहले से ही व्यापार की स्थिति अत्यंत सामान्य और सीमित है। कहा कि अधिकांश दुकानदार अल्पवित्तीय हैं जो अपनी दुकानें संचालित करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। जिससे क्षेत्र में पहले ही व्यापारिक प्रतिस्पर्धा अधिक है तथा ग्राहक संख्या सीमित है। कहा कि ऐसे में यदि प्रत्येक माह रविवार को हाट बाजार आयोजित किया जाएगा, तो उससे स्थायी दुकानदारों के व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कहा कि डांग में लगने वाला हाट बाजार निजी भूमि पर लगाया जा रहा है, जो कि नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने उपजिलाधिकारी से व्यापारियों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए डांग क्षेत्र में प्रस्तावित हाट बाजार को अनुमति न दिए जाने की मांग की है। कहा कि यदि रविवार को हाट बाजार खुलता है तो टकराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

धरातल पर उतरकर स्थिति का जायजा ले रहे डीएम जैन

रुद्रप्रयाग। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को निर्विघ्न संपंन कराने को लेकर जिलाधिकारी प्रतीक जैन धरातल पर उतरकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। वे जहां नामांकन प्रक्रियाओं की जांच कर रहे हैं, वहीं आम जन से अधिक से अधिक संख्या में लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी करने को लेकर अपील भी कर रहे हैं। शुक्रवार को जिलाधिकारी ने विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में नामांकन प्रक्रिया का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नामांकन केंद्र पर स्थापित विभिन्न काउंटरों, जांच कक्ष, पंजीकरण कक्ष, हेल्प डेस्क, सुरक्षा व्यवस्था, महिला उम्मीदवारों के लिए विशेष सुविधा आदि का अवलोकन किया।

तीसरी बार महिला ग्राम प्रधान चुनी गईं अनिला देवी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। प्रतापनगर क्षेत्र की पट्टी भद्रा के खिट्टा गांव में पंचायत चुनाव से पहले ही ग्राम प्रधान को लेकर आम सहमति बन गई है। लगातार तीसरी बार महिला आरक्षित सीट घोषित होने के बाद ग्रामीणों ने एकजुट होकर अनिला देवी को निर्विरोध ग्राम प्रधान चुन लिया है। इससे पहले भी गांव की कमान महिलाओं के हाथ में रही है, और इस बार भी यह परंपरा कायम रही।

गांव में आयोजित एक आम बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया, जिसकी अध्यक्षता पूर्व प्रधान दर्शन सिंह पोखरियाल ने की। बैठक में ग्राम प्रधान पद के लिए दो महिलाओंकुसीमा पोखरियाल पत्नी विकास पोखरियाल और अनिला देवी पत्नी सोहन सिंह पोखरियालकृने अपनी-अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। हालांकि, ग्राम हित को सर्वोपरि रखते हुए सीमा पोखरियाल ने अनिला देवी के पक्ष में अपना समर्थन वापस ले लिया और उन्हें पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। बैठक में बचन सिंह पोखरियाल, शूरवीर रावत, हुकम सिंह पोखरियाल, विक्रम सिंह पोखरियाल, कमल पोखरियाल, विकास पोखरियाल, रमेश पोखरियाल, राजेंद्र पोखरियाल सहित गांव के अनेक सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

बीईएल ने सीएसआर योजना के तहत वितरित की स्ट्रीट लाइट

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार। नगर निगम कोटद्वार क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट्स लगाने की दिशा में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण पहल की गई। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की सीएसआर योजना के तहत आयोजित स्ट्रीट लाइट वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

इस अवसर पर अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सेवा, समर्पण और ईमानदारी के 4 वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें और प्रदेशवा. सियों को कोटद्वार की जनता की ओर से शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष ने बताया कि फरवरी 2024 में उन्होंने बीईएल से कोटद्वार के लिए स्ट्रीट लाइट्स की मांग की थी, जिस पर अब कार्यवाही हुई है और बीईएल द्वारा 1500 स्ट्रीट लाइट्स कोटद्वार नगर निगम को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि यह पूरे शहर के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है। ऋतु खण्डूडी ने कहा कि कोटद्वार में स्थित बीईएल एक ऐसा संस्थान है, जहां से बने उत्पाद न सिर्फ देशभर में बल्कि विदेशों में भी जाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीईएल कोटद्वार द्वारा तैयार डिफेंस सिस्टम का उपयोग हमारी बैलिस्टिक मिसाइलों में हुआ, जिससे देश की सुरक्षा मजबूत हुई।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में प्रत्याशियों को मिलेगा अदेयता प्रमाण-पत्र

नई टिहरी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जिला पंचायत टिहरी गढ़वाल की ओर से चुनाव में भाग लेने वाले प्रत्याशियों को अदेयता प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए जिला पंचायत कार्यालय और सभी विकासखंडों में कार्मिकों की तैनाती कर दी गई है। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, भागवत पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तराखंड की अधिसूचना 28 जून के अंतर्गत यह प्रक्रिया लागू की गई है। प्रत्याशियों को अदेयता प्रमाण-पत्र निर्गत करने की यह व्यवस्था 2 से 5 जुलाई तक प्रातः 8 बजे से अपराह्न 4 बजे तक संचालित होगी।

राज्यपाल की अध्यक्षता में मानसून पूर्व तैयारियों पर समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) की अध्यक्षता में शुक्रवार को देहरादून स्थित राज्य आपातकालीन परिच. ालन केंद्र में मानसून सत्र 2025 को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जनपद टिहरी गढ़वाल से जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल सहित अन्य अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया और जिला स्तर पर की जा रही तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, मॉकड्रिल, मानसून व चारधाम डेली रिपोर्टिंग, ग्राम स्तर तक चेतावनी प्रणाली, आपदा सखी योजना, आईआरएस प्रणाली, जलभराव की रोकथाम, भूदेव एप, खतरनाक स्थानों पर सेल्फी प्रतिबंध जैसे कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों द्वारा अब तक की गई तैयारियों और कृत कार्यवाही से राज्यपाल को अवगत कराया गया। आपदा सखी योजना को बैठक में विशेष सराहना मिली। इस योजना के पहले चरण में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समुदाय से जुड़ी जागरूक महिलाओं को प्रशिक्षण देकर 500 मास्टर ट्रेनर तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। ये महिलाएं आपदा की स्थिति में चेतावनी प्रसारण, राहत सामग्री वितरण, प्राथमिक चिकित्सा और मानसिक सहयोग जैसे कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने टिहरी जनपद की मानसून

कृषि सखियों दिया 5 दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

चिन्यालीसौड़। कृषि विज्ञान केंद्र, चिन्यालीसौड़ में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत कृषि विभाग, उत्तरकाशी ने 5 दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण दिया।

कृषि सखियों को 23 से 27 जून एवं 1 से 5 जुलाई तक कुल 42 कृषि सखियों के लिए 5 दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती की टिकाऊ तकनीकों में दक्ष बनाना था। इसमें स्थानीय संसाधनों के उपयोग से पोषक प्रबंधन, जैविक कीट नियंत्रण एवं पशुपालन आधारित खेती को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। प्रतिभागियों को बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र, अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र व दशपर्णी अर्क जैसी जैविक विधियों की व्यावहारिक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में पशुओं की भूमिका, उनकी देखभाल, पोषण वाटिका निर्माण जैसी गतिविधियां को भी शामिल किया गया, जिससे सखियां खेती को अधिक लाभकारी और पर्यावरण-अनुकूल बना सकें।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि एस.एस. वर्मा (मुख्य कृषि अधिकारी, उत्तरकाशी) ने कृषि सखियों को प्रोत्साहित किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. के.के. पांडे (इंचार्ज, कृषि विज्ञान केंद्र) ने की। कार्यक्रम संचालन में डॉ. आर.एल. मीणा एवं डॉ. शशिधर बी.आर. (कार्यक्रम समन्वयक), डॉ. मनीषा आर्य, डॉ. कौशल, सुश्री ज्योति बेरी (सह-समन्वयक) एवं श्री संजय कुमार (कृषि अधिकारी, चिन्यालीसौड़) का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर कृषि विज्ञान विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। समापन पर कृषिसखियों से अनुभव साझा कर फीडबैक प्राप्त किया गया और उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राकृतिक खेती को जन-जन तक पहुंचाने और महिलाओं को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ।

त्रियुगीनारायण सीट पर युवा नेता नितिन जमलोकी ने किया नामांकन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जिले में सरगर्मियां तेज हो गई हैं। जिला पंचायत से लेकर क्षेत्र पंचायत और प्रधान की सीट हासिल करने को लेकर जीतोड़ मेहनत शुरू हो गई है। इस बार भगवान शिव-पार्वती विवाह स्थली त्रियुगीनारायण हॉट सीट बनी हुई है। यहां जिला पंचायत सदस्य को लेकर भाजपा-कांग्रेस से लेकर निर्दलीय प्रत्याशी पूरे दमखम से मैदान में उतरे हुए हैं।

शुक्रवार को श्री केदारनाथ होटल एसोसिएशन के महासचिव एवं वरिष्ठ व्यापारी नितिन जमलोकी ने त्रियुगीनारायण सीट से जिला पंचायत सदस्य को लेकर नामांकन पत्र दाखिल किया। भारी जनसमर्थन के साथ जमलोकी जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे और नामांकन किया। उन्होंने कहा कि केदारनाथ यात्रा का मुख्य पड़ाव होने के बावजूद भी क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं का टोटा बना हुआ है। स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल को लेकर जनता परेशान है, जबकि चारधाम परियोजना के तहत बनी ऑल वेदर सड़क भी परेशानी का सबब बनी हुई है। क्षेत्र की जनता राष्ट्रीय पार्टियों से ऊब चुकी है। केदारघाटी के लोग केदारनाथ यात्रा पर निर्भर हैं और इस वर्ष यात्रा में भारी खामियां देखने को मिली। सत्ताधारी पार्टी के नेता से लेकर जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रहे।

ड्रग मुफ्त कैम्पस से पुलिस करेगी नशे का खात्मा

■ एसएसपी एसटीएफ व एसएसपी देहरादून ने पुलिस लाइन में शिक्षण संस्थाओं एवं पुलिस अधिकारियों के बीच की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। ड्रग फ्री देवभूमि की परिकल्पना को साकार करने के लिये पुलिस द्वारा नशे के विरूद्ध जागरूकता के लिए ष्ड्रग फ्री कैम्पसष के रूप में नई पहल शुरू की। इस दौरान जनपद के मुख्य शिक्षण संस्थानों, पीजी, हास्टल, विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ पुलिस लाइन देहरादून में गोष्ठी का आयोजन किया गया।

एसएसपी तथा एसएसपी एसटीएफ द्वारा सभी प्रबंधकों को अपने-अपने संस्थानों में "ड्रग फ्री कैम्पस" की अवधारणा के तहत डीबेट, पोस्टर, पाम्पलेट, सेमिनार व अन्य माध्यमों से जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिये। इस दौरान बोलते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने कहा कि युवा पीढी को ड्रग्स की गिरफ्त में आने से बचाने के लिये ष्ड्रग फ्री कैम्पसष की शुरूवात की गई है जो शिक्षण संस्थान की जिम्मदारी है।

जिसमें शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ छात्रों व अभिभावकों की सहभागिता व उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित की जा रही है। अपनी जिम्मदारी पूर्ण न करने वाले शिक्षण संस्थानों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत वैधानिक कार्यवाही की जायेगी, साथ ही जरूरत पड़ने पर संदिग्ध छात्रों का रैंडम टेस्ट कराने को भी दून पुलिस तैयार है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों के छात्रों के ड्रंक एण्ड ड्राइव में पकडे जाने पर पुलिस द्वारा सम्बन्धित संस्थान को सूचित किया जायेगा।संस्थान द्वारा सूचना पर लिये गये सख्त एक्शन से पुलिस को अवगत कराना होगा।

नशे की गिरफ्त में आये छात्रों की काउंसलिंग के लिए नेशनल हैल्प लाइन नम्बर 14446 में सूचना देने तथा उन्हें एडिक्ट सेन्टर रैफर करने के निर्देश दिये।संस्थान,पीजी,हास्टल संचाल. कों द्वारा ड्रग्स सम्बन्धी किसी भी सूचना को छिपाये जाने पर सम्बन्धित संस्थान के विरूद्ध बीएनएस की सम्बन्धित धाराओं के अन्तर्गत सख्त वैधानिक कार्यवाही होगी।

हिंदवेयर ने किया नेटवर्क का विस्तार

देहरादून। टूफ्लो बाय हिंदवेयर, प्लास्टिक पाइप और फिटिंग सेगमेंट में सबसे तेजी से ग्राहकों की पहली पसंद बन रहे ब्रांड ने उत्तराखंड के रुड़की में अपने नए अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के उद्घाटन की घोषणा की। इस नए प्लांट की शुरुआत के साथ, प्लांट में ट्रॉयल प्रोडक्शन आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। कंपनी के तीसरे प्लांट के रूप में, यह रणनी. तिक विस्तार टूफ्लो के लॉन्गटर्म ग्रोथ की योजना को मजबूत करने और हाई क्वालिटी प्लास्टिक पाइपिंग सॉल्यूशंस की भारत में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन और डेवलप किया गया नया प्लांट है।

चार वर्ष पूरे करने पर सीएम धामी को जोशी ने दी बधाई

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को राज्य के मुख्य सेवक के रूप में सेवा, समर्पण और शुि. चता के चार वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड ने प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और राज्य ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि ष्मुझे पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में उत्तराखंड शीघ्र ही एक विकसित राज्य के रूप में अपनी सशक्त पहचान स्थापित करेगा।

दोस्त के सिर पर हथौड़े से वार कर उतारा मौत के घाट

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। दोस्तों के बीच आपस में हुए मामूली विवाद में अपने साथी के सिर पर हथौडा मारकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा।

दो दिन पूर्व थाना डालनवाला क्षेत्र के परेड ग्राउण्ड के पास एक व्यक्ति द्वारा स्कूटी पर जाते समय स्कूटी चला रहे व्यक्ति के सर पर पीछे से हथौडे से वार कर उसे गम्भीर रूप से घायल कर दिया दिया था इस घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी डालनवाला अनुज आर्य सहित डालनवाला पुलिस मौके पर पहुंची थी और घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को हिरासत में लेते हुए घायल व्यक्ति को उपचार के लिए दून अस्पताल भिजवाया गया जहां डाक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के सम्बन्ध में मृतक के भाई राहुल साहु द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली डालनवाला में हत्या का मुकदमा पुलिस ने दर्ज किया।

पकड़े गए आरोपी शिबरन साहनी पुत्र रतन साहनी निवासी रतौली थाना पानापुर ब्लाक छबरा बिहार,हाल इंदिरा कालोनी कोतवाली नगर से जब पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला की मृतक संतोष साहु पुत्र पामेश्वर साहु हाल निवासी: ओल्ड डालनवाला गुरूद्वारा रोड करनपुर मूल ग्राम गिरी थाना पिचाक जिला हजारीबाग झारखण्ड तथा आरोपी दोनो आपस में दोस्त हैं। मृतक ठेली लगाने का कार्य करता था तथा अभियुक्त मिस्त्री का कार्य करता था। घटना से पूर्व किसी बात को लेकर दून क्लब के पास आरोपी का मृतक से विवाद हो गया था दोनो के बीच हाथापाई हो गयी। जिसमें मृतक के भाई द्वारा बीच-बचाव कर दोनो को अलग किया। बीच-बचाव के दौरान मृतक के भाई के कडे से आरोपी की चेहरे पर हल्की चोट आ गई। जिस पर मृतक उसे अपनी स्कूटी से उपचार के लिए अस्पताल ले जाने लगा।

जल जीवन मिशन के ठेकेदारों का मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न हो बंद : अग्रवाल

देहरादून। जल जीवन मिशन के कार्यों से जुड़े परेशान ठेकेदारों को धन मिलने की सारी उम्मीदें ध्वस्त दिखती नजर आ रही है। देवभूमि जल शक्ति कांट्रेक्टर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि उत्तराखंड पेयजल निगम ने अपने अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ ऑनलाइन मीटिंग की एवं इस मीटिंग में काम बंदी से मना करते हुए काम न करने पर पेनल्टी और अनुबंध निरस्त करने का दबाव बनाया। उन्होंने कहा कि इन दबाव से जल जीवन मिशन से जुड़े सभी ठेकेदार जो बैंक का ब्याज एवं सप्लायर, लेबर कॉस्ट का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं उन सभी को मानसिक आघात एवं दबाव पहुंचा है। अब जल जीवन मिशन के ठेकेदारों को जल निगम के अधिकारियों से कोई उम्मीद नहीं दिख रही है, उनकी उम्मीदें अब बस राज्य सरकार और केंद्र सरकार से हैं। उन्होंने कहा जल संस्थान के सीजीएम ने पूर्ण कार्य की सिक्योरिटी और टीपीआई का 25 फीसदी धनु राशि अवमुक्त करने एवं एक्स्ट्रा बिल आइटम को तुरंत माप पुस्तिका पर लाने का निर्देश दिया है।

सरकार के 4 साल में अपराध बेमिसाल : डॉ. प्रतिमा सिंह

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने पुष्कर सिंह धामी के मुख्यमंत्रित्व काल के चार साल पूरे होने पर वक्तव्य जारी करते हुए कहा कि पुष्कर सिंह धामी के इस चार साल के मुख्यमंत्रित्व काल को महिलाओं व नाबालिगों की बलात्कार, के बाद हत्या व बेशुमार घोटालों के लिए याद किया जायेगा।

डॉ0 प्रतिमा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने चार वर्ष के मुख्यमंत्रित्व काल में जनहित का कोई भी ऐसा काम नहीं कर पाये जिसके लिए प्रदेश की जनता उन्हें याद करे। उनके कार्यकाल में उपलब्धियों के नाम पर राज्य में हत्या, मासूमों से बलात्कार एवं महिलाओं से सम्बन्धित जघन्य अपराध की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई। उत्तराखण्ड राज्य में औसतन प्रति माह एक मासूम से बलात्कार और हत्या की घटना घटित हुई। अंकिता भंडारी जघन्य हत्याकांड में शामिल लोगों को बचाने का भरपूर प्रयास किया गया तथा वी.आई.पी. का नाम अभी तक भी उजागर नहीं हो पाया है। राज्य में हुए सामूहिक बलात्कार व हत्या की घटनाओं में सत्ताधारी दल के लोगों की संलिप्तता उजागर होने से स्पष्ट हुआ कि धामी सरकार ने बलात्कारी और हत्यारों को पूरा संरक्षण दिया है। राज्य में लगातार घटी इन घटनाओं से महिला सम्मान के साथ-साथ राज्य की अस्मिता पर भी चोट पहुंची तथा देवभूमि का गौरव कलंकित हुआ।

धामी के 4 साल महिला उत्थान और सशक्तिकरण के लिए बेमिसाल: आशा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा महिला मोर्चा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 4 साल के शासनकाल को ऐतिहा. सिक, बेमिसाल, लोक कल्याणकारी और समग्र विकास का एक नया अध्याय बताया है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी ने 4 जुलाई 2021 को जब उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के तौर पर पदभार ग्रहण किया था। तब से निरंतर महिलाओं के उत्थान की दिशा में ऐतिहासिक फैसले किए हैं। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री का शासन काल नारीशक्ति के लिए बेमिसाल रहा है। प्रदेश में महिलाओं के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री ने दर्जनों योजनाओं की शुरुआत की।

सम्मान और उत्साह के साथ मनाया जाएगा शौर्य दिवस : जोशी

■ सैनिक कल्याण मंत्री ने कारगिल विजय दिवस की तैयारियों को लेकर की समीक्षा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून स्थित सैनिक कल्याण निदेशालय में आगामी 26 जुलाई कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि शौर्य दिवस के अवसर पर आयोजित सभी कार्यक्रमों की तैयारियां समयबद्ध एवं भव्य रूप में पूरी की जाएं।

सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि कारगिल विजय दिवस न केवल भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान का प्रतीक है, बल्कि यह राष्ट्र के प्रति हमारे सम्मान और कृतज्ञता का भी पर्व है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश के हर जनपद में शौर्य दिवस को सम्मान और उत्साह के साथ मनाया जाए तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा स्थानीय स्तर पर भी प्रभावी ढंग से तैयार की जाए।बैठक में सचिव सैनिक कल्याण दीपेंद्र चौधरी, अपर सचिव सैनिक कल्याण श्याम सिंह, निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर (सेनि) अमृत लाल, उपनिदेशक कर्नल (सेनि) योगेन्द्र कुमार, उपनिदेशक विंग कमाण्डर (सेनि) निधि बधानी सहित कई अधिकारीगण एवं पूर्व सैनिक संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्य कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे सीएम धामी

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने बताया कि देहरादून के गांधी पार्क में आयोजित होने वाले मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान कारगिल युद्ध में शहीद हुए उत्तराखंड के वीर जवानों के परिजनों, वीरांगनाओं और वीर माताओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आयोजन के हर पहलू में सम्मान, गरिमा और अनुशासन का समुचित समावेश हो और समस्त तैयारियों को एक कार्ययोजना के तहत व्यवस्थित रूप से संपन्न किया जाए।

नगर आयुक्त ने लिया देवभूमि रजत जयंती पार्क निर्माण का जायजा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नगर निगम देहरादून की नगर आयुक्त नमामी बंसल (आईएएस) ने आई.टी. पार्क क्षेत्र में निर्माणाधीन "देवभूमि रजत जयंती पार्क" के विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। यह पार्क लगभग 2400 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने पार्क के विभिन्न घटकों जैसे पाथवे निर्माण, हरियाली विकास, फव्वारे, बैठने की व्यवस्था, बच्चों के खेलने के उपकरण, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

नगर आयुक्त नमामि बंसल ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्यों को पूर्ण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मॉनसून सीजन को ध्यान में रखते हुए कार्यों में और तेजी लाई जाए ताकि नागरिकों को शीघ्र ही इस पार्क की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

नगर आयुक्त ने बताया कि "देवभूमि रजत जयंती पार्क" का निर्माण नगर निगम देहरादून द्वारा नागरिकों के लिए एक सुव्यवस्थित, स्वच्छ एवं हरित सार्वजनिक स्थल के रूप में किया जा रहा है, जो विशेष रूप से आई.टी. पार्क क्षेत्र एवं आस-पास के निवासियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

यह पार्क बच्चों के लिए मनो. रंजन, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विश्राम एवं योग की सुविधा, हरियाली से भरपूर वातावरण और जनसामान्य के लिए स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों का केन्द्र बनेगा। साथ ही यह क्षेत्र की पर्यावरणीय गुणवत्ता में भी वृद्धि करेगा। नगर निगम देहरादून का निरंतर प्रयास है कि शहरवासियों को बेहतर शहरी सुविधाएं एवं उच्च गुणवत्ता वाले सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराए जाएं, जिससे नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार हो सके।

शिक्षक -प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

देहरादून। पॉली किड्स ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने देहरादून में शिक्षक प्रशिक्षण सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देहरादून, जॉली ग्रांट और ऋषिकेश शाखाओं के लगभग 250 शिक्षक एकत्रित हुए। सत्रों में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया। पॉली किड्स ग्रुप ऑफ स्कूल्स के अध्यक्ष कैप्टन मुकुल महेंद्रू द्वारा शैक्षणिक प्रबंधन प्रणाली और स्कूल स्वचालन पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया।

एक नजर ....

सीएम धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड ने एक नई दिशा की प्राप्तः डॉ निशंक

देहरादून। पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल शनिशंकश ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राज्य सरकार के सफल चार वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। डॉ. निशंक ने अपने संदेश में कहा कि ष्मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड ने सुशासन, साहसिक निर्णयों और जनसेवा के प्रति अटूट संकल्प के साथ एक नई दिशा प्राप्त की है। समान नागरिक संहिता से लेकर भ्रष्टाचार पर सखक्त कार्यवाही, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, धार्मिक पर्यटन और औद्योगिक निवेश तकख्रहर क्षेत्र में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

सीएम धामी के 4 साल उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास में अभूतपूर्व साबित हुएः चौहान

देहरादून।भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने पुष्कर सिंह धामी के मुख्यमंत्री के रूप में 4 वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी । चौहान ने कहा कि धामी के नेतृत्व में सेवा , सुशासन व सुचिता के ये 4 साल उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में यह 4 वर्ष देवभूमि उत्तराखंड को देश के श्रेष्ठ राज्यों में शामिल करने के प्रयासों को समर्पित रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड प्रतिदिन विकास के नये अध्याय लिख रहा है । धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड मॉडल स्टेट के रूप में विकसित हुआ है ।

बंसल ने सीएम धामी के कार्यकाल को राष्ट्रीय पफलक पर छाने वाला बताया

देहरादून । राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल ने मुख्यमंत्री धामी के कार्यकाल को राष्ट्रीय फलक पर छाने वाला बताया है। उन्होंने कहा, इन 4 शानदार वर्षों में उनके नेतृत्व में कई ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय लिए गये, इनमें कई फैसले, देश के कई राज्यों के लिए रोल मॉडल बने हैं। समान नागरिक संहिता, धर्मांतरण रोकथाम कानून, दंगरोधी कानून लागू कर राज्य की डेमोग्राफी बदलने की साजिशों और लव, लैंड, थूक जिहाद पर लगाम लगाई गई है। इसी तरह मातृ शक्ति के सशक्तिकरण हेतु 33 फीसदी आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया, राज्य आंदोलनकारियों को सम्मान देते हुए सरकारी नियुक्तियां में 10 फीसदी आरक्षण दिया गया है।

धामी सरकार के चार वर्ष स्वर्णिम उत्तराखंड की नींव रखने वालेः खजान दास

देहरादून । भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक खजान दास ने धामी सरकार के चार वर्षों को स्वर्णिम उत्तराखंड की नींव रखने वाला बताया है। उन्होंने विकासोन्मुख और जनकल्याण कार्यों वाले इस कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। कहा, उनके अथक प्रयासों और कर्मठता का नतीजा है कि विकसित राज्य बनने का लक्ष्य अब संभव नजर आने लगा है। यूसीसी, धर्मांतरण कानून, दंगारोधी कानून, सख्त भू कानून के अतिरिक्त अनेकों विकास के कार्यों से आज उत्तराखंड की तस्वीर बदली है। नकल कानून के संरक्षण में हम 23 हजार युवाओं को नियुक्ति देने में सफल हुए। प्रबंधन और सुरक्षा के कारण, चार धाम यात्रा नए नए रिकॉर्ड तोड़ रही है।

धामी ने साहसिक निर्णय से उत्तराखंड को दी नई पहचानः चुफाल

देहरादून। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बिशन सिंह चुफाल ने धामी के बतौर मुख्यमंत्री 4 सालों को साहसिक निर्णयों से राज्य को नई पहचान देने वाला बताया है। उन्होंने कहा, जिस तरह वह पीएम मोदी के मार्गदर्शन और नीतियों को जमीन पर उतार रहे हैं उससे देवभूमि, विकास और विरासत का रॉल मॉडल बनकर देश में स्थापित हुआ है। प्रदेश में सड़क, हवाई, रेल कनेक्टिविटी की तरह आधारभूत ढांचे में भी जो आमूलचूल परिवर्तन आया है उससे पर्यटन व्यवसाय के माध्यम से स्थानीय आर्थिकी भी समृद्ध हुई है। इन व्यवस्थागत सुधारो से स्थानीय लोगों की जिंदगी भी लगातार आसान बन रही है। यही वजह है कि राज्य की जनता मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में आज प्रदेश को विकसित बनाने के लिए कम से कदम मिलाकर चल रही है।

धामी ने उत्तराखंड को विकसित राज्य बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर किया : भगत

देहरादून। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बंशीधर भगत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को शानदार और सफल 4 वर्षों के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि, इन चार वर्षो में पीएम मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड को विकसित राज्य बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर किया है। देवभूमि छवि को बरकरार रखने के लिए धामी सरकार ने अनेकों ऐतिहासिक और कड़े कदम उठाए हैं।अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में उन्होंने प्रदेशवासियों के लगभग हर सपने को पूरा करने का काम किया है। उनकी कोशिशों का ही नतीजा है कि आज जनता विकास और जनकल्याण को लेकर प्रदेश की दिशा और गति दोनों से पूरी तरह संतुष्ट है।

मुख्यमंत्री धामी के चार वर्ष विकल्प रहित संकल्प के ऐतिहासिक वर्षः डॉ . भसीन

देहरादून । पुष्कर सिंह धामी के मुख्यमंत्री के रूप में चार वर्ष पूरे होने पर उत्तराखण्ड राज्य उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. देवेन्द्र भसीन ने मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि ये चार वर्ष ऐतिहासिक उपलब्धियों के वर्ष हैं। शविकल्प रहित संकल्पश के साथ उन्होंने इन चार वर्षों में जो कार्य किए वे उत्तराखण्ड के लिए ही नहीं अपितु देश में अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरक सिद्ध हुए हैं और देश के साथ विदेशों में भी जिनकी गूंज है। डॉ. भसीन का कहना था कि मुख्यमंत्री के रूप में धामी ने कई प्रकाश स्तंभ स्थापित किए हैं।

मसूरी में पर्यटक संख्या पर नजर रखने को लगाए जाएंगे कैमरे

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मसूरी में पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए अब उनके आगमन पर सटीक निगरानी और भीड़ नियंत्रण के लिए पर्यटन विभाग सतर्क हो गया है। इसी क्रम में सचिव पर्यटन एवं उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि मसूरी के प्रमुख प्रवेश मार्गोंख्रकिमाड़ी, कैम्पटी फॉल और कोठालगेटख्रपर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे ताकि पर्यटकों की सटीक संख्या का आकलन हो सके। साथ ही, पर्यटकों के लिए पूर्व-पंजीकरण व्यवस्था शुरू करने पर भी विचार हुआ, जिससे सुविधाओं की बेहतर योजना बनाई जा सके और भीड़ पर नियंत्रण रखा जा सके। बैठक में अपर सचिव पर्यटन, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, उपजिलाधिकारी मसूरी, अधिशासी अभियंता नगर पालिका मसूरी, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

धनोल्टी मार्ग पर भी लगेंगे कैमरे

होटल एसोसिएशन मसूरी के अध्यक्ष श्री साहनी द्वारा धनोल्टी से मसूरी आने वाले मार्ग पर भी कैमरा लगाने का सुझाव दिया गया, जिस पर सचिव पर्यटन ने सहमति जताई और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने होटल एसोसिएशन से मसूरी के पीक सीजन की जानकारी भी उपलब्ध कराने को कहा।

मॉनीटरिंग को बनेगी समिति

पर्यटक संख्या की प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें जिला पर्यटन कार्यालय देहरादून, होटल एसोसिएशन, व्यापार मंडल, नगर पालिका मसूरी और एथिक्स इन्फोटेक लिमिटेड के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सचिव पर्यटन ने होम स्टे मालिकों और स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

जेनेराली व सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के बीच हुई साझेदारी

देहरादून। जेनेराली ने भारत में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को अपना नया संयुक्त उद्यम साझेदार घोषित किया है। सीबीआई भारत के सबसे पुराने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक है, जिसकी स्थापना 1911 में हुई थी, बैंक की बाजार पूंजीकरण 46,100 करोड़ रुपए है और इसका वितरण नेटवर्क 4,500 से अधिक शाखाओं के माध्यम से 8 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करता है। जेमी एंचुस्टेगुई, डिप्टी सीईओ इंश्योरेंस, जेनेराली ग्रुप ने कहा "हमें यह घोषणा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हम भारत में अपने कारोबार के इस नए अध्याय की शुरुआत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ कर रहे हैं, जो एक अत्यंत मजबूत और प्रतिष्ठित स्थानीय साझेदार हैं।

8 व 9 जुलाई को होगा सहकारिता के विस्तार पर दो दिवसीय मंथन

■ सहकारिता मंत्री डॉ. रावत ने अधिकारियों को कार्यक्रम की तैयारियों के दिए निर्देश

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राज्य में सहकारिता को विस्तार देने के लिये आगामी 8 व 9 जुलाई को दो दिवसीय मंथन कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिसमें सहकारी बैंकों एवं एमपैक्सों को और अधिक सुदृढ़ व सुविधाजनक बनाये जाने तथा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित गोष्ठि में निर्धारित लक्ष्यों के क्रियान्वयन को लेकर ठोस रणनीति बनाई जायेगी। मंथन कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के जनपद स्तर से लेकर राज्य स्तर तक के सभी अधिकारी शामिल होंगे। कार्यक्रम सफल आयोजन को लेकर विभागीय अधिकारियों को सभी तैयारियां पुख्ता करने के निर्देश दिये गये हैं।

सूबे के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सहकारिता के विस्तार को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। डॉ. रावत ने कहा कि सहकारिता को माध्यम बना कर प्रदेश को मॉडल स्टेट के रूप में विकसित करने के लिये ठोस रणनीति बनाई जायेगी। इसके लिये उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आगामी 8 व 9 जुलाई को दो दिवसीय मंथन कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिये। राज्य स्तरीय मंथन कार्यक्रम में प्रदेश में स्वरोजगार के अवसर पैदा करने, गांवों का सर्वांगीण विकास कर ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने, सहकारी संस्थाओं को और अधिक सुविधाजनक बनाने को लेकर ठोस रणनीति बनाई जायेगी।

उन्होंने कहा कि हाल ही में केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा दिल्ली में 'मंथन बैठक' का आयोजन किया गया, जिसमें सहका. रिता के विस्तार के लिये कुछ लक्ष्य निर्धारित किये गये, जिनके क्रियान्वयन के लिये मंथन कार्यक्रम में ठोस कार्ययोजना तैयार की जायेगी। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में 'वाइब्रेंट विलेज' योजना को सहकारी प्रणाली से जोड़ने, प्रदेश में त्रिभुवन सहाकरी विश्वविद्यालय परिसर स्थापित करने, सहकारी बैंकों व एमपैक्सों को अधिक सुदृढ़ और सुविधाजनक बनाये जाने को लेकर भी रोड़मैप तैयार किया जायेगा। इस विशेष मंथन बैठक में सहकारिता विभाग के जनपद स्तर से लेकर राज्य स्तर तक के समस्त अधिकारी प्रतिभाग करेंगे। बैठक में सभी जनपदों के सहायक निबंधक, उप निबंधक, राज्य सहकारी एवं जिला सहकारी बैंकों के प्रबंध निदेशक, महाप्रबंधक व सहकारी समितियों के सचिव अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। डॉ रावत ने कहा कि सूबे में सहकारिता के विस्तार को मंथन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें केंद्र सरकार के एजेंडे को लागू करने का भी निर्णय लिया जायेगा साथ ही सहकारी संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण और सुविधाजनक बनाने के लिये ठोस रणनीति तैयार की जायेगी।

भ्रष्टाचारी सुधर जाएं, अन्यथा जेल जाने के लिए रहें तैयारः मुख्यमंत्री

550 करोड़ की योजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को 75.81 लाख रूपये के चेक वितरित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकुल मैदान पहुंचकर विकास संकल्प पर्व में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने जनपद के चहुँमुखी विकास के 550 करोड़ की 107 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलांयास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद के चहुंमुखी विकास हेतु घोषणा करते हुए कहा कि लालढांग में सिंचाई सुविधा हेतु झील का निर्माण, लालढ़ागं पीएचसी का उच्चीकरण कर सीएचसी बनाना, भगवानपुर से इकबाल पुर तक सड़क का चौड़ीकरण किया जायेगा। भगवानपुर से सिकरौदा तक सड़क निर्माण, निरंजनपुर में डिग्री कालेज, मुबारकपुर-अलीपुर में हाईस्कूल का उच्चीकरण, मोहम्मदपुर जटगांव में रजवाहे के दो तरफ की पटरी पर सीसी सड़क का निर्माण, विधानसभा झबरेड़ा के अन्तर्गत रुड़की नगर निगम वार्ड न. 22 व 23 में पानी निकासी व सड़क निर्माण, खानपुर में ढाडेकी के सौलानी नदी पर पुल निर्माण, गिद्धावाली में गंगा नदी घाट पर पुल निर्माण, नागड पलोनी से रांगढ वाला होते हुए भगवानपुर के पास तक मोटर रोड का निर्माण, मेवड नागड के शमशान घाट में बाउण्डरी वाल निर्माण, मोहम्मदपुर पाण्डा के अन्तर्गत बाउण्डरी वाल निर्माण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा एनआरएलएम के अन्तर्गत करीब 75 लाख के चैक व मीना को पीएम आवास योजनान्तर्गत आवास की चाबी सौंपी गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्वास जताते हुए कहा कि ये सभी घोषणाएं, लोकार्पण, शिलांयास परियोजनाएँ न केवल हरिद्वार जनपद में आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगी, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही क्षेत्र के विकास को भी नई गति प्रदान करेंगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज का दिन विशेष है, क्योंकि आज ही के दिन 04 जुलाई 2021

को देवभूमि उत्तराखण्ड की सेवा करने का मौका दिया गया था। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के समग्र विकास और जन आकांक्षाओं को पूरा करने के अपने विकल्प रहित संकल्प को पूर्ण करने की इस यात्रा के सफल चार वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। उन्होंने सफल चार वर्ष पूर्ण होने पर देवभूमि उत्तराखंड की समस्त देवतुल्य जनता को दंडवत प्रणाम करते हुए हृदयतल से आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरणा लेकर गांवों से लेकर शहरों तक, किसानों से लेकर युवाओं तक, मातृशक्ति से लेकर श्रमशक्ति तक, व्यापारियों से लेकर कमचारियों तक प्रत्येक क्षेत्र और वर्ग के लिए कई नई योजनाएं बनाईं हैं और उन्हें धरातल पर भी उतारा है। जिसका परिणाम है कि आज प्रदेश में जहां एक ओर शहरों से लेकर सुदूर सीमावर्ती व पर्वतीय गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल सहित सभी मूलभूत आवश्यकताओं के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है। वहीं प्रदेश के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, होम स्टे योजना, लखपति दीदी योजना और सौर स्वरोजगार योजना जैसी अनेकों योजनाएं लागू कर स्वरोजगार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसका परिणाम है कि प्रदेश की बेरोजगारी दर में रिकॉर्ड 4.4 प्रतिशत की कमी लाकर राष्ट्रीय औसत को भी पीछे छोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हम मातृशक्ति के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए भी विभिन्न कार्य कर रहे हैं। हरिद्वार जनपद में भी अनेकों विकास परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरिद्वार शहर में जहां एक ओर 186 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से सीवरेज नेटवर्क का निर्माण करा रहे हैं, वहीं हमने पूरे शहर में 187 करोड़ रुपए से अधिक की पेयजल परियोजनाओं पर भी कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि धर्मनगरी हरिद्वार को भी काशी विश्वनाथ एवं उज्जैन महाकाल कॉरिडोर की भांति भव्य और दिव्य रूप देने के लिए हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर का निर्माण भी करा रहे हैं जिसकी डीपीआर भी तैयार हो चुकी है। हरिद्वार में हेली सेवाओं के लिए हेलीपोर्ट का निर्माण करने के साथ ही नगर को जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने हेतु पॉड टैक्सी के संचालन की कार्ययोजना भी तैयार की जा रही है। हरकी पैड़ी से मां चंडी देवी और मां मनसा देवी तक रोपवे के निर्माण को हरी झंडी देना हो या लालढ़ांग की बरसाती नदी में पुल के निर्माण के साथ ही झूला पुल बनाने की दिशा में किया जा रहा कार्य किया जा रहा हो। उन्होंने कहा कि हम देवनगरी हरिद्वार को एक विश्वस्तरीय नगरी बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में होने वाला कुंभ का आयोजन भव्य, दिव्य, सुरक्षित और ऐतिहासिक होना चाहिए। इसके लिए हम सभी जरूरी इंतजाम करने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र विकास के साथ-साथ अपने सांस्कृतिक मूल्यों और डेमोग्राफी को संरक्षित रखने हेतु भी पूर्ण रूप से संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य से भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं। पिछले साढ़े तीन वर्षों में भ्रष्टाचार में लिप्त 200 से अधिक लोगों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम भी किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मां गंगा क तट से स्पष्ट सन्देश दिया कि भ्रष्टाचारी या तो सुधर जाएं अन्यथा जेल जाने के लिए तैयार रहें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देश के साथ-साथ उत्तराखंड भी स्पष्ट नीति और निर्णायक नेतृत्व के साथ आगे बढ़ रहा है, जहां विकास प्राथमिकता है, ईमानदारी' पहचान है, और सेवा संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने विकल्प रहित संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है और हमारा ये विकल्प रहित संकल्प है। उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है। इस दौरान राज्यसभा सांसद एवं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, कल्पना सैनी, डॉ.नरेश बंसल, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक विधायक मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा, आदेश चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, मेयर किरण जेसल, अनीता अग्रवाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण विनय रोहेला, दर्जा राज्यमंत्री ओम प्रकाश जमदग्नि, शोभाराम प्रजापति, सुनील सैनी, श्यामवीर सैनी, जयपाल सिंह चौहान, देशराज कर्णवाल, शादाब शम्स, बीजेपी जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, मधु सिंह, महामंत्री आशु चौधरी, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल, मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे, उपाध्यक्ष एचआरडीए अंशुल सिंह, परियोजना निदेशक केएन तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश सहित जनता, जनप्रतिनिधि व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

काली पट्टी बांधकर सीएम का विरोध करने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। काली पट्टी बांधकर मुख्यमंत्री का विरोध करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने चंद्राचार्य चौक पर रोक दिया। रोके जाने पर कार्यकर्ता चौक पर ही धरना देकर बैठ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं की पुलिस से नोंकझोंक भी हुई। इसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हरिद्वार दौरे पर आए थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरकी पैड़ी पर गंगा पूजन कर नदी उत्सव का शुभारंभ किया। इसके बाद ऋषिकुल मैदान पर आयोजित विकास संकल्प पर्व में प्रतिभाग किया और जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का विरोध करने का ऐलान किया था। कांग्रेस कार्यकर्ता चंद्राचार्य चौक पर एकत्र हुए और काली पट्टी बांधकर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के जनसभा स्थल ऋषिकुल मैदान की और जाने लगे तो पुलिस ने चंद्राचार्य चौक पर बैरिकेड लगाकर आगे बढ़ने से रोक दिया। रोके जाने पर कांगेसियों और पुलिस के बीच नोंकझोंक भी हुई। इसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में सभी को छोड़ दिया गया। वरूण बालियान, दीपक टंडन, पार्षद सुनील कुमार, पार्षद विवेक भूषण विक्की, नितिन तेश्वर ने कहा कि मुख्यमंत्री का चार वर्ष का कार्यकाल पूरी तरह निराशाजनक है। प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध बढ़े हैं। भ्रष्टाचार के कई बड़े मामले इस दौरान सामने आए। जनता की समस्याओं का कोई समाधान नहीं हो रहा है। विरोध प्रदर्शन में वरूण बालियान, दीपक टंडन, यूथ कांग्रेस

जिलाध्यक्ष कैश खुराना, पार्षद सुनील कुमार, पार्षद प्रतिनिधि पुनीत, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष लता जोशी, तुषार कपिल, नितिन तेश्वर, पार्षद सोहित सेठी, नितिन यादव, अमित चंचल, अकरम अंसारी, हिमांशु राजपूत, अमनदीप रोशन, अयान सैफी, विकास चंद्रा, अबरार अयूबी, पहलवान ओम मलिक, समर्थ अग्रवाल, पार्षद विवेक भूषण विक्की, महबूब आलम, लक्ष्य चौहान, अज्जू सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।

युद्धवीर दहन बने आरएलडी प्रोफेशनल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राष्ट्रीय लोकदल के प्रोफेशनल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत चढ्ढा ने इंजीनियर युद्धवीर दहन् को राष्ट्रीय लोकदल के प्रोफेशनल प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

राष्ट्रीय संगठन महासचिव भीष्म ने कहा कि उत्तराखंड में संगठन को सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों एवं संगठन के प्रति युद्धवीर दहन् की निष्ठा को ध्यान में रखते हुए उन्हें पार्टी के प्रोफेशनल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गयी है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष युद्धवीर दहन ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें दी गयी है। उसका निष्ठापूर्वक पालन करते हुए पार्टी को मजबूत करेंगे। इस दौरान महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष कमल प्रीत अरोड़ा, अनुपम खत्री, उदयवीर सिंह चहल, दीपक राणा, वरिष्ठ नेता, अशोक खोकर, डी.पी.सिंह सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संस्कृत भारती के प्रतिनिधिमंडल ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

विभागों में संस्कृत को व्यवहार में लाने सहित कई विषय मुख्यमंत्री के समक्ष रखे

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। संस्कृत भारती उत्तराखण्ड के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश में संस्कृत भाषा से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और सुझावों को लेकर चर्चा की। प्रतिनिधि मंडल में प्रान्त संगठन मंत्री गौरव शास्त्री, प्रान्त मंत्री गिरीश तिवारी तथा कोषाध्यक्ष अंकित वर्मा शामिल रहे। इस अवसर पर प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदेश की द्वितीय राजभाषा संस्कृत के उन्नयन को लेकर कई महत्वपूर्ण विषय रखे। संघ के प्रतिनिधियों ने प्रदेश में संस्कृत शिक्षकों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने, संस्कृत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, शिक्षण संस्थानों के नियमित एवं प्रभावी संचालन, तथा राज्य के विभिन्न विभागों में संस्कृत भाषा के व्यवहार को बढ़ावा देने का अनुरोध किया। इसके साथ ही, संस्कृत से जुड़े शोध कार्यों को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष अनुदान देने की भी मांग

की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में आवश्यक कदम शीघ्र उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार में संस्कृतभारती द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। संस्कृतभारती ने मुख्यमंत्री के सकारात्मक आश्वासन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि उत्तराखण्ड शीघ्र ही संस्कृत के क्षेत्र में पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्रोत बनेगा।

भेल में आयोजित पर्यावरण माह संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में भेल में आयोजित पर्यावरण जागरूकता माह का शुक्रवार को समापन हो गया। नवीन अभियांत्रिकी सभागार में आयोजित समापन समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि भेल के महाप्रबंधक एवं प्रमुख रंजन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रंजन कुमार ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के बढ़ते चलन, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन तथा उपभोक्ता स्तर पर जागरूकता की कमी के कारण प्लास्टिक प्रदूषण विकराल रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारा कर्तव्य है कि हम इस खतरे से निपटने की दिशा में काम करें। रंजन कुमार ने बताया कि पॉलीथीन और प्लास्टिक बोतलों की जगह पुनः प्रयोज्य विकल्प अपनाकर हम इस समस्या के समाधान में अपना योगदान दे सकते हैं। इससे पहले महाप्रबंधक (पीसीआरआई) अमित श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए पर्यावरण जागरूकता माह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। समारोह में पर्यावरण माह के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण से संबंधित एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

धार्मिक अनुष्ठान कल्याणकारी होते हैंः हरि गिरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जूना अखाड़ा स्थित सिद्ध पीठ मायादेवी मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरी के संयोजन में आयोजित अनुष्ठान में निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी, निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर भारत माता मंदिर के महंत स्वामी ललितानं गिरी, जूना अखाड़े के श्रीमहंत प्रेमगिरी, श्रीमहंत महेश पुरी महंत महाकाल पुरी, महंत दिवाकर पुरी, महंत किशन गिरी सहित कई संत महंत शामिल हुए और आहुति देकर विश्व कल्याण की कामना की।

अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरी ने कहा कि परमार्थ के लिए जीवन अर्पित करने वाले संत महापुरूषों के सानिध्य में होने वाले धार्मिक अनुष्ठान सदैव कल्याणकारी होते हैं। धार्मिक अनुष्ठान से प्रवाहित होने वाली सकारात्मक ऊर्जा विश्व में शांति का वातावरण स्थापित करेगी। निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि

श्रीमहंत हरि गिरी विद्वान संत हैं। समाज को दिशा प्रदान करने में उनका हमेशा योगदान रहता है। उनके सानिध्य में संपन्न हुआ धार्मिक अनुष्ठान अवश्य ही कल्याणकारी सिद्ध होगा। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि अनुष्ठान के प्रभाव से चारधाम यात्रा और कांवड़ मेला सकुशल संपन्न होंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता अखंडता बनाए रखने में संत महापुरूषों की अहम भूमिका रही है। श्रीमहंत हरि गिरी संतों के हितैषी हैं। उनके नेतृत्व में सभी तेरह अखाड़े मिलकर हरिद्वार कुंभ मेला, नासिक महाकुंभ मेला सकुशल संपन्न कराएंगे।

आईएसएलआरटीसी एग्जीक्यूटिव काउंसिल के सदस्य संदीप अरोड़ा को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन केंद्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (आईएसएलआरटीसी) की एग्जीक्यूटिव काउंसिल में सदस्य नामित किए गए देवभूमि बधिर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप अरोड़ा व उनकी पत्नि सोनिया अरोड़ा को एसएमजेएन कालेज के प्राचार्य प्रो.सुनील कुमार बत्रा ने पटका पहनाकर और प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान प्राचार्य प्रो.सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि कालेज के पूर्व छात्र संदीप अरोड़ा को मंत्रालय द्वारा एग्जीक्यूटिव काउंसिल में सदस्य मनोनीत करना कालेज के लिए बड़े गर्व का विषय है। संदीप अरोड़ा की पत्नि सोनिया अरोड़ा भी कालेज की पूर्व छात्रा हैं। संदीप अरोड़ा की

सामाजिक गतिविधियों में सोनिया अरोड़ा भी अहम भूमिका निभा रही हैं। प्राचार्य प्रो.बत्रा ने कहा कि वह भी इंडियन साइन लैंग्वेज को बढ़ावा देंगे। इस दौरान उन्होंने संदीप अरोड़ा की उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए साइन लैंग्वेज में एक वीडियो भी जारी किया। संदीप अरोड़ा और सोनिया अरोड़ा ने प्राचार्य प्रो.सुनील कुमार बत्रा और कालेज के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डा.संजय माहेश्वरी, डा.मनोज सोही, डा.शिवकुमार, दिव्यांश शर्मा, वैभव बत्रा, डा. विजय शर्मा, डा.सुशील कोठियाल आदि मौजूद रहे।

सिंचाई खंड के अधिकारियों का कारनामा

कावड़ मेले के लिए चिन्हित मेला भूमि का कर डाला आवंटन

मुख्यमंत्री के निर्देशों की उड़ी धज्जियां, सुरक्षा व्यवस्था पर खड़े हो रहे सवाल? आखिर कावड़ मेले के बीचोबीच होटल के लिए कैसे दे दी मेला भूमि!

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। प्रदेश के मुख्यमंत्री कावड़ मेले की व्यवस्था को लेकर भले ही हरिद्वार जनपद का दौरा कर अधिकारियों को सकुशल मेला संपन्न कराए जाने के संबंध में दिशा निर्देश देने में जुटे हो। लेकिन मुख्यमंत्री के आदेशों के विपरीत सिंचाई खंड हरिद्वार के अधिकारियों के एक कारनामे ने पूरी कवायद पर ही सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं? जानकारी के अनुसार मामला कावड़ बाजार के लिए आरक्षित मेला भूमि पर होटल बनाने हेतु आवंटन किए जाने का सामने आया है।

गौरतलब है कि चमगादड़ टापू पंतदीप में प्रतिवर्ष लगने वाले कावड़ बाजार के ठेके की बोली नगर निगम द्वारा छोड़ी जाती है। जिसके लिए बाकायदा चमगादड़ टापू में स्थल भी चिन्हित किया गया है परंतु इस बार नियम कायदों को दरकिनार करते हुए मेले की सुरक्षा व्यवस्था को ताक पर रख सिंचाई खंड हरिद्वार के अधिकारियों के एक आदेश से कावड़ मेले की

सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। बताया जा रहा है कि सिंचाई खंड हरिद्वार के अधिकारियों ने कावड़ बाजार के लिए चिन्हित स्थल पर तीन होटलों के लिए मेला भूमि ही आवंटन कर डाली। 30 जून 2025 को सिंचाई खंड हरिद्वार के अधिशासी अभियंता ओम जी गुप्ता के हस्ताक्षर से जारी आवंटन आदेश उस समय जारी किया गया जब 1 तारीख को नगर निगम हरिद्वार में कांवड़ बाजार का टेंडर होना था। उससे एक दिन पूर्व भूमि आवंटन किए जाने पर मिली भगत के आरोप लग रहे हैं। बताया जाता है जिस प्रकार आनन फानन में तीन होटल के लिए मेला भूमि आवंटन की गई वह भी पूर्व के सरकारी आदेशों के विपरीत है। आवंटित स्थलों में से एक होटल उस स्थान पर लगा है जहां कावड़ मेले का मुख्य द्वार है तथा फायर सर्विस के जवान और गाड़ियों के लिए उस स्थल पर पूर्व से ही कैंप लगाया जाता रहा है। इस संबंध में अधिकारियों से जानकारी करने का प्रयास किया गया तो वह पल्ला झाड़ते नजर आए।

> इस प्रकार कावड़ मेला बाजार हेतु चिन्हित मेला भूमि के किसी आवंटन का मामला मेरी जानकारी में नहीं है मैं जानकारी करने के उपरांत ही कुछ बता पाऊंगा। - **ओम जी गुप्ता,** अधिशासी अभियंता, सिंचाई खंड हरिद्वार।

पंचायती चकरोड़ की मिट्टी उठा कर प्लाट में भरली कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। क्षेत्र के ग्राम शांतर शाह, निवासी मांगेराम सैनी पुत्र सकटू ने जिलाधिकारी को पत्र लिख कर बताया कि ग्राम समझ में आने जाने के मार्ग से भूमाफियाओ ने मिट्टी उठा कर रास्ता बंद कर दिया है। उसने बताया कि कपिल प्रॉपर्टी डीलर व पावस राम चंद्र आदि ने चकरोड़ की एक ओर से 2 मीटर गहरा व दो मीटर चौड़ा 500 मीटर लाम्बा खोद कर अपने प्लाटो में मिट्टी का भराव कर दिया है जबकि चकरोड़ की मिट्टी उठाने का न तो कोई औचित्य है ओर न ही कानूनी अधिकार। इस प्रकार गांव का रास्ता बंद हो गया है जो पंतजलि फेस व पंतजलि कन्या वैदिक कूलम व हरि आश्रय का एक मात्र रास्ता है।

मन से मृत्यु का भय मिटाकर मोक्ष की और ले जाती है श्रीमद् भागवत कथा : ऋषि रामकृष्ण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। खड़खड़ी स्थित श्री निर्धन निकेतन आश्रम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए आश्रम के परमाध्यक्ष स्वामी ऋषि रामकृष्ण ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मन से मृत्यु का भय मिटाकर मोक्ष की और ले जाती है। कथा साधक को ज्ञान और वैराग्य प्रदान करती है। जिससे सांसरिक मोहमाया से दूर रहकर आध्यात्मिक जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। स्वामी ऋषि रामकृष्ण महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा भक्त और भगवान की कथा है। कथा के प्रभाव से मन का शुद्धिकरण होता है। जिसका जीवन पर सकारात्मक असर होता है। कथा व्यास म.मं. स्वामी शिवानंद ने श्रद्धालुओं को भगवान के 24 अवतारो, समुद्र मंथन, भक्त प्रह्लाद चरित्र, ध्रुव चरित्र, और नरसिंह अवतार कथा का श्रवण कराया। स्वामी शिवानंद ने कहा कि माता-पिता की सेवा और प्रेम के साथ समाज में रहने की प्रेरणा ही धर्म का मूल है। जो इस प्रेरक तत्व को प्राप्त कर लेता है। उस पर ईश्वरीय कृपा सदैव बनी रहती है। कथा के मुख्य यजमान नरेंद्र कपूर परिवार, ट्रस्टी विजय सिंगला, जीवन गोयल, ज्ञानचंद व फकीरचंद ने भागवत पूजन किया और कथाव्यास से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर स्वामी राजेंद्रानंद, भारत माता मंदिर के महंत स्वामी ललितानंद गिरी, स्वामी रविदेव शास्त्री, महंत मोहन सिंह, महंत दुर्गादास, महंत तीरथ सिंह, स्वामी शिवम महंत, स्वामी हरिहरानंद, स्वामी शिवानंद भारती सहित कई संत महंत और श्रद्धालु शामिल रहे।

सूचना (संबंध विच्छेद)

मैंने अपने पुत्र राजेश व पुत्रवधू रंजना को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में इन दोनों के किसी भी लेने-देने व कृत्य की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी। राधिका पत्नि ओमप्रकाश, निवासी म.नं. 75, विष्णुलोक कॉलोनी, भेल हरिद्वार।

स्कूल बंद करने की नीति शिक्षा विरोधी : आर्य

नेता प्रतिपक्ष बोले, सरकार आरटीई कानून और संविधान की अवहेलना कर रही

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विद्यालयों को मर्ज या बंद करने के सरकार के फैसले पर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। नेता प्रतिपक्ष श्री यशपाल आर्य ने इस निर्णय को शिक्षा विरोधी करार देते हुए कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 21-।, शिक्षा का अधिकार अधिनियम (त्ज्म ।बज 2009) और अनुच्छेद 46 में निहित सामाजिक न्याय की भावना के विरुद्ध है।

जरूरी नहीं कि एकलव्य का अंगूठा ही काटा जाए, शिक्षा को महंगा बनाकर भी उसे वंचित किया जा सकता है। सरकार निजी विद्यालयों और उच्च शिक्षा की फीस बढ़ाकर गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से दूर कर रही है... **यशपाल आर्य, नेता प्रतिपक्ष, उत्तराखण्ड**

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में 'क्लस्टर स्कूल' की अवधारणा दी गई थी, लेकिन उसमें विद्यालयों को बंद करने का कोई निर्देश नहीं है। सरकार शिक्षा की गुणवत्ता और संसाधनों के समुचित उपयोग के नाम पर गाँवों के छोटे स्कूलों को बंद कर रही है, जो पूरी तरह अनुचित है।

आर्य ने कहा कि सरकार को चाहिए था कि वह नीति लागू करने से पहले शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय जनता से संवाद करती। राज्य की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए ही कोई निर्णय लिया जाना चाहिए था।

उन्होने सरकार के सामने तीन प्रमुख माँगें रखी है, विद्यालयों के मर्जर पर तुरंत रोक लगाई जाए। हर गाँव में स्थानीय स्कूल की गारंटी दी जाए। शिक्षा में निजीकरण और केंद्रीकरण के बजाय जन-भागीदारी और विकेंद्रीकरण को बढ़ावा दिया जाए।

नेता प्रतिपक्ष ने शिक्षकों, अभिभावकों और जागरूक नागरिकों से अपील की कि वे इस निर्णय पर सरकार से समीक्षा की माँग करें। शिक्षा कोई स्प्रेडशीट नहीं, यह जीवन का पहला अधिकार है। इसे मर्ज नहीं किया जा सकता और न ही संविधान को मूक दर्शक बनाया जा सकता है।

गांवों में स्कूल बंद, शराब की दुकानें बढ़ीं

आर्य ने कहा कि सरकार की नीति का सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों पर पड़ेगा। स्कूल बंद होने से बच्चों को दूरस्थ विद्यालयों तक जाना होगा, जिससे शिक्षा से दूरी बढ़ेगी। उन्होंने तंज करते हुए कहा, एक ओर गाँवों में स्कूल बंद हो रहे हैं और दूसरी ओर शराब की दुकानें बढ़ रही हैं। यह कैसी नीति है जिसमें शिक्षा को पीछे धकेला जा रहा है? नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जिन विद्यालयों को छोटा बताकर बंद किया जा रहा है, वे ही गाँवों में बच्चों के आत्मविश्वास और सामाजिक जुड़ाव का केंद्र हैं। स्कूलों के विलय से न केवल शिक्षा प्रभावित होगी, बल्कि शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और शिक्षणेत्तर कर्मियों के पद भी समाप्त हो जाएंगे।

सभी जिलाधिकारियों को जन सेवाओं के प्रति गंभीर रहने के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। सभी जिलाधिकारियों को मुख्य सचिव ने कहा कि विद्युत विभाग, पेयजल विभाग एवं अन्य ऐसे विभाग जो नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराते हैं, अपने कार्य क्षेत्रों का दौरा अवश्य करें।

उन्होंने विभागों को निर्देश दिए हैं कि टेढ़े हो चुके बिजली के खम्बों, लटकी तारों सहित टूटी पेयजल पाईपलाईनों की मरम्मत का कार्य तत्काल कराए जाएं। उन्होंने कहा कि जब तक अधिकारी फील्ड पर नहीं उतरेंगे, आमजन की समस्याओं से अवगत नहीं होंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों को फील्ड का दौरा नियमित रूप से किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में जिलाधिकारियों के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न मुद्दों की समीक्षा करते हुए दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर सचिव शैलेश बगौली, चंद्रेश कुमार यादव, विनोद कुमार सुमन, अपर सचिव रंजना राजगुरू, विजय कुमार जोगदंडे, मनुज गोयल, अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने सभी जनपदों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) रजिस्ट्रेशन की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आमजन अधिक से अधिक संख्या में अपने विवाह का पंजीकरण कराएं इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएं। पंजीकरण के लंबित मामलों को तेजी से निस्तारित किया जाए।

उन्होंने मैदानी जनपदों में पंजीकरण के लिए विशेष अभियान संचालित किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्राय: देखा जा रहा है कि ऐसे विवाह पंजीकरण, जिनमें विवाह के समय पति-पत्नी दोनों या दोनों में से कोई एक नाबालिग रहा हो, परन्तु वर्तमान में पंजीकरण के समय दोनों बालिग हो चुके हैं, को अस्वीकार किया जा रहा है, जो कि गलत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे विवाह के मामलों का भी पंजीकरण किया जाए।

खनन विभाग ने कमाई के तोड़ दिए आजतक के सारे रिकार्ड

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश में खनन के क्षेत्र में किए गए सुधारों एवं अवैध खनन पर रोक लगाने के कारगर प्रयासों के फलस्वरूप खनन से राजस्व प्राप्ति के नित नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में खनन विभाग ने 331.14 करोड़ का राजस्व अर्जित कर नया रिकॉर्ड कायम किया है, जो गत वर्ष की तुलना से 22.47 प्रतिशत अधिक है।

गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी राज्य में खनन से राजस्व प्राप्ति के पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ कुल रू. 1040.57 करोड़ राजस्व का अर्जन किया गया था। राज्य में खनन के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम तिमाही में रू. 146.18 करोड़, वित्तीय वर्ष 2023-24 के प्रथम तिमाही में रू. 177.27 करोड़ तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम तिमाही में रू. 270.37 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था। जबकि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही में खनन से रू. 331.14 करोड़ का राजस्व की प्राप्ति हुई है, जो विगत वर्ष की तुलना से 22.47 प्रतिशत अधिक है तथा अन्य वर्षों की अपेक्षा कई गुना अधिक है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के द्वारा प्रदेश के विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था हेतु राजस्व वृद्धि के उपायों पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है। जिनके

राज्य की आर्थिक मजबूती के लिए राजस्व प्राप्ति के संसाधनों में वृद्धि किया जाना आवश्यक है। राज्य के हित में खनिज संसाधनों का समुचित और युक्तिसंगत तरीके से उपयोग करने पर ध्यान देने के साथ ही अवैध खनन पर सख्त नियंत्रण, पारदर्शी व्यवस्था, ठोस निगरानी और नियमों के सख्त अनुपालन पर जोर दिया गया है। आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर खनन प्रक्रियाओं को बेहतर बनाया गया है, जिससे खनिज संपदा का समुचित दोहन हो और राज्य की आय में बढ़ोतरी हो। इसके अलावा खनन उद्योग से जुड़े रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं... **पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।**

■ इस वर्ष पहली तिमाही में खनन से 331.14 करोड़ कमाए, नया रिकार्ड, गत वित्तीय वर्ष में भी रिकॉर्ड 1040.57 करोड़ राजस्व अर्जित हुआ था

उल्लेखनीय परिणाम सामने आ रहे हैं।

राज्य सरकार द्वारा खनन से राजस्व वृद्धि के लिए उपखनिज परिहार नियमावली और उत्तराखण्ड खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण का निवारण) नियमावली में सरलीकरण करने के साथ ही नये खनिज लॉटो का चिन्हीकरण कर ई-निविदा सह-ई नीलामी के माध्यम से आवंटित करने की व्यवस्था की गई है। अवैध रूप से किए जाने वाले खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए खनन निदेशालय के स्तर पर गठित प्रवर्तन दलों के माध्यम से निरन्तर कार्रवाई करने के साथ ही जिला स्तर पर भी अवैध खनन रोकने के लिए त्वरित व प्रभावी कार्रवाई करने की व्यवस्था की गई है।

राज्य सरकार ने खनन कार्य को और अधिक पारदर्शी व सुदृढ बनाये जाने तथा अवैध खनन व अवैध परिवहन की प्रभावी रोकथाम से राजस्व वृद्धिमें सुधार एवं निगरानी प्रणालीविकसित किये जाने को राज्य सरकार के द्वारा कुल 45 माईन चौक गेट्स स्थापित किये जाने की कार्यवाही भी की जा रही है।

एक नजर ....

देहरादून ने खिताब अपने नाम किया

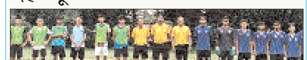

विकासनगर(शाह टाइम्स संवाददाता)। गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज गढ़ी कैंट में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फाइनल मैच में महर्षि अरविंद घोष इंटर कालेज डाकपत्थर विकासनगर को हराकर नगर क्षेत्र देहरादून ने प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। प्रंतियोगिता में प्रथम सेमी फाइनल अरविंद घोष इंटर कॉलेज डाकपत्थर व राजकीय इंटर कॉलेज बाड़वाला के मध्य खेला गया जिसमें महर्षि अरविंद घोष इंटर कॉलेज डाकपत्थर ने 2-1 से विजय प्राप्त की इसी प्रकार महर्षि अरविंद घोष इंटर कॉलेज डाकपत्थर विकासखंड विकासनगर ने फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमी फाइनल नगर क्षेत्र देहरादून व रायपुर के मध्य खेला गया जिसमें नगर क्षेत्र देहरादून ने 4-1 से विजय प्राप्त की। फाइनल मैच नगर क्षेत्र देहरादून व महर्षि अरविंद घोष इंटर कॉलेज डाकपत्थर विकासनगर के मध्य खेला गया जिसमें नगर क्षेत्र देहरादून 4-3 से विजय रहा। इस मौके पर शैलेंद्र कुमार, अशोक गंगोला, शमीम सिद्दीकी, प्रमोद रावत, संतोष राय, कुंवर सिंह, सीपी डंडरियाल, रोहित नेगी, धनंजय गिरधारी, अजीत कुमार आदि उपस्थित थे।

धामी सरकार ने चार वर्षों में अनेक कीर्तिमान स्थापित किए: महाराज

■ पीएम नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से धामी सरकार ने उत्तराखंड को एक आदर्श व श्रेष्ठ राज्य के रूप में स्थापित किया

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मुख्यमंत्री के रूप में चार साल पूरे होने पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन चार वर्षों में उत्तराखंड ने विकास के कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में राज्य की धामी सरकार ने उत्तराखंड को एक आदर्श और श्रेष्ठ राज्य के रूप में स्थापित किया है।

राज्य की धामी सरकार ने 4 वर्षों में समान नागरिक संहिता, सख्त नकल विरोधी कानून, सख्त धर्मांतरण कानून, दंगारोधी कानून लागू कर सुशासन के संकल्प को पूरा करने के साथ-साथ लैंड जिहाद, लव जिहाद, अवैध मदरसों व अतिक्रमण पर कार्रवाई कर सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह बनाया है।

धामी सरकार की नीतियों के कारण प्रदेश में बेरोजगारी दर तेजी से घटी है जो कि राष्ट्रीय औसत से भी कम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पिछले चार वर्षों में अनेक कार्य किए हैं जिसके परिणामस्वरूप चारधाम यात्रा पर रिकॉर्ड श्रृद्धालु उत्तराखंड आये हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में धामी सरकार निश्चित रूप से आगामी वर्षों में प्रदेश को विकास की नई ऊंचाईयों पर पहुंचाने में महती भूमिका निभायेगी।

निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र भरे

बागेश्वर। जिला जिल पंचायत सदस्य के लिए निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी शुक्रवार को नामांकन पत्र भरे। भाजपा से टिकट न मिलने पर दुगनाकुरी तहसील के सुरकाली गांव निवासी शीला शाह ने जिला पंचायत क्षेत्र सिंगड़ी से अपना नामांकन भरा है। शाह ने कहा कि वे जनता के बीच जा रही है। जनता का पूर्ण समर्थन मिलने केबाद उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का मन बनाया है। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष मनोज शाह ने बताया कि वे लंबे समय से सामाजिक कार्यो में अपनी शत प्रतिशत भूमिका देते आए है। जनता ने उन्हें प्रत्याशी बनाया है। जनता के आशीर्वाद से वे क्षेत्र के विकास में आगे भी कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर दर्जनों समर्थक मौजूद रहे।

संजय किशोर ने नवाबगढ़ से नामांकन किया दाखिल

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय किशोर ने नवाबगढ़ जिला पंचायत सीट से शुक्रवार को देहरादून जिला पंचायत कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के बाद उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य पंचायती राज प्रणाली को सशक्त बनाना और क्षेत्र की आवाज को बुलंद करना है। इसी सोच के साथ उन्होंने जिला पंचायत प्रत्याशी के रूप में जनता की अदालत में कदम रखा है।

नामांकन के समय उनके साथ कई प्रमुख नेता एवं समर्थक उपस्थित थे, जिनमें महानगर पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा, राजपुर के पूर्व विधायक राजकुमार, हर्षुल शर्मा, सरकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष

प्रीतम सिंह, वाजिद अली, सलीम, पूर्व शहर अध्यक्ष शम्मी प्रकाश, नौशाद अली, मोहम्मद अर्शी, शिबली, इंटक के प्रदेश अध्यक्ष पंकज क्षेत्री, पूर्व सभासद राजेंद्र बिंजोला, कांतिराम नौटियाल, हरीश ग्रोवर आदि शामिल थे।

डालसा 90 दिन तक निशुल्क मध्यस्थता कराएगी

गोपेश्वर। चमोली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जिले में एक जुलाई से 90 दिनों तक मध्यस्थता अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को मध्यस्थ अधिवक्ता के सहयोग से आपसी सुलह-समझौते के आधार पर नि:शुल्क निस्तारित किया जाएगा।

रियाज को मिला वफादारी का इनाम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उच्च गुणवत्ता वाले पेंट और इमल्शन की अग्रणी निर्माता कामधेनु पेंट्स ने सेलाकुई, देहरादून में पेंटर कार्यशाला का आयोजन किया है।

कामधेनु पेंट्स के देहरादून के मार्केटिंग हेड केशव वर्मा के मार्गदर्शन और कामधेनु पेंट्स के डीलर और मेसर्स बर्त्वाल पेंट्स एंड हार्डवेयर स्टोर के मालिक सतेंद्र बर्त्वाल के सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। एटीआर 24-25 योजना के तहत, रियाज को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और कामधेनु ब्रांड के प्रति निरंतर वफादारी के लिए 32 इंच

का एलईडी टीवी प्रदान किया गया। कार्यशाला में 100 से अधिक पेंटरों ने भाग लिया और कामधेनु के नवीनतम उत्पादों के बारे में जानक. ारी हासिल की। इस अवसर पर कामधेनु पेंट्स के देहरादून के मार्केटिंग हेड, केशव शर्मा ने कहा कि पेंटर हमारे उद्योग की रीढ़ हैं, और कामधेनु में उनका भरोसा ही हमारी वृद्धि को गति देता है। ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से, हमारा उद्देश्य न केवल उन्हें शिक्षित करना है, बल्कि उनकी अमूल्य भूमिका की सराहना करना भी है।

क्लस्टर विद्यालय योजना पर जताया विरोध

अल्मोड़ा। राजकीय शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी ने क्लस्टर विद्यालय योजना के विरोध में मुख्य शिक्षा अधिकारी के माध्यम से निद. ेशक माध्यमिक शिक्षा को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में शिक्षक संघ ने कहा कि क्लस्टर योजना छात्रों के हित में नहीं है। ज्ञापन में कहा कि शिक्षा सभी के लिए उपलब्ध हो इस उद्देश्य के साथ ग्रामीण अंचलों में विद्यालय खोले गए हैं। जहां पर निर्धन और वंचित तबके के छात्र आसानी से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कहा कि वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं का पंजीकरण भी विद्यालयों में निरंतर बढ़ा है। क्लस्टर विद्यालय बनने के बाद इसका सबसे बड़ा नुकसान बालिका शिक्षा को होगा। वर्तमान समय में राज्य में दो हजार से अधिक माध्यमिक विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।

कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ ने कार्यकर्ताओं को बांटे पदभार

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस को मजबूत करने के लिये श्रम प्रकोष्ठ ने विभिन्न कार्यक्रर्ताओं को जिम्मेदारी से नवाजा है। कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिनेश कौशल ने बताया कि भरत सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष, जगपाल शर्मा को प्रदेश सचिव, मनीष गर्ग को प्रदेश सचिव, उषा चौधरी को महानगर कार्यकारी अध्यक्ष, नसीम अहमद को महानगर उपाध्यक्ष, वसी अहमद काजी ब्लॉक अध्यक्ष कांवली, फरजान अली ब्लॉक अध्यक्ष सेवला खुर्द, राहुल कंडारी को जिला अध्यक्ष परवादून, भवन डोरा कार्यकारी अध्यक्ष परवादून नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर अल्लादिया चेयरमैन, प्रदेश कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश मुख्य महासचिव पूनम कंडारी, प्रदेश उपाध्यक्ष कांति बल्लभ भट्ट, प्रदेश महासचिव राम गोपाल वर्मा, आनंद सिंह पुंडीर, कमर सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

इस अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन व प्रशासन सूर्यकांत धस्माना ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ की और से आयोजित सदस्यता अभियान के कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे प्रदेश में जनता त्राहिमाम-त्राहिमान कर रही है और भाजपाई जश्न में डूबे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट है और पुलिस का भय अपराधियों के दिलों दिमाग से खत्म हो गया है। विकास की पहिया जाम हो चुका है।

धूमधाम से मना सनातन धर्म मंदिर का 121वां वार्षिकोत्सव

विकासनगर(शाह टाइम्स संवाददाता)। श्री सनातन धर्म मंदिर विक. ासनगर का 121वां वार्षिकोत्सव सिनेमा गली स्थित मंदिर में पूर्ण श्रद्धाभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हवन कार्यक्रम यज्ञाचार्य के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। शाम के वक्त भजन संध्या आयोजित की गई जिसमें भजन गायको ने अपनी प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने भक्ति रस में खूब गोते लगाए। उन्होंने बताया कि वर्ष 1904 में इस स्थल पर एक बाबाजी के द्वारा धर्म प्रभावना शुरू की गई। वर्ष 1928 में मंदिर का पहला पक्का निर्माण हुआ और आज मंदिर एक विराट रूप में श्रद्धालुजनों के आध्यात्मिक एवं सामाजिक हितों की रक्षा कर रहा है। मंदिर के पुजारी पं. रामचंद्र पैन्यूली, पं. सुमित पैन्यूली, पं. शीशराम सकलानी और राधिका नौटियाल को उनकी सेवाओं हेतु सम्मानित किया गया। हनुमान चालीसा और आरती के साथ भजन संध्या का समापन हुआ और अंत में हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में लक्ष्मी चंद गुप्ता, रमेश चंद गुप्ता, रविंद्र अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, विवेक गुप्ता , अमित अग्रवाल आशु, अलिंद अग्रवाल, अनिक अग्रवाल, राजकुमार जैन, पंकज गुप्ता, अनिल जैन, डॉ. दिनेश भंडारी, हरिओम कोहली, राज. कुमार रोहिला, राजकुमार जायसवाल, अंकुर अग्रवाल, अमित अग्रवाल, पंकज गोयल, गौरव अग्रवाल, रोहित अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

कैम्पा योजना: 439.50 करोड़ की कार्य योजना को मंजूरी

■ वर्ष 2025-26 के लिए भारत सरकार ने दी शत प्रतिशत स्वीकृति

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। नई दिल्ली में राष्ट्रीय कैंपा की कार्यकारी समिति की बैठक में उत्तराखण्ड राज्य की रुपये 439.50 करोड़ की कार्य योजना को शत प्रतिशत मंजूरी दिये जाने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को प्रसन्नता व्यक्त करते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय कैम्पा की कार्यकारी समिति की बैठक में उत्तराखंड के अवशेष प्रस्तावों पर विचार किया गया तथा सभी को स्वीकृति प्रदान की गई।

कैम्पा की राष्ट्रीय समिति ने पाया कि उत्तराखंड के द्वारा प्रस्तावित सभी कार्य मानकों के अनुरूप थे तथा उनसे संबंधित समस्त अपेक्षित विवरण भी समिति के समक्ष स्पष्टता से प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार इस वर्ष राज्य हित में कैम्पा के अंतर्गत एक बड़ी धनराशि विभिन्न कार्यों के लिए समय से उपलब्ध हो सकेगी। उत्तराखंड के प्रमुख वन संरक्षक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. समीर सिन्हा ने बैठक में प्रतिभाग कर अवगत कराया कि यह प्रथम अवसर है जब राज्य द्वारा प्रस्तावित वार्षिक योजना को पूरी तरह स्वीकृति मिली है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखण्ड कैम्पा ने बताया कि प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम 2016 के अन्तर्गत स्थापित उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (कैम्पा) के तहत प्रदेश को वर्ष 2023-24 में 424.46 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्योजना के सापेक्ष 383.25 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई, वर्ष 2024-25 में 408 करोड़ रुपए की वार्षिक कार्ययोजना के सापेक्ष 369.25 करोड़ रुपये की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त हुई थी।

आढ़त बाजार शिफ्टिंग प्रक्रिया में तेजी लाई जाए: आनंद बर्धन

देहरादून(शाह टाइम्स ब्यूरो)। शहर देहरादून के लिए अगले 25-30 सालों की यातायात संकुलन की समस्या को देखते हुए योजना तैयार किए जाने की आवश्यकता पर मुख्य सचिव ने अफसरों के साथ चर्चा में बल दिया है । उन्होंने कहा कि इसके लिए शीघ्र ही बैठक आयोजित की जाए। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में देहरादून शहर के मोबिलिटी प्लान से सम्बन्धित एकीकृत महानगर परिवहन प्राधिकरण की बैठक ली। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने देहरादून शहर के लिए यातायात संकुलन योजना की प्रगति की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने आढ़त बाजार शिफ्टिंग प्रक्रिया में तेजी लायी जाए। उन्होंने भूमि आबंटन की प्रक्रिया में देरी पर नारा. जगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आढ़त बाजार शिफ्टिंग के कार्य में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के लिए टाईमलाइन निर्धारित की जाए एवं मुख्य सचिव कार्यलय को शीघ्र अवगत कराया जाए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, अपर सचिव विजय कुमार जोगदंडे, रीना जोशी, पूजा गर्ब्याल एवं उत्तराखण्ड मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन से बृजेश कुमार मिश्रा सहित सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने किया राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का निरीक्षण

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शुक्रवार को आईटी पार्क, देहरादून स्थित उत्तराखण्ड राज्य आपातक. ालीन परिचालन केंद्र का भ्रमण किया और अधिकारियों से मानसून के दृष्टिगत तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद ओबैदुल्लाह अंसारी, डॉ. शांतनु सरकार, एसके बिरला, डॉ. बिमलेश जोशी आदि उपस्थित रहे ।

रामनगर में नीरज अग्रवाल से कब्जामुक्त कराएं कांग्रेस कार्यालय

हाईकोर्ट ने सरकार व रामनगर पालिका को निर्देश दिए

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने रामनगर में कांग्रेस कार्यालय को खाली कर उप जिलाधिकारी द्वारा उसे नीरज अग्रवाल को कब्जा दिए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए सरकार व पालिका परिषद रामनगर को निर्देश दिए हैं कि वे नीरज अग्रवाल को नोटिस देकर भवन को कब्जा मुक्त कराएं। याचिका की सुनवाई वरिष्ठ न्यायधीश मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई। मामले के अनुसार ज्योलीकोट निवासी प्रेम बिष्ट ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा कि रामनगर कांग्रेस कार्यालय को खाली कराकर उप जिलाधिकारी रामनगर ने बिना विधिक प्रक्रिया अपनाए इस भवन को नीरज अग्रवाल को सौंप दिया। जबकि नीरज अग्रवाल के नाम हुई 90 साल की लीज पूर्व में ही समाप्त हो गई थी। इस प्रकार इस सम्पत्ति की मालिक सरकार व नगर पालिका रामनगर है। इसलिये रामनगर नगर पालिका इस भवन को खाली कराने के लिये नीरज अग्रवाल को नोटिस जारी करे।

पुलिस बलों को डेसीबल मीटर मुहैया कराए सरकार

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार को ध्वनि प्रदूषण पर रोकथाम के लिये पुलिस बलों को डेसीबल मीटर (ध्वनि मापक यंत्र) मुहैया कराने के निर्देश दिये हैं। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने नैनीताल निवासी अत्री अधिकारी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार ये निर्देश दिये। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि पर्यटक नगरी में कई होटल, रिसॉर्ट और अन्य संस्थाओं द्वारा ध्वनि प्रदूषण कर नियमों को उल्लंघन किया जा रहा है, अधिकांश इकाई अनुमति भी नहीं लेते हैं। उच्च न्यायालय ध्वनि प्रदूषण को लेकर पहले ही विस्तृत आदेश पारित कर चुका है। इन आदेशों का भी अनुपालन नहीं किया जा रहा है। आगे कहा गया कि सरकार की ओर से प्रदेश में पहले से शांत (साइलेंट), आवासीय व औद्योगिक और व्यावसायिक जोन चिन्हित किये गये हैं। इन क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण के लिये अलग अलग मानक तय किए गए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि पुलिस के पास ध्वनि प्रदूषण मापने के लिये डेसीबल मीटर तक मुहैया नहीं हैं, इसलिये पुलिस आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पा रही है। मामले को सुनने के बाद अदालत ने सचिव शहरी विकास और गृह सचिव को निर्देश दिये कि 8 सप्ताह के अदंर प्रदेश में पुलिस बलों को डेसीबल मीटर मुहैया कराएं।

प्रशासन से चार सप्ताह में रिपोर्ट तलब

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने नैनीताल शहर व उससे जुड़ा खासकर सरिताताल व खुर्पाताल के जल स्रोत, झील व रोड के किनारे लगे अवैध दुकानों व होटलों तथा होमस्टे के द्वारा अपना कचरा जिसमे प्लास्टिक व अन्य कूड़ा होता है, उसे जल स्रोतों, गधेरों व पालिका के नालों में डाले जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद वरिष्ठ न्यायमूर्ती मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ती सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि सम्बंधित क्षेत्र की जाँच कर रिपोर्ट चार सप्ताह के भीतर कोर्ट में प्रस्तुत करें। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद की तिथि नियत की है। मामले के अनुसार खुर्पाताल निवासी अधिवक्ता ललित मिगलानी की तरह से जनहित याचिका दायर कर कहा गया है कि खुर्पाताल नैनीताल शहर से जुड़ा हुआ एक दर्शनीय स्थल है। आये दिन सैकड़ों सैलानी झील को देखने के लिए आते है। यह स्थल भी पर्यटन का मुख्य केंद्र है। यहां पर भी होटल व्यवसायियों के द्वारा होटल, रेस्टोरेंट व होम स्टे खोले गए हैं। जो होटल, होम स्टे व रेस्टोरेंट खोले गए है वे शिवर लाइन से जुड़े नहीं हैं। जिनका सीवरेज का गंदा पानी सीधे झील व जल स्रोतों में जा रहा है। यही नही सड़क पर अवैध रूप से संचालित दुकानों का कचरा भी झील व जल स्रोतों को प्रभावित कर रहा है। जिसपर कोर्ट ने प्रसाशन से इसकी जांच कर रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

सचिवालय की आधिकारिक वैबसाइट तैयार करें

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार को दो माह में उत्तराखंड सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट तैयार करने के निर्देश दिये हैं। बता दें कि इस मामले को देहरादून की समाधान नामक संस्था की ओर से चुनौती दी गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि सचिवालय की अपनी वेबसाइट नहीं है। यह सूचना अधिकार अधिनियम 2005 और नियमावली 2013 का खुला उल्लंघन है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि एक साल पहले उसने इस संदर्भ में प्रत्यावेदन भी सौंपा था और उसे एक साल में वेबसाइट के गठन का आश्वासन दिया गया था लेकिन आज तक कोई प्रगति नहीं हुई है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया सूचना कार्यकर्ता और आम लोगों को इससे दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। आम जनता को उचित जानकारी नहीं मिल पा रही है। अंत में खंडपीठ ने जनहित याचिका को निस्तारित करते हुए सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देश दिया कि 8 महीने के अंदर आवश्यक कदम उठाएं।

एलएलबी छात्र की मौत मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 15 दिन पहले रामपुर रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एलएलबी छात्र की हुई मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। बता दें कि बीते 19 जून की शाम को मृतक प्रकाश दानू अपनी स्कूटी लेकर हल्द्वानी आ रहा था। प्रकाश के पिता कुंदन सिंह ने पुलिस को सौंपी तहरीर में बताया कि उनका बेटा 19 जून को किसी काम से हल्द्वानी आया था। घर लौटते समय रामपुर रोड स्थित गन्ना सेंटर के पास अज्ञात वाहन ने उसकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल प्रकाश को आसपास के लोगों ने तत्काल सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रकाश दानू एलएलबी की शिक्षा प्राप्त कर रहा था और साथ ही एक सीएससी सेंटर भी चला रहा था। इधर कोतवाल राजेश यादव ने बताया कि इस मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

युवक ने गटका जहर मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अज्ञात कारणों के चलते एक युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। आनन फानन में परिजनों द्वारा उसे अस्पताल लाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार बैरीपड़ाव, हिम्मतपुर निवासी 18 वर्षीय रोहित यादव पुत्र सुभाष यादव ने गुरुवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। बताया जा रहा है कि एक दो दिन से वह किसी बात को लेकर तनाव में था। तबीयत खराब होने पर परिजन उसे सुशीला तिवारीअस्पताल लाए जहां उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

चलती कार में स्टंट करने से बाज़ नहीं आ रहे लोग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल व ज्योलीकोट क्षेत्र में चलती कार की खिड़की से बाहर निकलकर स्टंट करने के दो मामले सामने आए हैं। पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

बता दें पुलिस कप्तान प्रहलाद नारायण मीणा द्वारा सडक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में ड्रंक एंड ड्राइव तथा ओवरलोडिंग व रैश ड्राइविंग एवं स्टंट करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके चलते पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इधर सोशल मीडिया पर दो अलग-अलग वायरल फोटो/वीडियो में पुलिस ने कार्रवाई की है। जिसमें दो युवक जान जोखिम में डाल कर

ज्योलीकोट रोड में चलती कार की खिड़की से बाहर निकलकर स्टंट करते दिखाई दे रहे थे। जब वीडियो लोगों ने सोशल मीडिया में डाला तो एसओ तल्लीताल रमेश बोरा व चौकी प्रभारी ज्योलीकोट श्याम सिंह बोरा ने उक्त व्यक्तियों का पता लगाया। जिसमें मुरादाबाद निवासी उमर अब्दुल्ला व गेठिया निवासी निखिल कुमार के खिलाफ एमवी एकट के अंतर्गत चालानी कार्यवाही की गई है। इसके अलावा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 296 चालकों पर हुई कार्यवाही, 8 वाहन सीज तथा 11 चालकों के लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की गई है।

आरुष का स्पोर्ट्स कॉलेज में चयन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ऑर्डन प्रोगेसिव स्कूल लामाचौड़ के कक्षा 9 के छात्र आरुष

पांडे का चयन नरेंद्र नगर टिहरी गढ़वाल स्थित स्पोर्ट्स कॉलेज के लिए हुआ है। इस वर्ष उत्तराखंड राज्य से कुल 6 बच्चों का चयन इस स्पोर्ट्स कॉलेज में हुआ है जिनमें आरुष पांडे भी शामिल है। इस स्पोर्ट्स कॉलेज राज्य सरकार ने सिर्फ क्रिकेट के लिए बनाया है। आरुष ने अपने कठिन परिश्रम और अभ्यास से यह उपलब्धि हासिल की है। आरुष के चयन पर विद्यालय ट्रस्टी, प्रधानाचार्य एवं अन्य स्टाफ ने बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

स्कूटी की टक्कर के बाद महिला का गुस्सा सात आसमान पर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नगर के नैनीताल रोड स्थित एमबीपीजी कॉलेज के पास एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक महिला गुस्से में कार सवार युवकों से गाली-गलौज करती दिख रही है और उन्हें जेल भेजने की धमकी दे रही है। महिला खुद को आईपीएस अधिकारी की मां बताते हुए युवकों को अपशब्द कह रही है और यह दावा कर रही है कि वह उन्हें एक-एक करके बंद करवा देगी। फिलहाल यह घटना दो से तीन दिन की पुरानी बताई जा रही है। कुछ युवक अपनी कार में पहाड़ से हल्द्वानी परीक्षा देने के लिए आए थे। कार सवार युवक एमबीपीजी कॉलेज के पास अपनी कार सड़क किनारे खड़ी कर रहे थे, तभी एक स्कूटी सवार महिला ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इस पर कार सवार युवकों ने महिला से कहा कि उनके कारण कार में स्क्रैच आ गया है और नुकसान की भरपाई की मांग की। इस दौरान, एक युवक ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जिसे महिला ने देख लिया। वीडियो में महिला गुस्से में युवकों को गाली देते हुए कह रही है, मैं आईपीएस की मां हूं, एक-एक करके तुम्हें जेल भेज दूंगी। महिला ने युवकों को यह भी धमकी दी कि तुम जीवन भर किसी भी परीक्षा में सफल नहीं हो पाओगे। वहीं इस महिला के गुस्से से गली मोहल्ले में भीड़ जमा हो गई।

पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस की बैठकें

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल के नेतृत्व में भीमताल विधानसभा के रामगढ़ और धारी

भीमताल और धारी ब्लॉक में चुनाव पर चर्चा

ब्लॉक में पंचायत चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में कांग्रेस जनों ने जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, भीमताल विधानसभा प्रभारी राजेंद्र सिंह बिष्ट (रज्जी) और देवेंद्र चुनौतिया का माल्यार्पण कर स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल और विधानसभा प्रभारी राजेंद्र सिंह बिष्ट ने कार्यकर्ताओं को चुनाव में मजबूती से हिस्सा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल होगा, और जनता भाजपा की नीतियों से परेशान है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने भाजपा की सरकार की नाकामी को उजागर कर दिया है। कांग्रेस के समर्थित प्रत्याशी पूरी तरह से जीत हासिल करेंगे, इसके लिए जिला स्तर पर कोर कमेटी पूरे चुनाव पर पैनी नजर बनाए हुए है। इस अवसर पर देवेंद्र चुनौतिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज शर्मा, जिला उपाध्यक्ष प्रताप सिंह बरगली और धारी ब्लॉक प्रभारी भुवन दर्मवाल ने कहा कि जनता भाजपा की जनविरोधी नीतियों से परेशान है और कांग्रेस के उम्मीदवारों को समर्थन दे रही है। विशेष रूप से युवा और मातृशक्ति भाजपा की नीतियों से बेहद प्रभावित हैं। बैठक के दौरान धारी ब्लॉक में यूथ कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष पान सिंह बिष्ट का भी ऐलान किया गया। जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने उन्हें यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया, और कांग्रेस जनों ने उनका स्वागत किया। बैठकों में जिला महामंत्री कांग्रेस नैनीताल प्रकाश पाठक, रामगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष गणेश आर्या, पुष्कर नयाल, धारी ब्लॉक अध्यक्ष दीवान सिंह बिष्ट और कई अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने की प्रत्याशियों की घोषणा

हल्द्वानी। जिला पंचायत सदस्य के लिए भाजपा की ओर से प्रत्याशियों की घोषणा के बाद अब कांग्रेस ने भी जिले में जिला पंचायत सदस्य पद के लिए अपने अधिकृत प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। जिला पंचायत क्षेत्र रामड़ी आन सिंह से विमला तरागी, देवलचौड़ बंदोबस्ती से किरन नेगी, ढोल. ्गांव से मदन बोरा, तलिया से हेम नैनवाल, स्वाल्दे से आशा आर्य, चिलकिया से योगिता गोस्वामी, मालधन से कुमारी मीरा और मेहरागांव से जिशान्त कुमार शिंकू को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है।

गांवों में दस्तक देगी यूकेडी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को मुखानी स्थित पार्टी कार्यालय नगर अध्यक्ष हरीश जोशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में यूकेडी के केंद्रीय अध्यक्ष पूरन सिंह ने हिंदू युवा वाहिनी से जुड़े जीवन सिंह बिष्ट को पार्टी का केंद्रीय संगठन मंत्री नियुक्त किया। इसके अलावा यूकेडी के केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल ने सभी नए सदस्य युवाओं को संबो. धित करते हुए कहा यूकेडी एक ऐसी पार्टी है, जो हमेशा राज्य हित में कार्य करती है। जबकि भाजपा और कांग्रेस दिल्ली और नागपुर से संचालित होती हैं, यूकेडी उत्तराखंड के हर पहलू को ध्यान में रखकर काम करती है। यूकेडी के वरिष्ठ नेता दिनेश भट्ट ने सदस्यता अभियान को गति देने की

आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि हम गांव-गांव और ब्लॉकों में संगठन का विस्तार कर, जनता तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने का प्रयास करेंगे। इस बैठक में यूकेडी के नेता और पार्षद रवि वाल्मीकि ने भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी को मैदान में उतारने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में हिंदू युवा वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भुवन सिंह बिष्ट, अजय सिंह बर्फीला, प्रमोद सती, विक्की मयंक, तारा सिंह, दिनेश सिंह, पारस भंडारी, प्रियांशु जग्गी, रक्षित कांडपाल, देवेंद्र सोनू गंगवार, विजय आर्य, पूरन सिंह, धनु, भुवन सिंह आदि मौजूद रहे।

अमेरिका में मुकेश पाल ने जीता कांस्य पदक

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अमेरिका के बर्मिंघम में चल रहे वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 में भारतीय खिलाड़ी मुकेश पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाई राउंड में कांस्य पदक जीता और फाइनल में जगह पक्की की।

अब वह 6 जुलाई को फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। जब भारत में रात का समय था और सारी दुनिया सो रही थी, तब मुक. ेश पाल ने अपने अद्वितीय प्रदर्शन से न केवल देश का नाम रोशन किया, बल्कि उत्तराखंड और हल्द्वानी में खुशी की लहर भी दौड़ा दी। मुकेश ने इस प्रतियोगिता में अब तक की शानदार यात्र के बारे में बताते हुए कहा, मेरा प्रदर्शन अभी आना बाकी है। मुकेश पाल पहले भी कोलंबिया में कांस्य पदक को स्वर्ण में बदल चुके है। और उम्मीद है कि इस बार भी ऐसा कर सकूंगा। यह उपलब्धि भारत और उत्तराखंड पुलिस के लिए गर्व की बात है, और मुकेश के इस प्रदर्शन से स्थानीय स्तर पर उत्साह का माहौल है। अब सभी की नजरें 6 जुलाई के फाइनल पर टिकी हैं, जहां मुकेश पाल भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

नशे के 248 इंजेक्शन पकड़े

हल्द्वानी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसओजी व मंडी पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से 248 नशीले इंजेक्शनों के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनो तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की न्यायालय में पेश किया जहां से तस्करों को जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार एसओजी प्रभारी संजीत राठौर को मुखबिर की सूचना मिली की एक युवक भारी मात्रा में नशे के इंजेक्शन लेकर आ रहा है। सूचना पर एसओजी प्रभारी संजीत राठौर व टीपीनगर चौकी प्रभारी मनोज कुमार ने मय टीम के साथ गन्ना सेंटर रामपुर रोड के पास चैकिंग अभियान शुरू कर दिया तभी पुलिस को एक युवक संदिग्ध अवस्था में आता दिखाई दिया जो टीम को देख भागने लगा। टीम ने शक होने पर युवक को घेराबंदी करते हुए दबोच लिया और जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 200 नशे के इंजेक्शन बरामद हुए। पकड़े गए तस्कर ने अपना नाम आशिफ मलिक उर्फ आशू पुत्र नासिर मलिक लाइन नंबर-14 वार्ड-23 बनभूलपुरा बताया। पूछताछ के पकड़े गए तस्कर ने बताया कि वह इंजेक्शन बहेड़ी रोडवेज स्टेशन के पास से किशन नामक व्यक्ति से खरीद कर लाता है और उसे यहां पर महंगे दामों में बेचकर अच्छा मुनाफा कमाता है। वहीं दूसरी ओर मंडी चौकी प्रभारी विश्वकर्मा भी मय टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे तभी एक युवक टीम को देख भागने लगा।

नए वार्डो को 10 वर्ष तक टैक्स में मिले छूट

अपना वादा पूरा करे धामी सरकार, व्यापारियों ने जताया रोष

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नगर निगम द्वारा नये जोड़े गए वार्डो से 10 वर्ष तक कोई टैक्स न लिए जाने के निर्णय के बाद व्यापारियों में भारी असंतोष और रोष देखा जा रहा है।

व्यापारियों ने इस निर्णय को पलटी करार देते हुए सरकार से अपने किए गए वादे को पूरा करने की अपील की है। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के बैनर तले ग्रामीण इकाई के व्यापारियों ने इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई है। व्यापारियों ने सरकार के इस कदम को व्यापारिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर डालने वाला बताया है और मांग की है कि

नए जोड़े गए वार्डो से 10 वर्ष तक टैक्स न लिया जाए, जैसा कि पहले वादा किया गया था। व्यापारी समुदाय ने इस मुद्दे को लेकर 11 जुलाई को सुबह 11 बजे एक महापंचायत आयोजित करने का ऐलान किया है। इस महापंचायत में व्यापारी जनसंपर्क अभियान चलाकर सरकार से किए गए वादे को याद दिलाएंगे और मांग करेंगे कि नए वार्डों से 10 साल बाद ही टैक्स लिया जाए। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई, तो वे हर संभव आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट होंगे। व्यापारी नेताओं ने बताया कि वे इस मुद्दे को लेकर प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा से वार्ता करेंगे और मुख्यमंत्री से मिलने का समय लेकर अपनी बात रखेंगे। जनसंपर्क अभियान में जिला हर्ष वर्द्धन पांडे, ग्रामीण इकाई महामंत्री पवन वर्मा, भास्कर त्रिपाठी, राजीव साह, हरीश कपिल, हरीश मठपाल, रक्षित वर्मा, देवेंद्र पांडे, प्रदीप ओली, राकेश कपिल, पार्षद नीमा भट्ट सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे।

संवेदनशील क्षेत्रों में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन की सतर्कता

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लगातार हो रही बारिश और जल स्तर में वृद्धि को देखते हुए प्रशासन ने आपदा संभावित क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी है। जिलाधिकारी वंदना के निर्देश पर जिलेभर में नदी-नालों, तालाबों और सड़कों के किनारे अति संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे हैं। सिंचाई विभाग, नगर निगम, जिला पंचायत और अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त पहल के तहत इन चेता. वनी बोर्डो को विभिन्न क्षेत्रें में स्थापित किया जा रहा है। बोर्डो पर स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया गया है कि लोग नदियों के किनारे न जाएं और अति संवेदनशील इलाकों में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी या सोशल मीडिया के लिए रील बनाने से बचें। प्रशासन का कहना है कि कई बार

लोग रोमांच के चक्कर में अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं, जिससे हादसों की संभावना बनी रहती है। विशेष रूप से नदी किनारे, नाले-गधेरे, तालाबों में नहाने या भारी बारिश के दौरान जलमग्न इलाकों में भीड़ इकठ्ठा होने की घटनाएं चिंता का विषय बन गई हैं। जिलाधिकारी वंदना ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी तरह की जनहा. नि को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए और समय-समय पर ऐसे संवेदनशील क्षेत्रें का निरीक्षण किया जाए। इस पहल के तहत प्रशासन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहा है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

FORM NO. URC-2

Advertisement giving notice about registration under Part 1of Chapter XXI of the Act

(Pursuant to section 374(b) of the Companies Act, 2013 and rule 4(1) of the Companies (Authorised to Register) Rules,2014)

1. Notice is hereby given that in pursuance of sub-section (2) of section 366 of the Companies Act, 2013 an application is proposed to be made after fifteen days hereof but before the expiry of thirty days hereinafter to the Registrar at Central registration Centre, Manesar that **M/s Cellcure Therapeutics Pvt. Ltd.** may be registered under Part 1 of chapter XXI of the Companies Act,2013, as a Company limited by shares.
2. **The principal objects of the Company are as follows-** To carry on business as Manufacturers, Producers, Processors, Makers, convertors, Inventors, Refiners, Loan Licensors, Finishers, Grinders, Distillers, Extractors, Combiners, Mixers, importers, Exporters, Traders, Buyers, Sellers, Retailers, Wholesalers, Suppliers, Contractors, Manufacturer's representatives, Indenters, Packers, Re-packers, Movers, Preservers, Stockiest, Agents, sub-agents, Merchants, Distributors, Consignors, Jobbers, Brokers, Concessionaires or otherwise deal in all kinds and description of Pharmaceuticals, Drugs, Medicines especially drugs used in the treatment of Cancer including their bye-products, derivatives and intermediates, medical and Chemical preparations such as antibiotics, tinctures, cordials, spirits, tablets, capsules, pills, powders, lozenges, strips, syrups, liquids, ointments, injectables, restoratives, veterinary products, Vitamins, Proprietary medicines, compound Drugs and Formulations, Surgical, Scientific equipment and appliances
3. A copy of the draft memorandum and articles of association of the proposed company may be inspected at the office at Kishanpur, Bhagwanpur, NH-74, Roorkee-247661, Distt. Haridwar, Uttarakhand.
4. Notice is hereby given that any person objecting to this application may communicate their objection in writing to the Registrar at Central registration Centre (CRC), Indian Institute of Corporate affairs (IICA), Plot No. 6,7,8, Sector-5, IMT Manesar, District Gurgaon (Haryana), Pin code-122050 within twenty-one days from the date of publication of this notice, with a copy to the company at its registered office.

Dated this 30th day of June, 2025

Sd/-
(Harsh Tiwari)
Designated Partner
DIN:00161597

गिल की पारी ने तोड़े कई रिकॉर्ड

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन टेस्ट में 269 रन बनाए

बर्मिंघम, वार्ता। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन टेस्ट में 269 रन बनाए, जो टेस्ट में भारतीय कप्तान का सर्वाधिक स्कोर है, उन्होंने विराट कोहली के 2019 में पुणे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाए नाबाद 254 रन को पछाड़ा। गिल के 269 रन एशिया के बाहर किसी भारतीय का सर्वोच्च स्कोर भी है, उन्होंने सचिन तेंदुलकर के नाबाद 241 रनों को पछाड़ा जो उन्होंने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में बनाए थे। यह घर के बाहर टेस्ट में किसी भारतीय का तीसरा सर्वोच्च स्कोर भी है। उनसे आगे वीरेंद्र सहवाग के मुल्तान में 309 और राहुल द्रविड़ के 2004 में रावलपिंडी में 270 रन हैं। उनसे पहले केवल दो भारतीयों ने इंग्लैंड में दोहरे शतक लगाए थे।

उनसे पहले 1979 में सुनील गावस्कर ने 221 और 2002 में राहुल द्रविड़ ने 217 रन बनाए थे, दोनों ही दोहरे शतक द ओवल में आए थे। कुल मिलाकर गिल के 269 रन टेस्ट में भारत के लिए सातवां सर्वोच्च स्कोर है। मेहमान बल्लेबाजों ने इससे पहले एजबस्टन में शतक लगाए थे। ग्रीम स्मिथ ने 2003 में 277, जबकि जहीर अब्बास ने 1971 में 274 रन बनाए थे। गिल के 269 रन किसी विदेशी बल्लेबाज का इंग्लैंड में बनाया आठवां सर्वोच्च स्कोर है। गिल समेत सात बल्लेबाजों ने बतौर कप्तान अपने पहले दो टेस्ट में शतक लगाए हैं। पिछले छह में से तीन भारतीय थे, जिसमें विजय हजारे, सुनील गावस्कर और विराट कोहली शामिल हैं। इसके अलावा जैकी मकग्लू, एलिस्टेयर कुक और स्टीवन स्मिथ शामिल हैं। पांच बल्लेबाजों के टेस्ट और वनडे दोनों में दोहरे शतक हैं। गिल के अलावा ऐसा सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा और क्रिस गेल ने किया है। नीतीश रेड्डी के आउट होने के बाद एजबस्टन में भारत ने 376 रन जोड़े, ये टेस्ट पारी में आखिरी पांच विकेट के लिए जोड़े उनके सबसे अधिक रन हैं। टेस्ट में छठे विकेट या उससे कम के लिए तीन 200 से अधिक साझेदारियों में रवींद्र जडेजा शामिल रहे। केवल एडम गिलक्रिस्ट (6), बीजे वाटलिंग (5) और एमएस धोनी (4) ही इससे अधिक साझेदारियों में हिस्सा रहे हैं।

जडेजा ने बीसीसीआई दिशा निर्देश तोड़ा, पर सजा की उम्मीद नहीं

● **ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद बीसीसीआई ने आदेश दिया था कि कोई भी खिलाड़ी अकेले मैदान पर जाएगा और न ही मैदान से आएगा**

बर्मिंघम, वार्ता। बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन रवींद्र जडेजा ने बीसीसीआई की नई मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का उल्लंघन किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद बीसीसीआई ने आदेश दिया था कि कोई भी खिलाड़ी अकेले मैदान पर नहीं जाएगा और न ही मैदान से आएगा, बल्कि वे सभी टीम बस में एक साथ आएंगे। जडेजा ने ऐसा नहीं किया। लेकिन किसी सजा की उम्मीद नहीं है क्योंकि जडेजा ने एसओपी तोड़कर जल्दी आने का फैसला किया ताकि वह अपनी पारी को फिर से शुरू करने से पहले कुछ अतिरिक्त गेंदें खेल सकें। उन्हें पता था कि भारत लीड्स में दो बार ढह चुका है और इस बार उन्होंने सपाट पिच पर भारत को 211/5 से बचाने का आधा काम कर दिया था।

भारत के लिए फिर से कम स्कोर पर आउट होना कोई जोखिम नहीं था। जडेजा 41 रन दोबारा अपनी पारी की शुरुआत की, शुभमन गिल के साथ उनकी साझेदारी 99 रन की थी, लेकिन नई गेंद का खतरा बना हुआ था। जडेजा ने कहा कि कहीं न कहीं मुझे लगा कि मुझे अतिरिक्त बल्लेबाजी करनी चाहिए क्योंकि गेंद अभी भी नई थी। मुझे लगा कि अगर मैं नई गेंद को देख पाऊं, तो बाकी की पारी आसान हो जाएगी। सौभाग्य से मैं लंच तक बल्लेबाजी कर सका, और फिर वॉशिंगटन सुंदर ने भी शुभमन के साथ अच्छी बल्लेबाजी की। इंग्लैंड में आप जितनी अधिक बल्लेबाजी करते हैं, उतना ही बेहतर होता है क्योंकि आपको कभी नहीं लगता कि आप इंग्लैंड में सेट हैं। किसी भी समय गेंद लस्वग हो सकती है और आपका किनारा ले सकती है या आपको बोल्ड कर सकती है। जडेजा तेज गेंदबाज जोश टंग की एक बाउंसर पर 89 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने गिल के साथ 203 रन जोड़कर भारत को 500 के पार पहुंचाने में मदद की। जडेजा ने कहा कि जब आप टीम के लिए बल्ले से योगदान देते हैं, तो बहुत अच्छा लगता है, लेकिन जब आप भारत से बाहर खेल रहे होते हैं और टीम को आपकी ज्यादा जरूरत होती है, तो अच्छा लगता है। 210 रन पर 5 विकेट गंवाने के बाद टीम को आगे ले जाने के लिए बड़ी साझेदारी करना एक चुनौती है।

मैंने इसे एक चुनौती के रूप में लिया। अगर आप कप्तान के साथ बने रहते हैं और बड़ी साझेदारी करते हैं, तो यह आपको एक क्रिकेटर और बल्लेबाज के रूप में आत्मविश्वास देता है कि आने वाले मैचों में भी आप योगदान दे सकते हैं। जडेजा इंग्लैंड को परेशान करने में कभी पीछे नहीं रहते। फ्रंटफुट शॉट खेलने और सीधे पिच पर दौड़ने की उनकी आदत से इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स नाराज हो गए, जो जडेजा के खतरे वाले क्षेत्र से दूर रहने के बाद भी अंपायरों से बहस करते रहे। जडेजा ने कहा कि उन्हें लगा कि मैं अपने लिए रफ बना रहा हूं। तेज़ गेंदबाज वैसे भी ऐसा कर रहे थे। मुझे ऐसा करने की जरूरत नहीं है। वह बार-बार अंपायर से कह रहे थे कि मैं विकेट पर दौड़ रहा हूं। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था। हो सकता है कि गलती से एक या दो बार ऐसा हुआ हो, लेकिन मेरा ऐसा करने का कोई इरादा नहीं था। भले ही भारत ने नई गेंद से तीन विकेट लिए हों, लेकिन यह पिच कुछ खुरदरी लग रही है।

संक्षिप्त खेल समाचार

मुर्मु ने किया डूरंड कप टूर्नामेंट की ट्रॉफियों का अनावरण

नई दिल्ली, वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में डूरंड कप टूर्नामेंट 2025 की ट्रॉफियों का अनावरण किया। यहां इस अवसर पर श्रीमती मुर्मु ने कहा कि खेल अनुशासन, दृढ़ संकल्प और टीम भावना को बढ़ावा देते हैं। खेलों में लोगों, क्षेत्रों और देशों को जोड़ने की अनूठी शक्ति है। भारत में यह राष्ट्रीय एकीकरण का एक शक्तिशाली साधन रहा है। ओलंपिक या किसी भी अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में जब तिरंगा फहराया जाता है तो सभी साथी नागरिक रोमांचित हो जाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि फुटबॉल का लाखों लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान है। यह सिर्फ एक खेल नहीं है, एक जुनून है। फुटबॉल का खेल रणनीति, धीरज और एक समान लक्ष्य की ओर मिलकर काम करने के बारे में है। डूरंड कप जैसे आयोजन न केवल खेल की भावना को बढ़ावा देते हैं बल्कि फुटबॉल खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को विकसित करने में भी मदद करते हैं।

गुकेश ने कार्लसन को फिर हराया

जागरेब, वार्ता। शतरंज के क्लासिकल प्रारूप में मौजूदा विश्व नंबर 1 भारत के डी-गुकेश ने गुरूवार को जागरेब में सुपर यूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज क्रोएशिया 2025 में मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। नॉर्वे के दिग्गज के खिलाफ गुकेश की हालिया जीत नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के कुछ ही सप्ताह बाद आई है। नॉर्वे शतरंज के विपरीत जहां जीत क्लासिकल प्रारूप में हुई थी, हालिया जीत रैपिड प्रारूप में आई है। कार्लसन ने 49 चालों के बाद हार मान ली, इसके बाद हाथ मिलाया और फिर वे मंच से चले गए।

भारतीय महिला टीम की निगाहें ऐतिहासिक टी-20 सीरीज जीत पर

● **भारत ने इंग्लैंड में इससे पहले कभी भी टी-20 सीरीज नहीं जीती है**

लंदन, वार्ता। भारतीय महिला टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के करीब है, जबकि अभी तीन मैच और खेलने हैं। भारत ने इंग्लैंड में इससे पहले कभी भी टी-20 सीरीज नहीं जीती है।

अब उनके पास शुक्रवार को ओवल में मेजबान टीम का सामना करते हुए समय रहते सीरीज अपने नाम करने का मौका है। भारत ने अब तक बल्ले और गेंद दोनों से प्रभावित किया है। स्मृति मंधाना के पहले टी-20 शतक की बदौलत टीम ने पहले मैच में 97 रनों से जीत दर्ज की और इसके बाद दूसरे मैच में ब्रिस्टल के किले को भेदकर जीत दर्ज की।

इसमें जेमिमाह रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर का अहम योगदान रहा। दूसरी ओर, इंग्लैंड की कप्तान नैट सीवर-ब्रंट शुक्रवार के टी-20 मैच से बाहर हो गई हैं और मंगलवार को ब्रिस्टल में टीम की 24 रन से हार के दौरान कमर में खिंचाव के कारण वह पांच मैचों की सीरीज के शेष मैचों से भी बाहर हो सकती हैं। टैमी बोमॉन्ट अपने 247 मैचों के अंतर्राष्ट्रीय करियर में पहली बार कप्तान के रूप में कदम रखेंगी, जबकि सीवर-ब्रंट को चोट की गंभीरता का आकलन करने के लिए आगे स्कैन से गुजरना होगा।

मंगलवार के मुकाबले के अधिकांश समय के लिए उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा, उनकी अनुपस्थिति में उनकी आधिका. रिक उप-कप्तान सोफिया डंकली ने कमान संभाली। हालांकि, इंग्लैंड के तीन मैच शेष रहते 2-0 से सीरीज़ में पिछड़ने के बाद टीम को बोमॉन्ट के अनुभव की अधिक जरूरत पड़ेगी। बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चरणी भी शामिल हैं, जिन्होंने इस दौरे पर पदार्पण किया और दो मैचों में छह विकेट लिए।

अंडर-15 वर्ग में युवराज सिंह ने जीता पहला स्वर्ण पदक

● **युवराज ने पहला गोल्ड मेडल 8:54:42 का समय निकालकर जीता**

नई दिल्ली, वार्ता। 59वीं दिल्ली राज्य जूनियर और सब जूनियर तैराकी चैंपियनशिप का आज यहां तालकटोरा स्विमिंग पूल में उद्घाटन एडहॉक कमेटी के अध्यक्ष सीताराम साहू और पंजाब स्विमिंग एसोसिएशन के सीईओ बलराज शर्मा ने किया। चैंपियनशिप का आयोजन 7 जुलाई तक चलेगा।

ैंपियनशिप में 410 से अधिक लड़के और लड़कियां भाग ले रहे हैं। चैंपियनशिप के पहले दिन 800 मी फ्री स्टाइल अंडर 17 में युवराज सिंह ने पहला गोल्ड मेडल 8 मिनट 54-42 का समय निकालकर अपना नाम किया जबकि वंश ने दूसरा और धनुष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह लड़िकयों में अन्य रावत ने 9 मिनट 56-59 का समय निकाल. कर पहला स्थान पाया। तितिक्षा रावत ने दूसरा और प्रकृति ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 लड़कों में रक्षित टोकस ने 9 मिनट 48 ,55 का समय निकाल. कर पहला स्थान प्राप्त किया जबकि विशु मौर्य ने दूसरा और मानव लाकर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों में अमीरा सिंगल ने 10 मिनट 55-47 का समय निकालकर पहला स्थान पाया। यादवी नेगी ने दूसरा और प्रांजल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कों के अंडर 12 वर्ग में 400 मीटर फ्री स्टाइल में विराट ने पहला , नियमित ने दूसरा और तेजस ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों में मारिया ने पहला, स्नेहा ने दूसरा और रमैया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कों के अंडर 17 वर्ग में 200 मी ब्रैस्ट स्ट्रोक में ध्रुव ने पहला, वीर चावला ने दूसरा और तनुष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

गेंदबाजों की फिटनेस से संबंधी चिंताएं इंग्लैंड के लिए 'अशुभ' संकेत: वॉन

बर्मिंघम, वार्ता। पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि गेंदबाजों की फिटनेस संबंधी चिंताएं इंग्लैंड के लिए 'अशुभ' संकेत हैं।

वॉन ने कहा कि बेन स्टोक्स की टीम ने टेस्ट मैच के दूसरे दिन पूरी मेहनत की, हालांकि भारत ने 587 रन बनाए और मेजबान टीम ने 77 के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिये। ब्राइडन कार्स को पैर की समस्या से जूझना पड़ा, जबकि बेन स्टोक्स और क्रिस वोक्स ने अपने पहले स्पैल के बाद गेंदबाजी नहीं की। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि ब्रायडन कार्स के साथ समस्या है और हम इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज में दूसरा टेस्ट मैच खेल रहे हैं और उसमें ज्यादा समय नहीं बीता है। इसके बाद हमें ऑस्ट्रेलिया में पांच मैच खेलने होंगे, जहां बहुत गर्मी होगी। इस साल की शुरुआत में कार्स को पैर की उंगलियों पर गंभीर कट और छाले के कारण टीम से तीन महीने के लिए बाहर कर दिया गया था।

● **ब्राइडन को पैर की समस्या से जूझना पड़ा जबकि क्रिस-बेन ने अपने पहले स्पैल के बाद गेंदबाजी नही की**

यह समस्या क्रिसमस से पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के दौरे पर पहली बार सामने आई थी। हालांकि वह बर्मिंघम में मैदान पर रहे, लेकिन उन्हें क्षेत्ररक्षण और गेंदबाजी के दौरान कई बार लंगड़ाते हुए देखा गया। इस बीच, स्टोक्स हैमस्ट्रिंग सर्जरी के बाद इस साल गेंदबाजी में वापस आ गए हैं।

पहले दिन उनमें कमर में खिंचाव की समस्या को देखा गया और खेल से पहले लंबे अभ्यास के बाद दूसरे दिन गेंदबा. जी की शुरुआत की। इसी तरह वोक्स ने दिन की शुरुआत में चार ओवर में 22 रन देने के बाद नहीं खेले। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर ने 45 ओवर फेंके और तीन विकेट लेकर 167 रन दिए। जॉश टंग ने संघर्ष करते हुए 119 रन देकर दो विकेट लिए। 28 ओवरों में और यहां तक कि हैरी ब्रूक ने उनकी अनुपस्थिति में अपने पार्ट-टाइम सीम के पांच ओवर फेंके।

चीन की वांग शिनयू विंबलडन में महिला एकल के दूसरे दौर में बाहर

● **चीन की खिलाड़ी को तुर्किए की जेनेप से 7-5, 7-5 से मिली हार**

लंदन, वार्ता। चीन की वांग शिनयू विंबलडन में महिला एकल के दूसरे दौर में तुर्किये की जेनेप सोनमेज से 7-5, 7-5 से हार कर बाहर हो गईं।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे पर हमला किया, जब तक कि सोनमेज ने जीत हासिल नहीं कर ली। दूसरे सेट में 5-5 से बराबरी के बाद, सोनमेज ने जीत सुनिश्चित करने के लिए अधिक आक्रामक खेल दिखाया।

वांग ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि उसने आज असाधारण रूप से अच्छा खेला, खासकर अपने सर्विस रिटर्न और बेसलाइन गेम में। मुझे कोई आसान अंक नहीं मिला। वांग ने कहा कि '4-1 से, शायद उसने खुद को और अधिक स्वतंत्र रूप से खेला।

वह कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सफल रही, और फिर वह शायद अधिक आराम से खेली। मुझे लगता है कि उस पल से, उसने निश्चित रूप से अपना स्तर बढ़ाया। बेशक, मुझे लगता है कि यह बहुत दुखद है। भले ही मेरे प्रतिद्वंद्वी ने वास्तव में अच्छा खेला, हमारा मैच बहुत करीबी था, और कुछ ऐसे क्षेत्र थे जहां मुझे लगता है कि मैं बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। लेकिन मुझे लगता है, आज, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

किदांबी श्रीकांत कनाडा ओपन के क्वार्टरफाइनल में

कनाडा, वार्ता। पूर्व विश्व नंबर वन किदांबी श्रीकांत ने वांग पो-वेई के खिलाफ शानदार जीत दर्ज कर कनाडा ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

मार्कहम पैन एम सेंटर में खेले गये प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में किदांबी ने चीनी पाइपे के वांग पो-वेई के खिलाफ 21-19, 21-14 से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई। 41 मिनट तक चले मुकाबले में एक समय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी 18-13 से पीछे चल रहे थे, फिर उन्होंने वापसी करते हुए पहला गेम जीत लिया। श्रीकांत दूसरे गेम में भी 13-10 से पीछे थे, लेकिन फिर उन्होंने वापसी की और गेम और मुकाबला जीत लिया। श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त और ओलंपियन चोउ टिएन-चेन से भिड़ेंगे। श्रीकांत के हमवतन और विश्व में 57वें नंबर के खिलाड़ी शंकर सुब्रमण्यम भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये। उन्होंने चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को 21-19, 21-14 से हराया। शंकर सुब्रमण्यम अगले दौर में ओलंपियन और विश्व में 12वें नंबर के खिलाड़ी जापान के केंटा निशिमोटो से मुकाबला होगा। इस बीच बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में महिला एकल में भारतीय खिलाड़ी श्रीयांशी वलीशेट्टी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं।

● **दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ घरपर** ●

मुकाबला करने को बहुत उत्साहित हूं: नीरज

सभी एथलीट्स ने एक वर्ल्ड क्लास कंपीटीशन देने और जैवलिन को बढ़ावा देने की बात कही

बेंगलुरु, वार्ता। भारत का पहला इंटरनेशनल जैवलिन कंपटीशन कि नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025', शनिवार यानी 5 जुलाई 2025 को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में होने जा रहा है। यह इवेंट वर्ल्ड एथलेटिक्स द्वारा गोल्ड-लेवल मीट के तौर पर अप्रूव किया गया है और इसे एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) का भी सपोर्ट मिला है। यह भारत को ग्लोबल एथलेटिक्स मैप पर एक खास जगह दिलाएगा।

इवेंट से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा, भारत के युवा जैवलिन थ्रोअर सचिन यादव, जर्मनी के थॉमस रोहलर, और केन्या के जूलियस येगो मौजूद थे। सभी एथलीट्स ने एक वर्ल्ड-क्लास कंपटीशन देने और भारत में जैवलिन को बढ़ावा देने की बात कही। नीरज चोपड़ा ने इस इवेंट की अहमियत बताते हुए कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि ऐसा इवेंट भारत में हो रहा है और इतने अच्छे एथलीट्स यहां कंपीट करने आए हैं। मैं इस इवेंट को लेकर बहुत उत्साहित हूं। एक साथ ऑर्गेनाइज करना और खेलना मुश्किल है। मैंने हमेशा खेलने पर ध्यान दिया है, लेकिन अब मुझे सब कुछ देखना होगा। एक आयोजक के तौर पर मुझे इन छोटी-छोटी चीजों के बारे में सोचना होगा। मुझे यह पसंद है। कर्नाटक सरकार और हमें सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। जेएसडब्ल्यू टीम को उनके सपोर्ट के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद - वे हमारे साथ बहुत मेहनत कर रहे हैं। जर्मन जैवलिन स्टार थॉमस रोहलर ने कहा कि हम यहां आकर बहुत शुक्रगुजार हैं। हम जैसे इंटरनेशनल एथलीट्स के लिए, मुझे लगता है कि एक ऐसे देश में आना खुशी की बात है जो जैवलिन में सच में आगे बढ़ रहा है। तो, यह हम सभी के लिए एक खास पल भी है। 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में खेलने का फैसला करना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। हमने सीजन की शुरुआत में ही इस मीट के बारे में बात की थी। मैंने सोचा कि हां, मैं इसे करूंगा।' क्योंकि मेरे लिए यह काफी खास साल है, कई सालों की परेशानियों और चोटों के बाद बड़े स्टेज पर वापसी कर रहा हूं। इसलिए मैंने सोचा कि हां, मैं इस मौके को भुनाऊंगा'। इस अनुभव से सीखने और आगे बढ़ने के मौके पर सचिन यादव ने कहा कि सबसे पहले, मैं नीरज भैया को इस कंपटीशन में इनवाइट करने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

भूराहेड़ी से खानपुर, लक्सर होते हुए बैरागी कैंप भेजे जाएंगे वाहन

कांवड़ यात्रा के लिए नया वैकल्पिक मार्ग ढूंढा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कांवड़ यात्रा में शिवभक्तों के सैलाब को व्यवस्थित और नियंत्रित रखने के लिए नया मार्ग ढूंढ लिया गया है। यातायात पुलिस के मुताबिक से भक्तों की भीड़ बढ़ने पर पुरकाजी के भूराहेड़ी से खानपुर और लक्सर होते हुए बैरागी कैंप के लिए भक्तों के सैलाब को भेजा जाएगा। अब्दुल कलाम चौक और बाईपास को अभी कांवड़ यात्रा के लिए चिन्हित कर लिया गया है।

कांवड़ यात्रा के लिए जिला पुलिस-प्रशासन ने रूट प्लान तैयार किया है। हरिद्वार जाने वाले शिवभक्तों को बाईपास से पूर्व की भांति भेजा जाएगा। ताकि शहर और कस्बों को जाम मुक्त रखा जा सके। लेकिन शिवभक्तों की भीड़ बढ़ने के अनुमान को देखकर एक नया प्लान तैयार है। यातायात इंस्पेक्टर राजेंद्र नाथ ने बताया कि पुरकाजी के भूराहेड़ी से खानपुर और लक्सर की ओर एक नए रूट को भी चिन्हित किया है। परिस्थितियों के मुताबिक फिलहाल के यातायात रूट के प्लान में परिवर्तन किया जा सकता है। बॉर्डर, बाईपास और अब्दुल कलाम चौक पर व्यवस्था को

संभालने के लिए भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं।

तीस किलोमीटर के ट्रैक पर जलसंस्थान गंगा के रहेंगे मोबाइल शौचालय-कांवड़ यात्रा के लिए शिवभक्तों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्थाओं को पटरी पर उतारा जाने लगा है। पटरी पर पथ प्रकाश, पानी टैंकर, मोबाइल शौचालय, कैंप आदि के लिए तैयारी जोर शोर से चल रही है। अब शिवभक्तों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जलसंस्थान गंगा ने भी पहल शुरू कर दी है। बहादराबाद से यूपी बॉर्डर तक जलसंस्थान गंगा ने मोबाइल शौचालय रखने की तैयारी की है। आगामी दिनों में कांवड़ यात्रा अपने चरम पर आने वाली है। शिवभक्तों के लिए पटरी पर तैयारियां जोरों शोरों से चल रही है। पुलिस-प्रशासन ने भी फोर्स की व्यवस्था पूरी कर ली है। सिविल लाइन्स के चंद्रशेखर चौक पर ड्यूटी पॉइंट बना दिया गया है। लाउडस्पीकर के भी व्यवस्था पूर्व की भांति रहेंगी। अब जलसंस्थान गंगा ने भी 35 किलोमीटर की कांवड़ पटरी पर मोबाइल शौचालय की व्यवस्था की तैयारी शुरू कर दी है। जलसंस्थान गंगा के सहायक अभियंता जुनैद गोड के मुताबिक 30 किलोमीटर के रूट पर करीब 22 मोबाइल शौचालय रखे जाएंगे। जबकि आठ सुपरवाइजर तीन शिफ्ट में पेट्रोलिंग करेंगे। अगले सप्ताह से पूरी तरीके से सभी व्यवस्थाएं संपन्न कर ली जाएगी।

सड़क पर हंगामा कर रहे युवक का शांतिभंग में चालान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। नेहरू स्टेडियम के सामने सरेआम हंगामा कर रहे एक युवक को कोतवाली गंगनहर पुलिस ने शांतिभंग की धाराओं में गिरफ्तार किया है। युवक की पहचान समीर उर्फ ताना के रूप में हुई है, जो रुड़की के पश्चिमी अंबर तालाब स्थित रघुनाथ प्लॉट वाली गली का रहने वाला है। रअसल कोतवाली गंगनहर क्षेत्र में पुलिस टीम शांति व्यवस्था और संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग में जुटी थी। इसी दौरान टीम जब नेहरू स्टेडियम के सामने पहुंची, तो देखा कि एक व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर जोर-जोर से हो-हल्ला कर रहा था और माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा था।

पुलिस कर्मियों ने जब उससे पूछताछ की, तो वह उल्टे पुलिस से ही झगड़ने पर उतारू हो गया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उसे समझाने की हरसंभव कोशिश की, मगर वह और ज्यादा उत्तेजित हो गया और फसाद पर आमादा हो गया। शांति व्यवस्था को भंग होते देख पुलिस ने उसे तत्काल हिरासत में ले लिया और उसके खिलाफ भारतीय न्यायतंत्र संहिता (ठछै) की धारा 170 के तहत कार्यवाही की गई। पुलिस टीम में उप निरीक्षक राजीव उनियाल, कांस्टेबल संदीप व पीआरडी जवान मुकेश शामिल रहे।

इनर व्हील ने छात्राओ को बांटी साइकिल व सिलाई मशीन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। इनर व्हील क्लब स्पार्कल का अधिष्ठापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आगामी वर्ष के लिए चुने गए पदाधिकारियों को कार्यभार ग्रहण करवाया गया। इस दौरान एक छात्रा को साइकिल, महिला को सिलाई मशीन और टीबी रोगियों को राशन किटें वितरित की गई।

सिविल लाइंस स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मेयर अनीता अग्रवाल, जोनल हैड शशि कीर एवं अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। मेयर अनीता अग्रवाल ने कहा कि इनर व्हील क्लब महिलाओं के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है उनके द्वारा किए कार्यों से महिलाएं एवं समाज के अन्य लोगों को लाभ मिला है।उन्होंने कहा कि बीते वर्ष में टीम के पदाधिकारी और सदस्यों ने समाजिक कार्यक्रमों में मिशाल कायम की और पूर्ण विश्वास है कि आने वाले वर्ष में और अधिक गति से कार्य किए जाएंगे जिससे काफी महिलाओं को लाभ होगा और वह आत्मनिर्भर होने की दिशा में आगे बढ़ेंगी। उन्होंने पदाधिकारियों को

कार्यभार ग्रहण करवाते हुए अध्यक्ष पद पर निशा सुराना और सचिव श्रुति गोयल,कोषाध्यक्ष चांदनी मांगलिक,उपाध्यक्ष सीमा जैन, आईएसओ नीलम मध लेक,एडिटर अंजू गौड को पदभार ग्रहण करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष सीमा भाटिया ने की। उन्होंने गत वर्ष किए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी वह क्लब के साथ महिलाओं के उत्थान में कार्य करेंगी। कार्यक्रम का संचालन सूबी मसूद ने किया

आईआईटी के रिटायर कर्मचारी सम्मानित

आईआईटी निदेशक प्रो.केके पंत ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आईआईटी के दीक्षांत भवन में कर्मचारियों ने एक बैठक का आयोजन किया। जहां पर आईआईटी रुड़की और देशभर के विभिन्न संस्थान से अतिथि शिरकत करने पहुंचे। कार्यक्रम का शुभारंभ आईआईटी के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने दीप प्रज्वलित कर किया। जहां पर रिटायर आईआईटी के कर्मचारियों को उनके समर्पण और सेवाओं के लिए भी सम्मानित किया गया।

आईआईटी के दीक्षांत भवन में गुरुवार दोपहर ऑल आईआईटी एम्पलाइज यूनियन एसोसिएशन ने अपनी बैठक की तो वहीं दूसरी ओर आईआईटी रुड़की कर्मचारी संघ ने आम बैठक का भी आयोजन किया। इस मौके पर आईआईटी संस्थान के अलावा कानपुर, दिल्ली और मद्रास समेत देशभर के विभिन्न संस्थान से अतिथि शिरकत करने पहुंचे। कार्यक्रम में कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर भी चर्चा की गई। इस मौके पर आईआईटी रुड़की के सचिन कुमार और आईआईटी मद्रास की जे तमिलअरसी को डिप्टी चेयरमैन के पद के लिए जिम्मेदारी मिली। इस मौके पर कर्मचारी संघ के

अध्यक्ष नवीन कुमार, अंकित सैनी, सीएम जोशी, हसनैन, अंकुर शर्मा, अग्रद्वीप सिंह, राजेश पाल और देवेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

सिरफिरे ने सनी देओल के अंदाज में दूल्हे को दी धमकी

गांव में बारात लाया, तो लाशें बिछा दूंगा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को युवती की बारात आने से पहले ही टेंशन का माहौल क्रिएट हो गया है। आरोप है कि एक युवक ने अपने दोस्त के साथ मिलकर फिल्मी अंदाज में ख्र बिल्कुल सनी देओल की तरह दूल्हे को धमकाया कि यदि बारात लेकर गांव में आया, तो उसे गोली मार दी जाएगी। लाशें बिछा दी जाएंगी। धमकी देने वाले युवक अलग-अलग गांव के रहने वाले

> ❖बारात आने से पहले ही गांव में टेंशन का माहौल, दूल्हा और दुल्हन के परिवारों ने जताया खतरा

हैं। घटना से दूल्हा और दुल्हन दोनों पक्षों में गहरी दहशत है। परिजनों ने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। आज ही बारात आनी है और पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सनी देओल और अजय देवगन का रूप धारण करने वाले दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। रामपुर रायघटी निवासी व्यक्ति ने लक्सर कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी फतवा निवासी युवक से तय की है। चार जुलाई यानी शुक्रवार को बारात आनी है। लेकिन आकाश सैनी (निवासी फतवा) और सागर (निवासी भिक्कमपुर) शादी में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि दोनों युवक बेटी का पीछा करते हैं और उसके मंगेतर को खुलेआम धमकी दे रहे हैं कि अगर बारात लेकर गांव आया तो गोली मार देंगे। उनका अंदाज पूरी तरह फिल्मी हैख्रजैसे सनी देओल और अजय देवगन की किसी ऐक्शन फिल्म का सीन हो। इन धमकियों से दूल्हे और दुल्हन दोनों परिवारों में डर का माहौल है। परिजनों को आशंका है कि शादी के दिन कोई गंभीर घटना हो सकती है। इसी डर के चलते पुलिस से सुरक्षा की मांग की गई है। भिक्कमपुर चौकी प्रभारी नवीन चौहान ने बताया कि तहरीर के आधार पर आकाश सैनी और सागर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपितों की तलाश जारी है और शादी समारोह के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं हरिद्वार विधायक मदन कौशिक लक्सर पहुंचे लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं हरिद्वार विधायक मदन कौशिक ने कहा कि सरकार ने काम करने में ईमानदारी से लोगों का धरातल पर काम किया जा रहा है उन्होंने कहा जब से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ में सत्ता आई है तब से विकास के अलग-अलग झंडे गाड़े जा रहे हैं उन्होंने कहा उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी ईमानदारी से लोगों का काम कर रहे हैं और विकास का हर मुद्दा हर पहलू देखकर काम कर रहे हैं उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने आप तो पार्टी का विस्तार नहीं कर सकी दूसरों

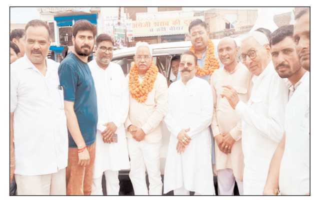

पर अपनी बुराई थोपना चाहती है उन्होंने कहा कि सरकार ने 10 साल से उत्तराखंड की बागडोर संभाल रखी है और 2027 में भी तीसरी बार उत्तराखंड की सरकार बीजेपी ही होगी उन्होंने कहा कि पहाड़ों में ग्राम पंचायत चुनाव चल रहे हैं वहां एक तरफा भाजपा का झंडा लहराएगा जैसे हरिद्वार में ब्लॉक प्रमुख ग्राम प्रधान जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा का बना है इसी तरह से ऊपर जहां चुनाव चल रहे हैं वहां भी भाजपा अपना परचम लहराएगी वहां पर सैकड़ो आदमियों ने उनका फूल मालाओ से स्वागत किय

मृतक के परिजनों से मिले सफाई कर्मचारी आयोग सदस्य

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। बुधवार की रात सड़क दुर्घटना में मृत सफाई कर्मचारी के परिजनों से मिलने पहुंचे राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य ने मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए अपनी ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। ओर उन्हें सभी प्रकार मदद करने का भरोसा भी जताया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लंढौरा के मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती निवासी राहुल पुत्र संजय बुधवार देर रात ढंडेरा से स्कूटी पर वापस घर आ रहा था। जैसे ही वह रुड़की लक्सर मार्ग पर ईंट भट्ठे के पास पहुंचा तो सामने से तेज गति से आ रहे ट्रक ने स्कूटी में

टक्कर मार दी थी। हादसे में स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। वही आरोपी ट्रक चालक घटना को अंजाम देने के बाद वाहन समेत फरार हो गया था। पुलिस ने घायल युवक को रुड़की सरकारी अस्पताल भिजवाया। जहां पर डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया था। युवक लंढौरा नगर पंचायत में ठेकेदारी पर सफाई का कार्य करता था। मृतक युवक के एक दस साल का लड़का और उससे छोटी दो लड़की है। युवक की मौत हो जाने से बीवी बच्चों के सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है। अचानक मौत होने से परिजन गहरे सदमे में है। शुक्रवार को राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य विनय प्रताप सिंह ने मृतक युवक के परिजनों से मिल कर सांत्वना देते हुए अपनी ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

विजिलेंस टीम ने रिश्वत लेते चकबंदी अधिकारी पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। मंगलौर चकबन्दी विभाग में देहरादून से आई विजिलेंस टीम ने सहायक चकबन्दी अधिकारी विनोद कुमार को 200 0 रुपयों की रिश्वत लेते हुए रँगे हाथों गिरफ्तार किया है। प्लाट के दाखिल खारिज को लेकर को लेकर सहायक चकबन्दी अधिकारी द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी जिसके चलते चकबंदी विभाग के अधिकारी विनोद कुमार को मंगलौर चकबंदी विभाग के कार्यलय पर पहुँचकर रँगे हाथो गिरफ्तार कर देहरादून ले गई।

मोहर्रम पर नई धार्मिक रस्म शुरू करने पर रोक लगाने व अनुमति न देने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। नगर पंचायत कलियर के नगरवासियों ने पुलिस को तहरीर देकर मोहर्रम के महीने में कोई नई धार्मिक रस्म शुरू करने पर रोक लगाने ओर अनुमति नही देने की मांग की है। नगर पंचायत पिरान कलियर निवासी शहबान अली, समद, बाबर खान,वहीद, वजाहत, दानिश, दिलबर, नवाब, कासिम, सन्नवर, आलमगीर, मेंहरबान, हमजा, जाहिद, मोहसिन अली, तसलीम, आरिफ इंतेजार,मेहरजान ,नफीस, इमरान, आदि ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मोहर्रम के महीने में कुछ लोग नई धार्मिक रसुमात शुरू करने का प्रयास कर रहे है। जिसमें काले झंडे छाती पीटना अलम निकालना यह सब उसमें शामिल है। तीन साल से हर साल मोहर्रम के महीने में यह लोग नई रस्म को शुरू करने का प्रयास करते हैं। लेकिन जिम्मेदार लोग इसकी प्रशासन से शिकायत कर इसको रूकवाने की मांग कर इसे रुकवाते चले आ रहे है।और प्रशासन भी इन रस्मों रुकवाता है। और किसी नई रस्म को शुरू करने की अनुमति नहीं देता है। मोहर्रम के महीने की चांद की पहली तारीख से लेकर दस तारीख तक किसी भी तरह की नई रस्म की कोई अनुमति नही दी जानी चाहिए इससे क्षेत्र का माहौल खराब होने की संभावना है। यह लोग माहौल खराब करने की पूरी कोशिश करते हैं। नगरवासियों ने पुलिस से शिकायत कर इस तरह की किसी नई रस्म को शुरू करने की कोई अनुमति नही दिए जाने की मांग की है। पिरान कलियर में केवल ताजिए निकालना और अखाड़ा खेलने की रसूमात 50 साल से चली आ रही है। उसके अलावा किसी तरह के जुलूस अलम व काले झंडे निकालने की कोई अनुमति नहीं दी जाए।

न्यायालय के आदेश पर बुग्गावाला थाने के संबंधित

27 मुकदमों के माल का किया गया नष्टिकरण

शाह टाइम्स संवाददाता

बुग्गावाला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा सभी थाना प्रभारियों को थानो पर दाखिल पुराने वादो से सम्बन्धित माल मुकदमाती के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया था। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय रूड़की के आदेश से मालखाने में दाखिल पुराने वादो से सम्बन्धित 27 माल मुकदमाती मालो के नष्टिकरण की कार्यवाही की गयी।

जानकारी के अनुसार उक्त आदेश के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक बुग्गावाला द्वारा थाना न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय रूड़की के आदेश से दिनांक 03.07.2025 को गठित टीम के समक्ष थाना बुग्गावाला के मालखाने में दाखिल पुराने वादो से सम्बन्धित 27 माल मुकदमाती मालो के नष्टिकरण की कार्यवाही की गयी। इस दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय रूड़की तथा गठित टीम अभियोजन अधिकारी रूड़की व प्रभारी निरीक्षक थाना बुग्गावाला मौजूद रहे। नष्टिकरण किये गये मालो का विवरण-गौ0सं0 अधि0 से सम्बन्धित एक रस्सी व 02 चापड, 315 बोर तमन्चा व एक जिन्दा कारतूस, एक चाकू, चोरी के मामले से सम्बन्धित मोबाईल फोन

चाईनिज, हत्या के मुकदमे से सम्बन्धित खून से सनी, एक प्लास्टिक के कटे में एक पुलिन्दा खून आलूदा मिट्टी एक पुलिन्दा सादी मिट्टी, एक पुलिन्दा मृतक के कपड़े, एक तमन्चा 12 बोर व 01 खोखा कारतूस, गौ0संरक्षण अधि0 से सम्बन्धित एक लकडी का गुटका, एक फर, तीन छूरी और बांट क्रमश 1 किलो, डेड किलो व एक तराजू, एक तमन्चा 15 बोर व एक जिन्दा कारतूस, एक साठी बांस सफेद कपडे मे, एक पाठल व एक पुलिन्दा कपडे, कूपन व नोट, एक तमचा 315 बोर व 1 जिन्दा कारतूस, एक प्लास्टिक के डिब्बे मे हड्डी शव मृतका जलायी हई, एक प्लास्टिक के डिब्बे मे शमशान घाट की एक पेन ड्राईव, बुलेट करातूस, एक प्लास्टिक की डिब्बी मे घटना स्थल से प्राप्त सादा मिट्टी सील सर्वे मोहर, एक प्लास्टिक की डिब्बी मे घटनास्थल से प्राप्त खून आलूदा मिट्टी, एक पुलिन्दे मे सील सर्वे अभियुक्त मोहित कम्बोज कपड़े व जूते व पेन्ड्राइव 32 जीबी।, एक पुलिन्दा सफेद कपडे मे एक आदद तमंचा 315 बोर व खोखा कारतूस, एक पुलिन्दा मृतका के कपड़े, 01 चिप विडियो, वादी नन्द किशोर के फटे हुए कपड़े, एक पेंट आर्मी कलर, एक टी शर्ट फटी हुई, एक सफेद सेंडों बनियान आगे से फटी हुई, पोक्सो अधि0 से सम्बन्धित पीड़िता के कपड़े, 3 बन्द लिफाफे, एक खाकी कमीज वर्दी, एक प्लास्टिक के डिब्बे में गोवशीय मांस का टुकड़ा सील सर्वे मोहर मय नमूना मोहर दि0 10/06/19 को विधि विज्ञान प्रयोगशाला पण्डितवाड़ी दे0 दून के दाखिल किया गया।, एक मोबाईल मृतक, एक मोबाईल विवो, एक डब्बा खून आलूदा मिट्टी, एक डिब्बा सादा मिट्टी। एक प्लास्टिक के डिब्बे में की-पैड मोबाईल, कपड़े पिड़िता, पारदर्शी प्लास्टिक के डब्बे मे एक चाकू, नगदी व तास की गड्डी (कोषागार हरिद्वार में दाखिल किये गये), एक छूरी आदि शामिल रहे। पुलिस टीम-प्रभारी निरीक्षक भगवान महर, व0उ0नि0 सुनील रमोला हे0का0 कुन्दन सिंह, का0 मुकेश नेगी, का0 मुकेश कुमार।

किसानों ने पुलिस से की अवैध खनन की शिकायत

पिरान कलियर। कलियर क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर एक किसान ने पुलिस से शिकायत कर अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। नगर पंचायत पिरान कलियर के बेडपुर निवासी किसान रिहान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि क्षेत्र के कुछ खनन माफिया किसानों के खेतों से अवैध खनन कर रहे है। जिसके कारण खेतों पर जाने वाला रास्ता पूरी तरह से खराब हो गया है। जिससे किसानों को अपने खेतों पर आना जाना दुशवार हो गया। पशुओं के लिए चारा लाने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। किसान का आरोप है कि अगर क्षेत्र के किसान इन खनन माफियाओं को रोकने का प्रयास करते है तो वह गाली गलौज कर झगड़ा करने व मारपीट करने पर उतारू हो जाते है।किसान ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई करने की मांग की है। थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि किसान की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जुलूस को सकुशल संपन्न कराने को बैठक

रुड़की। आगामी मुहर्रम के पर्व के दृष्टि गत आज 4 जुलाई 2025 को कोतवाली गंग नहर में मोहर्रम जुलूस को सकुशल संपन्न कराने के संबंध में पीस मीटिंग आयोजित की गई जिसमें मुस्लिम संप्रदाय, अन्य समाज के लोग सम्मिलित हुए मीटिंग में मोहर्रम के जुलूस में सम्मिलित होने वाले अखाड़ों को पूर्व से निर्धारित रास्तों से होते हुए निर्धारित स्थान तक ले जाने हेतु बताया गया। तथा ताजियों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के आधार पर रखी जाने हेतु बताया गया मीटिंग में अखाड़ों के आयोजक एवं मौजिज लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

शनिवार , 5 जुलाई 2025

बेमतलब की रार

देश के कई राज्यों में हिन्दी भाषा को लेकर टकराव की बातें समय-समय पर सामने आती रहती हैं। महाराष्ट्र और दक्षिण के राज्य विशेषकर तमिलनाडु हिन्दी विरोध के लिए जाने जाते हैं। ताजा मामले में भी महाराष्ट्र के ठाणे से ऐसी खबर आई है, जो बेहद चिंता पैदा करती है। वहां पर एक दुकानदार से मन से कार्यकर्ताओं ने केवल इसलिए मारपीट कर दी, क्योंकि वह हिन्दी नहीं जानता था। मनसे के कार्यकर्ताओं ने एक गुजराती दुकानदार से मराठी में बात करने को कहा था और ऐसा न करने पर उसे थप्पड़ मारे थे। यह घटना 30 जून की बताई जाती है। दिलचस्प बात यह है कि गुरुवार को 7 मनसे कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, लेकिन कुछ ही देर बात उन्हें जमानत भी दे दी गई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि मनसे कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और कार्रवाई की जाएगी। उनका यह भी कहना था कि मराठी भाषा का सम्मान होना चाहिए पर मराठी के नाम पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि आरोपियों पर जमानती धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इन धाराओं में सीधे गिरफ्तारी नहीं की जा सकती, जिस वजह से उन्हें छोड़ दिया गया। सीधी सी बात है कि यह दोहरा आचरण ही कहा जाएगा कि मारपीट का मामला भी इस तरह का नहीं बनता जिस पर गिरफ्तारियां हो सकें। फिर मुख्यमंत्री फडणवीस किस आधार पर सख्ती की बात कर रहे हैं और कैसे कह रहे हैं कि गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे। जैसाकि हमने पहले ही कहा कि कई राज्यों में इस तरह की बातें सामने आती हैं। तमिलनाडु से भी समय-समय पर इस तरह के समाचार मिलते रहते हैं। देखने वाली बात यह है कि यह विरोध कई बार इतना उग्र हो जाता है कि हिंसा का रूप लेने लगता है। अपने ही देश में हिन्दी भाषा के साथ इस तरह की बातें बेहद चिंता पैदा करने वाली हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि भारत विभिन्न वाला देश है। जहां के राज्यों की वेशभूषा, खानपान, भाषाएं अलग हैं। हर कोई राज्य अपनी भाषा का तरजीह देना पसंद करता है। इसमें कोई बुराई भी नहीं है, क्योंकि सारी भाषाएं हमारी अपनी हैं। किसी भी भाषा से दुराग्रह नहीं रखा जा सकता, लेकनि समस्या तब आती है जब भाषा के नाम पर शत्रुता जैसा व्यवहार किया जाता है। भाषा किसी की शत्रु नहीं हो सकती और भाषा का मतलब भी यही होता है कि एक-दूसरे को एक-दूसरे के साथ जुड़ाव पैदा किया जाए। आखिर जब हमारा अंग्रेजी से कोई विरोध नहीं है, यह तो अपने देश की भाषा भी नहीं है, तो फिर अपनी ही भाषा से इतना सौतेला रवैया क्यों अपनाया जाता है। मनसे के नेता राज ठाकरे इस बात के लिए जाने ही जाते हैं कि वह हिन्दी के साथ दुश्मनी की हद तक पहुंच जाते हैं। इस तरह की बातों को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन यह काम बलपूर्वक भी नहीं होना चाहिए। लोगों को इस बात के लिए जागरूक किया जाना चाहिए कि प्रत्येक देश की एक भाषा होती है और यह भाषा ही देश को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जहां तक बात राज्यों की भाषा की है, उनका भी सम्मान किया जाना चाहिए।

चिंता सार्वजनिक रूप से सामने आई

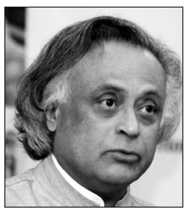

सेना के उप-प्रमुख (क्षमता विकास और स्थायित्व) लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने आज सार्वजनिक रूप से वह बात कही है, जो ऑपरेशन सिंदूर के अचानक खत्म होने के बाद से आमतौर पर मानी जा रही थी, यह वही ऑपरेशन है, जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के दखल के चलते 10 मई को रोक दिया गया था, लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने जो कहा, वह उसी चिंता को सार्वजनिक रूप से सामने लाता है कि हम वास्तव में पाकिस्तान से नहीं, बल्कि चीन से लड़ रहे थे, चीन, पाकिस्तान की वायु सेना को असाधारण स्तर तक नियंत्रित कर रहा था, यह खुलासा उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की ओर से सिंगापुर में किया गया था।

-जयराम रमेश, कांग्रेस सांसद

कर्बला से मिलती है चरित्र निर्माण की शिक्षा

नासिर हैदर जैदी

कर्बला की दुखद घटना से अवगत कराने से पहले मैं कर्बला के उसे अजीम किरदार का परिचय करना चाहूंगा जिसका नाम है हजरत इमाम हुसैन (अ.) वालिद का नाम हजरत अली अली (अ.) वाल्दा का नाम हजरत फातिमा ज़हरा, नाना हजरत मुहम्मद मुसतुफा (स.अ.व.) और दादा हजरत अबूतालिब हैं। कर्बला खुली हुई आयत की तरह मोहर्रम की 10 तारीख सन 61 हिजरी को ईराक सरजमीन कर्बला नहर फुरात के किनारे खुले मैदान में दोपहर को होने वाला एक ऐसा वाक्या है जिसका ना ग्राउंड उलझा हुआ है ना बैकग्राउंड तारीख की निगाहों ने उन खंजरों को भी देखा है जो चल रहे थे और उन गलों को भी देखा है जो कट रहे थे वक्त पूरी तरह से उन तीरों को भी पहचान रहा था जो सजदा करने वाली परेशानियों में चुभ रहे थे और उस खून के कतरों को भी देख रहा था, जो गर्म रहती पर टपक रहे थे तारीख उन सूखे होंटों को भी पहचानती है जो अल्लाह की बड़ाई का ऐलान कर रहे थे और उन सूखी हुई जुबानो को भी जानती है जो अल्लाह के जिक्र से तर हो रहीं थीं वक्त उन मांओं को भी देख रहा था जो अपने नोनिहालों को अपनी गोद में उठाकर मौत के हवाले कर रहीं थीं और उन लाशों से भी बा खबर था जो घोड़ों की टापों से रोंदी की जा रहीं थीं कातिल भी सामने खड़े थे और कत्ल होने वाले भी।

हम तो बस इतना जानते हैं कि नबी का नवासा भूख प्यास अपने खानदान और अपने कुछ साथियों के साथ इंतेहाई बेदर्दी से शहीद कर दिया गया, उसके घर के समान को लूट लिया। लाशों को बे गोरोकफन तपती हुई जमीन पर छोड़कर उनके अहलेबैत को कैदी बना लिया गया। यूं तो दुनिया में हजारों इंकलाब आए लाखों जंगें हुईं और जमीन ने करोड़ों बेगोरो कफन लाशें देखीं और यतीम बेवाओं को व लावारिसों की आवाजें सुनी जो दुनिया में इंसानियत और इंसाफ की फरियाद करते पाए गए, लेकिन इराक की सर जमीन पर कर्बला में जो दर्दनाक घटना हुई यह जंग किसी तखतो ताज के लिए नहीं बल्कि दो इरादों की जंग थी एक तरफ यजीद पुत्र माविया पुत्र अबु सूफियान का इरादा था, जो अपने बुजुर्गों की शरीयत को स्थापित कर इस्लाम की असल शरीयत को मिटा देना चाहता था और हजरत इमाम हुसैन से तलवार के जुल्मों सितम के बल पर अपनी शरीयत को स्वीकार, मनवाना करना चाहता था यानि बैयत लेना चाहता था, लेकिन दूसरा इरादा इमाम हुसैन का था जो अपने नाना हजरत मुहम्मद (स.अ.व.) यानी इस्लाम की शरीयत को खत्म होते नहीं देखना चाहते थे हजरत इमाम हुसैन पैगंबर हजरत मुहम्मद मुस्तफा (स.अ.व.) के सगे नाती थे और यजीद इस्लाम धर्म को तबाह वह बर्बाद कर रहा था परंतु इमाम हुसैन अपने व अपने परिवार व अपने साथियों पर भयंकर अत्याचार तो सहन कर सकते थे, लेकिन वास्तविक इस्लाम धर्म को तबाह व बर्बाद होते नहीं देख सकते थे यजीद का उद्देश्य हजरत इमाम हुसैन से अपनी शरीयत जिसमें समाज की हर बुराई जुल्म सितम शामिल था स्वीकार करने का था कि इस्लाम धर्म के पैगंबर के घराने की मोहर उसकी अपनी शरीयत पर लग जाए और उसकी शरीयत ही इस्लाम धर्म की शरीयत मानी जाए, जबकि हजरत इमाम हुसैन जंग करने नहीं गए थे अगर जंग के लिए जाते तो अपने परिवार के छोटे छोटे बच्चों और औरतों को साथ ना ले जाते इमाम तो कूफे के रहने वालों के इस्लाम की इसलाह के सैकड़ों खतों के जरिए बुलाने पर जा रहे थे रास्ते में कूफे गवर्नर इब्ने जियाद यजीद के आदेश पर कि या तो इमाम हुसैन से बैयत लो वरना उनका सिर कलम करके उसके सामने पेश करें और इबने जियाद के इमाम को यजीद के आदेश बैयत के लिए इमाम को कहा, लेकिन इमाम ने बैयत करने से साफ इंकार करते हुए कहा कि मुझ जैसा यजीद जैसे की बैयत नहीं कर सकता है यह आदेश इब्ने जियाद ने मदीने में ही इमाम हुसैन के चलने से पहले सुनाया था। इस प्रकार कर्बला संग्राम अच्छाई व बुराई सच और झूठ के बीच था। उल्लेखनीय है मनुष्य के चरित्र निर्माण में वीरता, साहस, सच्चाई, ईमानदारी, सत्य, प्रियता, धर्म पालन, कर्तव्य, बलिदान, निष्ठा, उपासना, इबादत, माता-पिता तथा बड़ों का आदर व सम्मान भाई बहन का प्यार माता-पिता की आज्ञा का अनुपालन, सेवा भाव स्नेह , वफादारी अत्याचार व अन्याय से हटकर धैर्य व सहनशीलता ये ऐसी विशेषताएं हैं जो कि मनुष्य के चरित्र निर्माण में सहायक होती हैं और उनके योग से ही मनुष्य का चरित्र बनता वह संवरता है। उनके उदाहरण विश्व के समस्त धर्मों में मिलते हैं और हर धर्म में ऐसे लोग मिल जाते हैं, जिनमें यह विशेषताएं पाई जाएं परंतु यह एक वास्तविकता है जो संसार की सृष्टि से अब तक के इतिहास में हमें ऐसी कोई घटना नहीं मिलती, जिसमें इन समस्त विशेषताओं के प्रत्यक्ष उदाहरण एक ही दिन में एक साथ मिल जाते हैं यदि कोई घटना है तो वो कर्बला संग्राम की एकमात्र घटना है यदि यह घटना ना होती तो इस्लाम भी ऐसा कोई उदाहरण पेश नहीं कर पाता। कर्बला इमाम हुसैन का इस्लाम धर्म पर उपकार है जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

हजरत इमाम हुसैन का यह महान बलिदान कर्बला की दिल हिला देने वाली घटनाओं से जुड़ा हुआ है जो विश्व के इतिहास में और ना इससे पूर्व घटीं और ना ही भविष्य में घटने की संभावना है, कर्बला की इस दर्दनाक घटना में हजरत इमाम हुसैन के भाई, भतीजे, दोस्तों और परिवार की औरतों ने व चाहने वाले साथियों ने जिस तरह बढ़ चढ़कर अपनी कुर्बानियां पेश की हैं उससे कर्बला में समस्त उच्च कोटि की विशेषताएं सिमट कर आ गई हैं जो की गागर में सागर भरने वाली कहावत चरितार्थ सत्य होती है।

वीरता- यदि वीरता को देखना हो तो कर्बला का प्रत्येक शहीद अपनी मिसाल स्वयं है। हर जांबाज सच्चाई पर अपने प्राण न्यौछावर करने के लिए एक दूसरे से आगे निकलना चाहता है मैदान-ए- कर्बला की और बढ़ते समय रास्ते में हजरत इमाम हुसैन अपने जवान बेटे हजरत अली अकबर से कहते हैं कि बेटा हम आगे-आगे जा रहे हैं और मौत हमारे पीछे-पीछे आ रही है तो अली अकबर कहते हैं अब्बा जान क्या हम हक पर नहीं हैं तो इमाम कहते हैं कि बेटा हम हक पर ना होंगे तो कौन होगा। यह सुनकर अली अकबर कहते हैं कि फिर हमें मौत की क्या चिंता, मौत हम पर आ पड़े या हम मौत पर जा पड़ें।

वफादारी- शब-ए-आशूर यानी 10 मोहरम युद्ध के दिन की पूर्व रात्रि इमाम हुसैन शहीदों के नाम की सूची सुनकर इमाम के भतीजे जनाबे कासिम पुत्र हजरत इमाम हसन पूछते हैं कि चाचा जान क्या इस सूची में उनका नाम नहीं है तो इमाम प्रश्न करते हैं कि बेटा कल के दिन मृत्यु तुम्हारी दृष्टि में कैसी है जनाबे कासिम उत्तर देते हैं कि कल आप पर प्राण नयोछावर करना मेरे लिए शहद से भी ज्यादा मीठा है। साहस का प्रदर्शन भी कर्बला के अंदाज का नहीं मिलता 6 महीने की आयु वाले हजरत अली असगर से लेकर 80 साल के योद्धा और हबीब इब्ने मजाहिर सब हिम्मत व साहसी हैं।

यजीद की ओर से लाखों की सेना और इमाम की ओर से कुल 72 हैं परंतु कोई मौत से डरने वाला नहीं है एक-एक करके हर योद्धा रण क्षेत्र में जाता है और लाखों से अकेले धर्म युद्ध करके वीरगति को प्राप्त होता है और उत्साह का यह हाल है कि हर मुजाहिद प्रात: काल से ही जान देने पर कमर बंधे हैं और बार-बार इमाम से रण क्षेत्र में जाने की आज्ञा मांगता है खुशामद करता है और इमाम समझ कर रोक रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी।
चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है।

ललित गर्ग

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है।

इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी। चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, स्वर्ण कलश प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे स्वर्ण कलश प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है।

इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है। दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था।

रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक धार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानून लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है।

1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक दलाई लामा घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पाकिस्तान की सुरक्षा परिषद अध्यक्षता: कूटनीति का चेहरा

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्य होते हैं, जिनमें पांच स्थाई सदस्य- अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन तथा दस अस्थाई सदस्य होते हैं। इन दस अस्थाई सदस्यों का चयन यूएन महासभा द्वारा दो वर्ष की अवधि के लिए किया जाता है, जिसमें हर वर्ष पांच नए सदस्य चुने जाते हैं। प्रत्येक सदस्य को एक-एक महीने के लिए परिषद की अध्यक्षता दी जाती है।

वीरेश तरार

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान की जुलाई महीने के लिए अध्यक्षता ने देश के कुछ राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। कई जगहों पर इसे भारत की रणनीतिक पराजय की संज्ञा दी जा रही है और यह प्रचा. रित किया जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर एक बड़ी कूटनीतिक जीत सौंप दी है, लेकिन जब इस घटनाक्रम को तथ्यों और प्रक्रिया की कसौटी पर कसा जाता है, तो स्थिति पूरी तरह उलट दिखती है। वास्तव में पाकिस्तान की यह अध्यक्षता न किसी चुनाव का परिणाम है, न किसी अंतर्राष्ट्रीय बहस या मतद्वंद्व की उपज। यह केवल एक रोटेशन प्रणाली का भाग है, जो सुरक्षा परिषद के संचालन का नियमित नियम है, न कि कोई असाधारण या आश्चर्यजनक घटना।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्य होते हैं, जिनमें पांच स्थाई सदस्य- अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन तथा दस अस्थाई सदस्य होते हैं। इन दस अस्थाई सदस्यों का चयन यूएन महासभा द्वारा दो वर्ष की अवधि के लिए किया जाता है, जिसमें हर वर्ष पांच नए सदस्य चुने जाते हैं। प्रत्येक सदस्य को एक-एक महीने के लिए परिषद की अध्यक्षता दी जाती है और यह क्रम पूरी तरह से अंग्रेजी वर्णमाला के अनुसार चलता है। जुलाई में पाकिस्तान की बारी आई, तो वह राष्ट्रपति बन गया। न तो कोई वोटिंग हुई, न ही किसी देश ने इसके खिलाफ खड़ा होकर मुकाबला किया। यह चुनाव नहीं, बल्कि प्रशासनिक क्रम है, जिसकी रूपरेखा पहले से तैयार रहती है। अब सवाल उठाताची है कि पाकिस्तान को अस्थाई सदस्यता कैसे मिली? इसके लिए हमें पीछे लौटकर वर्ष 2024 की ओर देखना होगा, जब संयुक्त राष्ट्र महासभा में एशिया-प्रशांत क्षेत्र से एक सीट के लिए नामांकन हुआ। पाकिस्तान एकमात्र प्रत्याशी था और उसके खिलाफ किसी भी देश ने नामांकन नहीं किया। भारत, जो कि हाल ही में वर्ष 2021-22 में इस परिषद का अस्थाई सदस्य रह चुका था, परंपरा के अनुसार उस समय नामांकन का पात्र ही नहीं था। यूएन की रीति है कि कोई भी देश दो कार्यकाल लगातार सदस्य नहीं बन सकता। इसलिए भारत की अनुपस्थिति न तो चौंकाने वाली है, न ही रणनीतिक चूक। भारत ने न केवल नियम का पालन किया, बल्कि स्वयं को भविष्य की सदस्यता 2028-29 के लिए योग्य और भरोसेमंद बनाए रखने का मार्ग प्रशस्त किया।

पाकिस्तान को महासभा में 182 वोट मिले, जो इस बात को रेखांकित करते हैं कि उसका नामांकन बिना मुकाबले के हुआ था। चीन, तुर्की, मलेशिया, इंडोनेशिया जैसे देश पाकिस्तान के समर्थन में थे और बाकी देशों ने औपचारिकता पूरी करते हुए अपना मत दिया। यहां यह भी गौरतलब है कि पाकिस्तान की यह सफलता प्रतीकात्मक मात्र है, इसका कोई नीतिगत अथवा निर्णयात्मक प्रभाव नहीं है। परिषद का अध्यक्ष केवल बैठकों की अध्यक्षता करता है, एजेंडा को प्रस्तुत करता है और तकनीकी समन्वय करता है। उसे कोई प्रस्ताव लाने, पास कराने या सुरक्षा परिषद की दिशा बदलने का अधिकार नहीं होता। कई लोग यह आशंका जता रहे हैं कि पाकिस्तान इस दौरान जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठा सकता है और भारत के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय मंच पर माहौल बना सकता है, लेकिन यह आशंका न केवल अतिश्योक्ति है, बल्कि कूटनीतिक अज्ञानता भी दर्शाती है। सुरक्षा परिषद में कोई भी देश यहां तक कि अध्यक्ष भी तब तक कोई मुद्दा नहीं उठा सकता, जब तक किसी स्थाई सदस्य द्वारा प्रस्ताव न रखा जाए और अन्य सदस्य उसका समर्थन न करें। पाकिस्तान, जो स्वयं स्थाई सदस्य नहीं है, इस स्थिति में केवल संयोजक की भूमिका निभा सकता है, न कि निर्णायक की। यदि वह अध्यक्षता का दुरुपयोग करता है, तो न केवल उसकी प्रतिष्ठा पर आंच आएगी, बल्कि परिषद की मर्यादा भी भंग होगी, जिसका विरोध भारत सहित अन्य राष्ट्र निश्चित ही करेंगे।

भारत ने इस मुद्दे पर जो चुप्पी साधी है, वह कोई कमजोरी नहीं, बल्कि दूरदृष्टि का प्रमाण है। भारत जानता है कि यदि वह पाकिस्तान की उम्मीदवारी का विरोध करता, तो उसे व्यापक स्तर पर समर्थन जुटाना पड़ता। साथ ही, वह कुछ ऐसे देशों की नाराजगी मोल लेता, जिनका समर्थन भविष्य में उसकी आवश्यकता बन सकता है। भारत फिलहाल अपनी कूटनीतिक ऊर्जा उन मंचों पर केंद्रित कर रहा है जहां दीर्घकालीन लाभ की संभावना है जैसे ब्रिक्स, क्वाड, जी-20 और सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता। ऐसे में एक महीने की अध्यक्षता के लिए अपने संसाधनों और संबंधों को दांव पर लगाना बुद्धिमत्ता नहीं होती। भारत की यह नीति एक प्रकार से नैतिक धरातल को भी सुरक्षित रखती है। विरोध न करके भारत ने यह भी सिद्ध किया कि वह अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की प्रक्रिया और नियमों का सम्मान करता है। यह व्यवहार उस समय की स्थिति के लिए लाभकारी होगा जब भारत स्वयं सदस्यता की दौड़ में होगा। भारत की नजर लंबे रास्ते पर है, और वह अपने कूटनीतिक सफर को राजनीतिक आक्रोश के बजाय विवेक और संतुलन से संचालित करता है। इस पूरी प्रक्रिया को यदि कोई जीत कहता है, तो वह केवल प्रतीकों की दुनिया में रह रहा है। पाकिस्तान को जो जिम्मेदारी मिली है, वह सीमित और औपचारिक है। इसके माध्यम से वह कोई अंतर्राष्ट्रीय एजेंडा स्थापित नहीं कर सकता, और न ही भारत को घेरने की उसकी कोई कोशिश वास्तविकता में परिणत हो सकती है। भारत इस पूरे घटनाक्रम में शांत रहा, पर उसका मौन दूरदर्शिता की परतों में लिपटा हुआ था। इस लेख का उद्देश्य न किसी पक्ष की वाहवाही करना है, न किसी को दोषी ठहराना बल्कि केवल सच्चाई का वस्तुनिष्ठ और प्रमाणित रूप प्रस्तुत करना है। पत्रकारिता का धर्म है कि वह अपने पाठकों को भ्रम से मुक्त कर यथार्थ से जोड़ सके और यह लेख उसी दिशा में एक विनम्र प्रयास है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

दुनिया हैरान: रूस ने तालिबान सरकार को दी मान्यता

काबुल/मॉस्को। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है। मुत्ताकी ने बैठक के बाद जारी एक वीडियो बयान में कहा यह साहसी फैसला दूसरों के लिए एक मिसाल बनेगा।

अब मान्यता की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, रूस सबसे आगे रहा। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने भी एएफपी को पुष्टि करते हुए कहा कि रूस पहला देश है जिसने इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता दी है। तालिबान खुद को इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान कहता है। रूस के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि जामिर काबुलोव ने रिया नोवोस्ती ने तालिबान सरकार को मान्यता देने की पुष्टि की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर कहा कि इस्लामिक अमीरात की सरकार को मान्यता देने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा। चीन, पाकिस्तान और ईरान जैसे कई देशों ने अपने-अपने यहां तालिबान राजनयिकों को तैनात कर रखा है, लेकिन अभी तक किसी ने भी तालिबान शासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी थी। जब एक देश दूसरे देश को आधिकारिक मान्यता देता है, तो वह उसे एक स्वतंत्र राष्ट्र मानता है। यानी उस देश की अपनी सरकार है, अपनी सीमा है और वह दुनिया के दूसरे देशों से रिश्ते बना सकता है। यह मान्यता 1933 की मोंटेवीडियो संधि जैसे अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित होती है। इसके लिए चार शर्तें होती हैं, स्थाई आबादी, सीमा, सरकार और विदेशों से संबंध बनाने की क्षमता।

तालिबान बोला: बहादुरी भरा है कदम

मान्यता प्रदान करने वाला दुनिया का पहला देश, रूस बोला: मान्यता देने से द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा

तालिबान सरकार ने रूस के कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया, फैसला दूसरों के लिए मिसाल बनेगा

मान्यता मिलने से किसी देश को वैधता, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में जगह और दूसरे देशों से व्यापार व रिश्ते बनाने का मौका मिलता है। तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। अमेरिका और भारत समेत अब तक कई देशों ने तालिबान को अफगानिस्तान की सरकार के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने एक इंटरव्यू में कहा था कि सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं। तालिबान की स्थापना 1994 में अफगानिस्तान के कंधार शहर में हुई थी। यह संगठन उन गुटों में शामिल था, जो 1989 में सोवियत सेना की वापसी के बाद अफगानिस्तान में सत्ता के लिए चल रहे गृहयुद्ध में शामिल थे। तालिबान के ज्यादातर सदस्य वही मुजाहिदीन थे, जिन्होंने अमेरिका की मदद से नौ साल तक सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध लड़ा और उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस सहयोग की वजह से तालिबान को शुरुआत में अमेरिका का समर्थन भी मिला। हालांकि, 1990 के दशक के अंत तक तालिबान की छवि बदलने लगी। 1999 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कहा गया कि तालिबान दुनियाभर के आतंकी संगठनों को शरण और प्रशिक्षण दे रहा है। इसी के कुछ महीनों बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूएन के इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए तालिबान पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। 2003 में रूस की सुप्रीम कोर्ट ने तालिबान को आधिकारिक रूप से एक आतंकी संगठन घोषित कर दिया था। रूस ने आरोप लगाया कि तालिबान के चेचन्या में सक्रिय अवैध संगठनों से संबंध हैं।

रुद्रप्रयाग। प्राकृतिक आपदाओं के कारण केदारनाथ धाम जाने वाले मार्ग के अवरुद्ध होने के बाद बचाव व राहत अभियान चलाकर लोगों को सुरक्षित जगह ले जाते बचावकर्मी।

हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स में पास हुआ 'बिग ब्यूटीफुल बिल'

वाशिंगटन। अमेरिका में कांग्रेस (संसद) के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कर और खर्च में कटौती करने वाले 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को पास कर दिया। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स में विधेयक के समर्थन में 218, जबकि विरोध में 214 लोगों ने वोट डाला। इस तरह के यह विधेयक चार मतों के अंतर से कांग्रेस के निचलने सदन में पास हो गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प की ही पार्टी के दो सांसद थॉमस मैसी और ब्रायन फिट्जपैट्रिक ने इस विधेय के खिलाफ मतदान किया। गौरतलब है कि इसी विधेयक को लेकर ट्रम्प और प्रसिद्ध उद्योगपति एलन मस्क ने एक-दूसरे के खिलाफ तीखी बयानबाजी की थी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रम्प शुक्रवार शाम पांच बजे अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस (चार जुलाई) पर एक बड़े और शानदार समारोह में इस विधेयक पर हस्ताक्षर करेंगे। यह बिल दो दिन पहले ही अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में 50-51 के मामूली अंतर से पास हुआ था।

इजरायल की ईरान को दो टूक: अबकी बार परमाणु हरकत पर होगा बुरा हश्र

यरूशलम। इजरायल ने ईरान को परमाणु कार्यक्रमों को आगे नहीं बढ़ाने की चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह ऐसा करता है, उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के राजदूत डैनी डैनन ने कहा है कि ईरानी कार्यक्रम पर इजरायल की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास उनकी गतिविधियों का पता लगाने की पूरी क्षमता हैं और यदि हमने पाया कि वे उसी रास्ते पर वापस जा रहे हैं,तो हमें निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि वे समझ गए होंगे और इजरायल तथा अमेरिका भी उनकी गतिविधियों पर उस पर बारीकी से नज़र रखेगा। हमारा रूख रणनीतिक निगरानी का है और पहले भी हमने कई सालों तक ऐसा किया है और उसके बाद हमने कार्रवाई की। अब हम बारीकी से देख रहे हैं कि वहां क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में नहीं बताऊंगा कि हम भविष्य में क्या कर सकते हैं, लेकिन मैं अंतिम परिणाम को देखता हूं। ईरान के पास परमाणु क्षमता नहीं होगी। हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। जब हमने ईरान को अस्पतालों और नागरिक क्षेत्रों पर मिसाइलों से हमला करते देखा, तो हम समझ गए कि वे हमारे खिलाफ जो कुछ भी है उसका उपयोग करेंगे।

हमारे पास उनकी गतिविधियों का पता लगाने की पूरी क्षमता है: इजरायल

उत्तरी नाइजरिया में जिहादियों ने की 28 लोगों की हत्या

अबुजा। उत्तरी नाइजीरिया में जिहादी समूहों ने दो अलग-अलग घटनाओं में 28 लोगों की हत्या कर दी है। मीडिया रिपोर्टों में सेना और स्थानीय निवासियों का हवाला देते हुए शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार जिहादी समूह लकुरावा के आतंकवादियों ने बुधवार को नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी सोकोतो राज्य के एक गांव पर हमला किया और 17 लोगों की हत्या कर दी। हमलावरों ने गांव में घुसकर 'अंधाधुंध गोलीबारी' की। स्थानीय लोगों का मानना है कि कुछ दिन पहले सुरक्षा बलों द्वारा तीन जिहादियों की हत्या का प्रतिशोध लिया गया है।

भारत-अमेरिका में मिनी ट्रेड डील के आसार

भारत कृषि सेक्टर में नो एंट्री पर कायम, ट्रम्प की तरफ से ट्रेड डील की डेडलाइन का काउंटडाउन शुरू

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से सभी देशों के लिए ट्रेड डील की डेडलाइन का काउंटडाउन शुरू हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 9 जुलाई की डेडलाइन से पहले भारत और अमेरिका के बीच 'मिनी ट्रेड डील' होने के आसार हैं।

माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच कई बिन्दुओं पर सहमति बन गई है। अगले दो-तीन दिन में डील हो सकती है। इसे मिनी ट्रेड डील इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि भारत और अमेरिका सितम्बर-अक्टूबर में होने वाले 43 लाख करोड़ रुपये के द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर फोकस कर रहे हैं। वॉशिंगटन में व्यापार वार्ता में भारत ने अमेरिका को एग्री सेक्टर में एंट्री देने से इनकार कर दिया है। जबकि अमेरिका जेनेटिकली मॉडिफाइड फसली उत्पादों को भारत में बाजार मुहैया कराने की मांग करता रहा है। भारत के रवैए को देखते हुए अमेरिका ने फिलहाल कृषि सेक्टर में एंट्री के लिए दबाव नहीं डालने का निर्णय किया है। जबकि भारत लेबर इन्टेंसिव सेक्टर गारमेंट, जेम्स-जूलरी और लेदर प्रोडक्ट पर कम अमेरिकी टैरिफ पर कायम है। भारत की ओर से कहा गया है कि बीटीए के बाद के तीन सालों में द्विपक्षीय व्यापार के असल आंकड़े सामने आने लगेंगे। भारत-अमेरिका ट्रेड डील जल्द होगी। लेकिन 9 जुलाई से पहले डील के सभी प्रावधान सामने आना मुश्किल हैं। क्योंकि डील के कई प्रावधानों पर सहमति होना जरूरी है।

- **माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच कई बिन्दुओं पर सहमति बनी**
- **वॉशिंगटन में व्यापार वार्ता में भारत ने अमेरिका को एग्री सेक्टर में एंट्री देने से इंकार कर दिया है**
- **चीन और ब्रिटेन के साथ भी ट्रम्प ने डील की लेकिन इसके प्रावधान नहीं बताए**

चीन और ब्रिटेन के साथ भी ट्रम्प ने डील की लेकिन इसके प्रावधान नहीं बताए। भारत से पहले स्टेज में सिर्फ डील घोषित होगी। भारत खेती का सेक्टर नहीं खोलेगा क्योंकि हमारी 60 प्रतिशत आबादी इस पर निर्भर है। अमेरिका की 1 प्रतिशत आबादी खेती पर निर्भर है। भारत, अमेरिका से एनर्जी और डिफेंस की बड़ी खरीद कर इसकी भरपाई करेगा। खरीद शुरू भी हो चुकी। साथ ही भारत कई अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए बजट में ही डयूटी कम करने का ऐलान कर चुका है। इसमें अमेरिकी मोटरसाइकिल और व्हिस्की शामिल हैं।

SCO देशों में मित्रता को बढ़ावा देने के लिए पहल

शंघाई। 2025 जन मैत्री के लिए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) फोरम' और 'फ्रेंडशिप सिटीज फोरम' दोनों की शुक्रवार से शुरुआत हो गई। चीन के पूर्वोत्तर भाग में स्थित लियाओनिंग प्रांत की राजधानी शेनयांग में आयोजित एक कार्यक्रम में चीन की पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय समिति की उपाध्यक्ष और एससीओ के अच्छे पड़ोसी, मैत्री एवं सहयोग आयोग की अध्यक्ष शेन यूयुए ने इस दौरान मुख्य भाषण दिया। शेन ने कहा कि चीन बारी बारी से मिलने वाले इस मंच के वर्तमान अध्यक्ष के तौर पर एससीओ के लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण सहयोग को और बढ़ावा देने के उद्देश्य से दोबारा से इन मंचों की मेजबानी कर रहा है।

हवा से भी दिल के दौरे का खतरा

न्यूयॉर्क। प्रदूषण के सुरक्षित स्तर पर माने जानी वाली हवा (लो ग्रेड) भी धीरे-धीरे दिल की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकती है जो बाद में दिल के दौरे का कारण बन सकता है। पहले इस हवा को तक 'सुरक्षित श्रेणी' में रखा गया था। वैज्ञानिकों ने उन्नत एमआरआई स्कैन की रिपोर्ट में आधार पर किए गए नए शोध में कहा है कि इस स्तर के वायु प्रदूषण के संपर्क में देर तक रहने वाले लोगों की दिल की मांसपेशियों में निशान पड़ने के शुरुआती लक्षण दिखाई दिए। अध्ययन के अनुसार कि प्रदूषित हवा-भले ही वह 'सुरक्षित' मानी जाने वाली मात्रा में हो, दिल को चुपचाप नुकसान पहुंचा सकती है और यह समय के साथ दिल के दौरे का कारण बन सकती है।

यह नुकसान स्वस्थ व्यक्तियों और हृदय रोग से पीड़ित दोनों लोगों में देखा गया। विशेष रूप से महिलाओं, धूम्रपान करने वालों और उच्च रक्तचाप वाले लोगों में इसे देखा गया। रेडियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएसएनए) की पत्रिका 'रेडियोलॉजी' में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार कार्डिएक एमआरआई का उपयोग करने वाले शोधकर्ताओं ने पाया है कि इस स्तर के वायु प्रदूषण के संपर्क में लंबे समय तक रहना भी दिल के लिए नुकसानदायक है। इससे दिल की मांसपेशियों को नुकसान होता है जिससे आगे चलकर हृदयाघात हो सकता है। शोध से पता चलता है कि हवा में महीन कण हृदय की मांसपेशियों में विसरित मायोकार्डियल फाइब्रोसिस उत्पन्न करते हैं। इससे दिल की मांसपेशियां जख्मी हो जाती हैं और उनमें कड़ापन आकर वे सिकुड़ने लगती है। टोरंटो विश्वविद्यालय और टोरंटो में यूनिवर्सिटी हेल्थ नेटवर्क के टेमर्टी फैकल्टी ऑफ मेडिसिन के मेडिकल इमेजिंग विभाग की इस अध्ययन की वरिष्ठ लेखिका केट हैनिमन (एमडी, एमपीएच) ने कहा कि हम जानना चाहते थे कि ऊतक स्तर पर इस बढ़े हुए जोखिम को क्या प्रेरित करता है। डा. हैनिमन और सहयोगियों ने हृदय एमआरआई, इमेजिंग तकनीक का उपयोग करके मायोकार्डियल फाइब्रोसिस को मापने और पीएम 2-5 कणों के लंबे समय तक संपर्क में रहने के साथ इसके संबंधों का आकलन करने के लिए किया।

यह नुकसान स्वस्थ व्यक्तियों व हृदय रोग से पीड़ित दोनों लोगों में देखा गया

कैलिफोर्निया में जंगल की आग 50000 एकड़ क्षेत्र में फैली

लॉस एंजिल्स। अमेरिका में कैलिफोर्निया के जंगल में लगी भीषण आग ने एक ही रात में 50 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्रफल को चपेट में ले लिया, जिसके कारण जंगल के आसपास बसे लोगों को इलाके छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा और राजमार्ग को आंशिक रूप से बंद कर दिया गया। कैलिफोर्निया वन एवं अग्नि सुरक्षा विभाग (कैल फायर) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सैन लुइस ओबिस्पो काउंटी में बुधवार अपराह्न में लगी आग गुरुवार शाम तक 52593 एकड़ (212.8 वर्ग किमी) तक फैल गई थी, जिस पर केवल पांच प्रतिशत क्षेत्रफल पर नियंत्रण किया जा सका था।

रूस का यूक्रेन पर 500 मिसाइल और ड्रोन से हमला

मास्को/कीव। रूस ने यूक्रेन पर शुक्रवार सुबह 500 मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि इनमें से 270 मिसाइलों को हवा में मार गिरा गया।

इनके अलावा 330 शाहेद ड्रोन भी थे। इनमें से 208 ड्रोन को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के जरिए जाम कर दिया गया। ये ड्रोन ईरान में बने हैं। इस हमले का सबसे बड़ा निशाना राजधानी कीव ही था। कीव के अलावा द्निप्रो, सुमी, खार्किव, चेर्निहिव और आसपास के इलाकों को भी नुकसान पहुंचाया। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि इस हमले में कम से कम 23 लोग घायल हुए हैं और उनमें से 14 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। अपार्टमेंट बिल्डिंग, दुकानों, एक स्कूल, एक अस्पताल, रेलवे लाइन और दूसरे जरूरी ढांचों को नुकसान पहुंचा है। कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक धमाकों की आवाजें 3 जुलाई को रात 10 बजे से ही सुनाई देने लगी थीं और ये 4 जुलाई की सुबह तक जारी रहीं। यूक्रेन की वायु सेना के मुताबिक, रूस ने पहले रात 12:30 बजे कीव की तरफ बैलिस्टिक मिसाइल दागी और फिर रात 2:30 बजे के आसपास और मिसाइलें छोड़ीं।

23 घायल, जेलेंस्की का दावा, 270 मिसाइलें मार गिराईं, 200 से ज्यादा ड्रोन जाम किए

अफगान में महिलाओं की स्थिति दयनीय

जिनेवा। अफगानिस्तान में दस में से आठ युवा महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और प्रशिक्षण तक पहुंच नहीं है और वे इस लिहाज से पुरुषों से बहुत पीछे हैं। संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन ने अफगानिस्तान के लिये लैंगिक सूचकांक 2024 में यह खुलासा किया है।

संगठन की रिपोर्ट के अनुसार 78 प्रतिशत युवा अफगान महिलाएं शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण के क्षेत्र में कहीं भी दिखाई नहीं देती हैं। यह रिपोर्ट यूरोपीय संघ की ओर से दी गई वित्तीय सहायता से तैयार की गई है। अफगानिस्तान में दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा लैंगिक अंतर है जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्तीय समावेश और निर्णय लेने में महिलाओं और पुरुषों के बीच 76 प्रतिशत असमानता है। संगठन ने कहा सूचकांक यह भी दर्शाता है कि महिलाएं औसतन विकल्प चुनने और अवसरों तक पहुंचने के लिए अपनी पूरी क्षमता का केवल 17 प्रतिशत ही इस्तेमाल कर पाती हैं जबकि औसतन दुनिया भर में महिलाएं इन क्षेत्रों में अपनी क्षमता का 60.7 प्रतिशत इस्तेमाल कर पाती हैं। संयुक्त राष्ट्र महिला की कार्यकारी निदेशक सिमा बहौस ने कहा कि अफगानिस्तान का सबसे बड़ा संसाधन उसकी महिलाएं और लड़कियां हैं लेकिन उनकी क्षमताओं का अभी भी दोहन नहीं हुआ है। इसके बावजूद भी वे दृढ़ हैं। अफगान महिलाएं एक-दूसरे का समर्थन कर रही हैं, व्यवसाय चला रही हैं, मानवीय सहायता पहुंचा रही हैं और अन्याय के खिलाफ आवाज उठा रही हैं। बहौस के मुताबिक अफगान महिलाओं का साहस और नेतृत्व कड़े प्रतिबंधों के बावजूद उनके समुदायों को नया रूप दे रहा है। हमें उनके साथ एक ऐसे देश की तलाश में खड़ा होना चाहिए जो उनके अधिकारों और सभी अफगानों की आकांक्षाओं को दर्शाता हो।

78% युवा अफगान महिलाएं शिक्षा रोजगार या प्रशिक्षण के क्षेत्र में कहीं भी दिखाई नहीं देती है

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज
12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर
Affiliated by: U.P. State Medical Faculty Lucknow and recognized by the U.P. Govt.
कोर्स
• डी० पी० टी० • ऑप्टोमैट्री • ओ० टी० टैक्नीशियन
कोर्स अवधि : 2 वर्ष
योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित
हसन नर्सिंग होम
92, उत्तरी सरवट गेट, मुजफ्फरनगर
मो0: 8899777782, 9897640744
अखबार की कटिंग साथ लाने वाले को 5000 की छूट

देश/विदेश से एम.बी.बी.एस करें
एडमिशन के लिए सम्पर्क करें
• रशिया • जॉर्जिया • कजाखस्तान • किर्गिज़स्तान • उज्बेकिस्तान • बांग्लादेश • नेपाल • चाईना • ईरान • इजिप्ट • यू.के. • कनाडा • यू.एस.ए. और भी देशों से
M.B.B.S. ABROAD Bijnor's Leading Education Consultancy
Since 2010
अन्जुम कलीम (एम.डी.) 8384872313, 9457439020
M.B.B.S./M.D.
BDS, BAMS, BUMS, BEMS
Abroad Admission & Counselling For India
•Top Govt. Universities.
•MCI, WHO Approved Universities.
•Indian Hostel & Mess Available.
•Lowest Price Packages.
•Boys/Girls Hostels Are Separates Available.
अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें जिसमें ट्यूशन फीस, हॉस्टल फीस, खाना 3 टाईम (वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटेंशन, इंश्योरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्डरी, एफ.एम.जी. ई. कॉचिंग, 15 इंडियन बेस्ट फेकल्टी के द्वारा दी जा रही है 471 बच्चें जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुऐ (अन्य कोई खर्चा नहीं)
www.mbbsbijnor.com
ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURAHA, CHAHSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P.)